HP/129/SML/2019-2021 Title Code : HPBIL00313 RNI Reference No. 1328500 16-31 जुलाई, 2019

1 YEAR CELEBRATION

द रीव टाइम्स

The RIEV Times

1 year

हिमाचल, वर्ष 1/ अंक 25/ पृष्ठ: 16 मूल्य: ₹ 25/-

www.therievtimes.com

लेखन शब्दों को उकेरना ही नहीं, सामाजिक ताने-बाने में सत्य की अभिव्यक्ति भी है : डॉ॰ एल.सी. शर्मा

जन–जन की आवाज़ का एक सफलतम् वर्ष

पत्रकारिता में हासिल किए बड़े मुकाम.....बना पाठकों की पसंद

Dr. L.C. Sharma
Editor in Chief

समस्त सुधी पाठकों का आभार जिन्होंने 'द रीव टाइम्स' के एक वर्ष के हमारे प्रयासों को सराहा और अपने बेशकीमती सुझावों से इस समाचार पत्र को बेहतर बनाने में अपना सहयोग दिया है। हमारा प्रयास रहा कि हम बेहतर गुणवत्ता के साथ निष्पक्ष, निर्भीक एवं जनमानस की आवाज़ बनकर अपनी भूमिका सामने रखे। आपका सहयोग और स्नेह इस प्रकार भविष्य में भी मिलता रहेगा, इसी आशा के साथ द्वितीय वर्ष का ये अंक आपके हाथ में हैं।

हेम राज चौहान : संपादक

निष्पक्ष एवं सामाजिक मुद्दों पर 'द रीव टाइम्स' ने एक वर्ष में पाठकों के दिल में स्थान पाने का सफल प्रयास किया है। 'द रीव टाइम्स' के प्रकाशन का एक वर्ष पूरा होने पर पत्रकारिता के क्षेत्र में पाक्षिक समाचार पत्र ने न केवल प्रकाशन की गुणवत्ता को बनाए रखा बल्कि विषयवस्तु की सार्थकता भी लोगों ने सराही है। आज जबकि ख़बरों के लिए इंटरनेट पर लोग औपचारिकता कर लेते हैं ऐसे में 'द रीव टाइम्स' ने पाक्षिक प्रारुप में भी समाचार पत्र को 16 पृष्ठों में रंगीन प्रकाशित कर मिसाल कायम की है। इस समाचार पत्र को सरकारी कार्यालयों और प्रदेश की पंचायतों तक पहुंचाने के लक्ष्य को हासिल करने में एक वर्ष कामयाब कहा जा सकता है। लोगों की बात गांव-गलियों से उठकर सचिवालय और सरकारी दफ्तरों तक पहुंचाने में 'द रीव टाइम्स' एक पुल के रुप में सेवाऐं दे रहा है।

प्रधान संपादक डॉ० एल सी शर्मा के इस प्रयास को प्रदेश और देश भर से अलग-अलग प्रतिक्रियाऐं प्राप्त हुई जिससे इस समाचार पत्र को और अधिक जनमुखी और सुगम्य बनाने में मदद मिली है।

ये रहे एक वर्ष के विशेष आकर्षण

- विश्व के अनूठे प्रयास मिशन रीव की जन सेवा की बारीकियों को ख़बरों से उकेरा
- चंबा में दुधारु गाय को पागल कुत्ते के काटने से पूरे गांव एवं क्षेत्र में बीमारी के फैलने की रोकथाम एवं आवश्यक जानकारी में 'द रीव टाइम्स' ने प्रशंसनीय पहल की तथा प्रशासन को सजग किया।
- इसके बाद प्रभावित पशुओं एवं लोगों के उपचार से लेकर अन्य आवश्यक सहायता भी उपलब्ध करवाने में समाचार पत्र की सबसे पहली सराहनीय पहल रही
- ग्राम पंचायतों में सरकार की योजनाओं एवं कार्यक्रमों को विशेष पृष्ठों के माध्यम से पहुंचाया जिसकी पाठकों ने भरपूर सराहना की है।
- गांव से लोगों की बात को आवाज़ दी और समाधान तक लाने में भी 'द रीव टाइम्स' की पहल।

संपादकीय पृष्ठ पर समय-समय पर सामाजिक मुद्दों और घटनाक्रमों पर सरकार तक आलेख।

- अभिव्यक्ति पृष्ठ पर सम-सामयिक तथा ज्वलंत मुद्दों पर लेख
- आईआईआरडी के सामाजिक अभियान जैसे नशामुक्त हिमाचल -जिंदगी जिऐं-नशा नहीं, आदि से जागरुकता का भी सराहनीय कार्य।
- जैविक कृषि एवं शुन्य लागत कृषि पर भी समय-समय पर लेख और जानकारी प्रकाशित
- स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रदेश भर में घर-द्वार की सेवाओं को भी प्रकाशित किया गया जिससे लोगों को रीव क्लिनिक एवं जनऔषधी केन्द्रों की जानकारी पाठकों को मिलती रही।

अपने सुधी पाठकों के हाथ में यह द्वितीय वर्ष का पहला 25वां अंक देते हुए हार्दिक प्रसन्नता हो रही है क्योंकि आपका ये स्नेह यों ही बना रहे और हम आपकी आवाज़ बनकर कलम से सत्य को उकेरते रहें।

प्रदेश के माननीय राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के साथ-साथ अन्य सम्माननीयों एवं बुद्धिजीवियों के 'द रीव टाइम्स' की वर्षगांठ पर बधाई संदेश

Acharya Devvrat
Governor
Himachal Pradesh

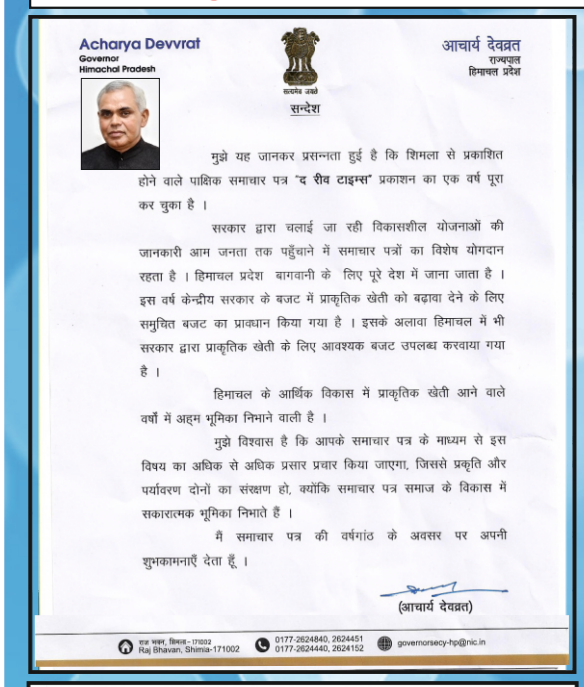

आचार्य देवव्रत
राज्यपाल
हिमाचल प्रदेश

सत्यमेव जयते

सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि शिमला से प्रकाशित होने वाले पाक्षिक समाचार पत्र "द रीव टाइम्स" प्रकाशन का एक वर्ष पूरा कर चुका है।

सरकार द्वारा चलाई जा रही विकासशील योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुँचाने में समाचार पत्रों का विशेष योगदान रहता है। हिमाचल प्रदेश बागवानी के लिए पूरे देश में जाना जाता है। इस वर्ष केन्द्रीय सरकार के बजट में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए समुचित बजट का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा हिमाचल में भी सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती के लिए आवश्यक बजट उपलब्ध करवाया गया है।

हिमाचल के आर्थिक विकास में प्राकृतिक खेती आने वाले वर्षों में अहम भूमिका निभाने वाली है।

मुझे विश्वास है कि आपके समाचार पत्र के माध्यम से इस विषय का अधिक से अधिक प्रसार प्रचार किया जाएगा, जिससे प्रकृति और पर्यावरण दोनों का संरक्षण हो, क्योंकि समाचार पत्र समाज के विकास में सकारात्मक भूमिका निभाते हैं।

मैं समाचार पत्र की वर्षगांठ के अवसर पर अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ।

(आचार्य देवव्रत)

राज भवन, शिमला-171002
Raj Bhavan, Shimla-171002
0177-2624840, 2624451
0177-2624440, 2624152
governorsecy-hp@nic.in

जय राम ठाकुर

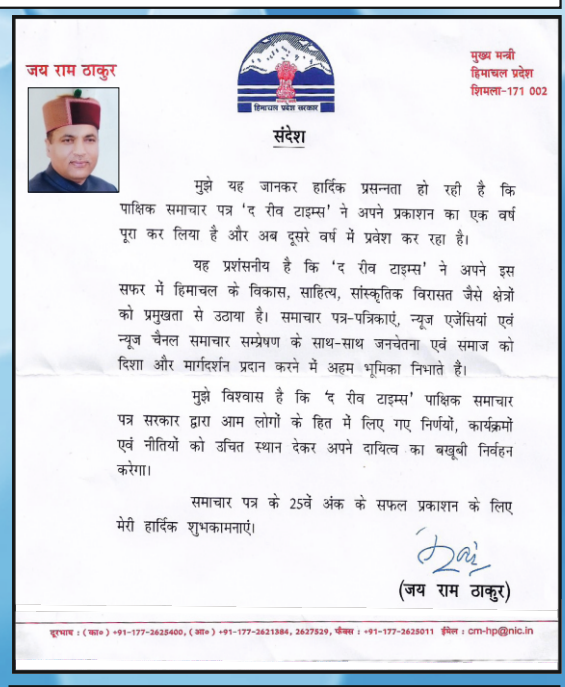

हिमाचल प्रदेश सरकार

मुख्य मन्त्री
हिमाचल प्रदेश
शिमला-171 002

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि पाक्षिक समाचार पत्र 'द रीव टाइम्स' ने अपने प्रकाशन का एक वर्ष पूरा कर लिया है और अब दूसरे वर्ष में प्रवेश कर रहा है।

यह प्रशंसनीय है कि 'द रीव टाइम्स' ने अपने इस सफर में हिमाचल के विकास, साहित्य, सांस्कृतिक विरासत जैसे क्षेत्रों को प्रमुखता से उठाया है। समाचार पत्र-पत्रिकाएं, न्यूज एजेंसियां एवं न्यूज चैनल समाचार सम्प्रेषण के साथ-साथ जनचेतना एवं समाज को दिशा और मार्गदर्शन प्रदान करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

मुझे विश्वास है कि 'द रीव टाइम्स' पाक्षिक समाचार पत्र सरकार द्वारा आम लोगों के हित में लिए गए निर्णयों, कार्यक्रमों एवं नीतियों को उचित स्थान देकर अपने दायित्व का बखूबी निर्वहन करेगा।

समाचार पत्र के 25वें अंक के सफल प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(जय राम ठाकुर)

दूरभाष : (का॰) +91-177-2625400, (आ॰) +91-177-2621384, 2627529, फैक्स : +91-177-2625011 ईमेल : cm-hp@nic.in

हिमाचल प्रदेश सरकार

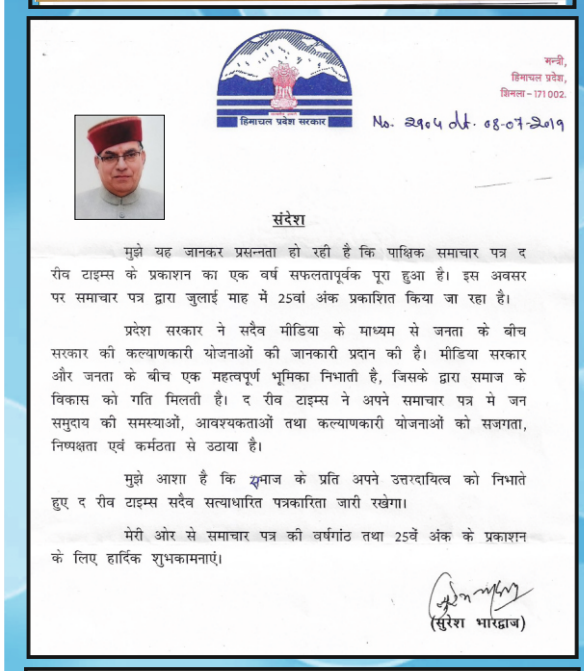

मन्त्री,
हिमाचल प्रदेश,
शिमला-171 002.

No. 2904 dt. 08-07-2019

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि पाक्षिक समाचार पत्र द रीव टाइम्स के प्रकाशन का एक वर्ष सफलतापूर्वक पूरा हुआ है। इस अवसर पर समाचार पत्र द्वारा जुलाई माह में 25वां अंक प्रकाशित किया जा रहा है।

प्रदेश सरकार ने सदैव मीडिया के माध्यम से जनता के बीच सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की है। मीडिया सरकार और जनता के बीच एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिसके द्वारा समाज के विकास को गति मिलती है। द रीव टाइम्स ने अपने समाचार पत्र मे जन समुदाय की समस्याओं, आवश्यकताओं तथा कल्याणकारी योजनाओं को सजगता, निष्पक्षता एवं कर्मठता से उठाया है।

मुझे आशा है कि समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को निभाते हुए द रीव टाइम्स सदैव सत्याधारित पत्रकारिता जारी रखेगा।

मेरी ओर से समाचार पत्र की वर्षगांठ तथा 25वें अंक के प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

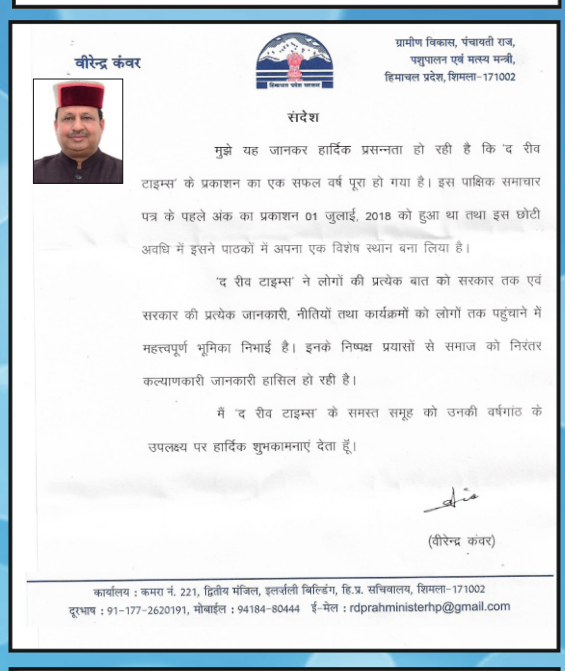

(सुरेश भारद्वाज)

वीरेन्द्र कंवर

ग्रामीण विकास, पंचायती राज,
पशुपालन एवं मत्स्य मन्त्री,
हिमाचल प्रदेश, शिमला-171002

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि 'द रीव टाइम्स' के प्रकाशन का एक सफल वर्ष पूरा हो गया है। इस पाक्षिक समाचार पत्र के पहले अंक का प्रकाशन 01 जुलाई, 2018 को हुआ था तथा इस छोटी अवधि में इसने पाठकों में अपना एक विशेष स्थान बना लिया है।

'द रीव टाइम्स' ने लोगों की प्रत्येक बात को सरकार तक एवं सरकार की प्रत्येक जानकारी, नीतियों तथा कार्यक्रमों को लोगों तक पहुंचाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनके निष्पक्ष प्रयासों से समाज को निरंतर कल्याणकारी जानकारी हासिल हो रही है।

मैं 'द रीव टाइम्स' के समस्त समूह को उनकी वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

(वीरेन्द्र कंवर)

कार्यालय : कमरा नं. 221, द्वितीय मंजिल, इलर्जली बिल्डिंग, हि.प्र. सचिवालय, शिमला-171002
दूरभाष : 91-177-2620191, मोबाईल : 94184-80444 ई-मेल : rdprahministerhp@gmail.com

बी. के. अग्रवाल, भा.प्र.से.
मुख्य सचिव
B. K. AGARWAL, IAS
Chief Secretary

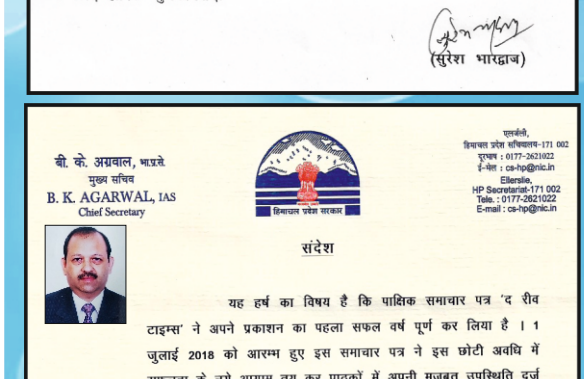

हिमाचल प्रदेश सरकार

एलर्जली,
हिमाचल प्रदेश सचिवालय-171 002
दूरभाष : 0177-2621022
ई-मेल : cs-hp@nic.in
Ellerslie,
HP Secretariat-171 002
Tele. : 0177-2621022
E-mail : cs-hp@nic.in

संदेश

यह हर्ष का विषय है कि पाक्षिक समाचार पत्र 'द रीव टाइम्स' ने अपने प्रकाशन का पहला सफल वर्ष पूर्ण कर लिया है। 1 जुलाई 2018 को आरम्भ हुए इस समाचार पत्र ने इस छोटी अवधि में सफलता के नये आयाम तय कर पाठकों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है।

'द रीव टाइम्स' प्रदेश में जन कल्याण की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ जन अपेक्षाओं को सरकार तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मुझे विश्वास है कि 'द रीव टाइम्स' समाजिक गतिविधियों में इसी प्रकार अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा।

मैं 'द रीव टाइम्स' के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

(बी०के०अग्रवाल)

Kusum Sadrate
Mayor
Municipal Corporation Shimla

Office : 0177-2812360
Mobile : 94597-95447
E-mail : mcs_shimla@yahoo.com
mayor.mcs@hp.gov.in
Valancia Estate, Lower Kaithu
Annadale, Shimla-171003

Ref. No. :
Date :

संदेश

द रीव टाइम्स समाचार पत्र के एक वर्ष पूरा करने पर मैं इस समाचार पत्र समूह को हार्दिक बधाई देती हूँ। द रीव टाइम्स समाचार पत्र ने मात्र एक वर्ष में निष्पक्ष पत्रकारिता और सत्याधारित खबरों को ही स्थान दिया। इस समाचार पत्र ने खबरों को जांच-परख की कसौटी पर तोल कर पाठकों के सामने रखा।

नगर निगम शिमला की विकासात्मक ख़बरों को भी समय-समय पर समुचित स्थान मिलता रहा है। विगत एक वर्ष में नगर निगम ने जो अभूतपूर्व विकास कार्य किए न केवल उनको लोगों एवं सरकार तक पहुँचाने में द रीव टाइम्ज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

द रीव टाइम्स में सम-सामायिक विषयों पर संपादकीय एवं अन्य लेखों के माध्यम से पाठकों को विश्लेषणात्मक जानकारी की उपलब्धता बनी हुई है, जिसके लिए मैं व्यक्तिगत तौर पर समाचार पत्र को बधाई देती हूँ। केन्द्रिय एवं राज्य सरकार की योजनाओं को विशेष पृष्ठों पर श्रृंखलाबद्ध स्थान देना अपने आप में समाचार पत्र की सामाजिक जिम्मेवारी को दर्शाता है। 15 दिनों की समस्त महत्वपूर्ण ख़बरों को भी उचित स्थान मिला है। मिशन रीव और आईआईआरडी के सामाजिक प्रयासों की भी ख़बरों ने जानकारी में इज़ाफा किया है।

मैं पुनः द रीव टाइम्स की वर्षगांठ के अवसर पर सभी को बधाई देती हूँ तथा विशेषकर प्रधान संपादक डा0 एल.सी.शर्मा एवं संपादकीय टीम को सराहनीय प्रयास के लिए हार्दिक शुभकानाएं देती हूँ।

कुसुम सदरेट
महापौर,
नगर निगम शिमला।

आईआईआरडी व मिशन रीव की वर्षभर में की उपलब्धियां 'द रीव टाइम्स' की नज़र में

- ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री विरेंद्र कंवर द्वारा मिशन रीव की विभिन्न सेवाओं का आगाज
- ब्लॉक स्तर पर खुले मिशन रीव के कार्यालय
- द रीव टाइम्स का पहला अंक प्रकाशित
- एसीएस स्वास्थ्य द्वारा जनऔषधि केंद्रों का उद्घाटन
- उत्कृष्ठ एनजीओ ऑफ सीएसआर टाइम्स पुरस्कार
- ऑयस्टर मशरुम पायलट प्रोजेक्ट
- विभिन्न पंचायतों में जैविक खाद का प्रशिक्षण शुरु
- चंबा पहला कैशलैस जिला
- जिंदगी जियें-नशा नहीं अभियान का आगाज
- मृदा परीक्षण सुविधा का शुभारम्भ
- मिशन रीव की पहली वर्षगांठ पर रीव संस्करण दो का आगाज
- शिक्षा मंत्री ने जिंदगी जियें- नशे को नहीं अभियान के विजेताओं को नवाजा
- कर्नाटक में ड्रीम प्रोजेक्ट का शिलान्यास
- आईआईआरडी में खुला रीव क्लीनिक
- आईआईआरडी को एनएसडीसी से मिला पार्टनरशिप सर्टीफिकेट
- एलआईसी ने आईआईआरडी को बनाया कोओपरेटिव एजेंट

गांव में 60% लोग हाई बीपी के शिकार

हिमाचल के अधिकतर लोग रक्तचाप और शुगर से ग्रस्त

रीव टेलीमेडिसिन ...घर से जांच, घर तक उपचार

स्वास्थ्य के क्षेत्र में मिशन रीव की अद्वितीय पहल

छह माह में पांच हजार लोगों की घर पर स्वास्थ्य जांच

गांवो में शुगर के मरीज बन रहे लोग

क्या कहते हैं अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्वास्थ्य बी के अग्रवाल

मिशन रीव के तहत जनऔषधि केन्द्र शिमला का उद्घाटन करने के बाद अतिरिक्त मुख्य सचिव स्वास्थ्य बी के अग्रवाल ने बताया कि जनऔषधि केन्द्रों के खुलने से गांव में लोगों को सस्ती एवं गुणवत्ता की दवाईयां उपलब्ध हो पाएगी, जिसमें आईआईआरडी ने प्रशंसनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल में ऐसी संस्था की कमी लंबे समय तक देखी गई जो योजनाओं को धरातल पर लागु करने और नए प्रयासों के साथ सामने आए। प्रदेश में इस कमी को आईआईआरडी ने पूरा किया हैं। जनऔषधि केन्द्रों के संचालन एवं अन्य औपचारिकताओं में सरकार संस्था को सहयोग करेगी। इससे न केवल सेवाओं की सुलभता आम जनता को होगी बल्कि संस्था के रोजगार के लक्ष्य से प्रदेश की आर्थिकी में भी सकारात्मक बदलाव लाया जा सकेगा।

विदेशों में भी रीव की मांग से इसकी सार्थकता पर लगी मुहर

यू एन में मिशन रीव की वाहवाही

अफ्रीकन देशों के प्रतिभागियों से होगी रीव पर चर्चा

टीम आईआईआरडी ग्लोबल प्लैटफॉर्म जिनेवा में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने सम्मिलित हुए प्रधानमंत्री के अतिरिक्त सचिव

ज़ांबिया की मंत्री Hon. Sylvia Bambala Chalikosa के साथ अफ्रीकन देशों में मिशन रीव को ले जाने की चर्चा के बाद संयुक्त छायाचित्र

हिमाचल ने कहा एक साथ ... ज़िंदगी जियें-नशा नहीं

आईआईआरडी के नशामुक्त हिमाचल अभियान ने 5 सिंतबर को पूरे प्रदेश में जनमानस को जोड़ा

विद्यालयों में प्रतियोगिताऐं और युवा, महिला मंडलों में कार्यक्रम हुए आयोजित

क्या कहते हैं अभियान के संचालक एवं प्रबन्ध निदेशक

नशामुक्त हिमाचल अभियान 'ज़िंदगी जियें–नशे को नहीं' के प्रणेता एवं संचालक व प्रबन्ध निदेशक आईआईआरडी डॉ0 एल सी शर्मा ने इस अभियान की बारीकियों को सामने रखते हुए बताया कि इस अभियान के चार चरण है तथा यह प्रथम एवं महत्वपूर्ण चरण रहा जिसमें पूरे हिमाचल को शामिल किया गया था। सैंकड़ों स्कूलों के बच्चों ने इसमें विभिन्न माध्यमों से शिरकत की तथा राज्यस्तर की इस संभाषण प्रतियोगिता तक स्थान बनाया। इसके बाद दूसरे चरण पर अभियान आरम्भ किया जाएगा जिसके लिए माननीय शिक्षा मंत्री ने भी हरसंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के अलावा अब युवाओं को फोकस कर समस्या के निदान तक पंहुचने का संस्था प्रयास करेगी। इसके लिए खाका तैयार किया जा चुका है।

आईआईआरडी की सेवाऐं प्रशंसनीय : महापौर

शिमला नगर निगम महापौर कुसुम सदरेट ने आईआईआरडी की सेवाओं की तारीफ करते हुए कहा कि इस संस्था ने स्वयं को प्रदेश में अपनी सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से जागरुकता और बदलाव के साथ सहयोग किया है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व भी संस्था के अनेक कार्यक्रमों में वो शिरकत कर चुकी हैं तथा मिशन रीव और आईआईआरडी की गतिविधियों को समीप से जानने का अवसर प्राप्त हुआ। नशे जैसी गंभीर चुनौती को स्वीकार कर इस संस्था ने प्रदेश भर में अभियान के माध्यम से अच्छी पहल की है। नगर निगम शिमला इस अभियान में हरसंभव सहयोग के लिए तत्पर है।

जैविक खाद से किसान होगें खुशहाल

पूरे हिमाचल के किसानों तक आईआईआरडी करेगा डि-कंपोजिंग रीव जैविक खाद की आपूर्ति

आवश्यक पोषक तत्वों की कमी से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित

आईआईआरडी की एक और बड़ी उपलब्धि

उड़ीसा में अत्याधुनिक इंडोर स्टेडियम बना रही आईआईआरडी

केंद्रीय पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री ने किया शिलान्यास

महिला सशक्तिकरण में संस्था की उड़ान

दिल्ली में पुरस्कार प्राप्त करते आईआईआरडी के (दांए से बांए) प्रबन्ध निदेशक डॉ. एल.सी. शर्मा, निदेशक सुषमा शर्मा, रीता वर्मा, महरीन इकबाल, और आर के सिंह

मिशन रीव की उड़ान अब सात समंदर पार भी

जिनेवा में रीव पर होगी चर्चा, पहले भी यूएन में बज चुका है डंका

आईआईआरडी बोर्ड ऑफ डायरेक्टरस् की बैठक भी पहली बार देश से बाहर जिनेवा में

समस्त सेवाकर्मियों के अथक प्रयासों एवं जनमानस का प्रतिफल : डॉ0 एल सी शर्मा

एक छोटे से क़दम से जो यात्रा आईआईआरडी ने आरम्भ की थी उसका इस प्रकार आज आसमान की बुलंदियों पर पहुंचने का सपना पूरा होता दिखाई दे रहा है। इसके लिए संस्था और मिशन रीव से जुड़ें हज़ारों सेवाकर्मियों का अथक प्रयास सदैव सराहनीय है तथा प्रदेश और पूरे देश में संस्था से जुड़ें सभी लोगों का आशीर्वाद और सहयोग इस कामयाबी की नींव है। शीघ्र ही भारत के अलावा विदेशों में इससे भी बड़ी उपलब्धियों पर पूरी निष्ठा से सेवाऐं दी जाऐगी। मैं संस्था की ओर से इस उपलब्धि के लिए बहुत बधाई देता हूं।

कर्नाटक के धारवाड़ में आईआईआरडी का ड्रीम प्रोजेक्ट

बहुउद्देशिय इंडोर खेल परिसर का हुआ शिलान्यास

विकास खण्ड मशोबरा की 48 पंचायतों में मिशन रीव की धमक

लोगों से भी गांव में हुआ संपर्क / युवा मंडल, महिला मंडलों के साथ हुई चर्चा

उत्तर प्रदेश में आईआईआरडी का सराहनीय क़दम

कौशल विकास योजना में युवाओं को मिला रोजगार

भारत के स्मार्ट गांव के लिए मिशन रीव हो सकता है मॉडल

दिल्ली के प्रगति मैदान में मिशन रीव पर प्रस्तुतिकरण

मिशन रीव : आपकी समस्त जिम्मेवारियों का संवाहक

आयु विशेष वर्ग में समस्याओं पर एक क्लिक से सुविधाऐं होंगी आपके द्वार

मिशन रीव का दूसरा संस्करण : दिल से सेवा-दिल से भुगतान

मिशन रीव की सेवाऐं :
- स्वास्थ्य डिविजन
- कृषि डिविजन
- यूटिलिटी, लाइसेंस व अन्य ऑनलाइन सर्विसेज डिविजन
- उद्यमिता और व्यवसाय विकास डिविजन
- बैंकिंग, फाइनेंस और इंशोरेंस डिविजन
- शिक्षा और प्रशिक्षण डिविजन
- सामाजिक सुरक्षा और आपातकालीन सेवा डिविजन
- ग्रामीण उत्पाद मार्केटिंग डिविजन
- संपत्ति प्रबंधन डिविजन
- मीडिया, प्रिंटिंग और पब्लिकेशन डिविजन

उत्तर प्रदेश में कौशल विकास में आईआईआरडी दे रहा प्रशंसनीय सेवाऐं

प्रशासनिक मुख्य न्यायमूर्ति इलाहाबाद ने प्रदान किए नियुक्ति पत्र

कौशल विकास से खुले रोज़गार के द्वार मिशन की सेवाओ को सराहां योगी आदित्यनाथ ने संस्था द्वारा संचालित केन्द्रों के प्रशिक्षुओं को प्रदान किए रोज़गार प्रमाण पत्र

आसाम में नई उड़ान–दिल से सेवा दिल से भुगतान

मिशन रीव अब आसाम में भी देगा सेवाऐं

Towards Disaster Risk Reduction and Making Societies Resilient

IIRD Board participating UN Global Platform Geneva as part of ARISE India

राज्य स्तरीय नशामुक्त अभियान संस्था का प्रशंसनीय प्रयास :शिक्षा मंत्री

शिक्षा मंत्री सुरेश भारद्वाज ने प्रदेश भर से आए प्रतियोगी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

रीव फीड सप्लिमेंट अब देश के बाहरी राज्यों में भी बिकेगी

हरियाणा और पंजाब में डेयरी फार्म की मिली सराहना

पंजाब और हरियाणा में गोशाला से जन सेवा तक
रीव फीड सप्लिमेंट और जैविक खाद को मिल रही सराहना
गोसेवकों ने कायम की मिसाल..मिशन रीव का मिलेगा साथ

आईआईआरडी को मिला उत्कृष्ट एनजीओ ऑफ सीएसआर टाइम्स का राष्ट्रीय पुरस्कार

झारखण्ड में रुपांतरण परियोजना की सफलता पर आईआईआरडी टीम ने दिल्ली में प्राप्त किया पुरस्कार

विशेष कला ज़रदोज़ी में आईआईआरडी की सराहनीय पहल

उत्तर प्रदेश में सैंकड़ों युवाओं को मिले रोजगार के अवसर

आईआईआरडी बना अब एनएसडीसी का साझेदार

हिमाचल के युवाओं का हुनर तराशेगा आईआईआरडी
हिमाचल में पांच केंद्रों पर तीन सौ को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य
बाहरी राज्यों में तीन हजार से अधिक अभ्यर्थियों को किया प्रशिक्षित

Skill India कौशल भारत-कुशल भारत

प्रदेश में मिशन रीव स्थापित करेगा सलाहकार बोर्ड

ग्राम पंचायत से राज्य स्तर तक बनेंगी सलाहकार समितियां

मिशन रीव और आमजन के मध्य सलाहकार बोर्ड करेगा सेतु का कार्य

इच्छुक समाजसेवियों, संस्थाओं/संस्थानों के प्रतिनिधियों एवं जागरूक नागरिकों से सलाहकार बोर्ड की सदस्यता हेतु जुड़ने का आहवान किया जाता है

मिशन रीव सचिवालय

संवाहक बनें
अपना गांव-अपना धन, अपना विकास
अपना बैंक अपना लोन...
आओ बदलें गांव की तस्वीर...
संवाहक बनें अपने गांव अपने समाज के

निधि कंपनी (बैंकिंग)
ग्रामीण सदस्यों में बचत की आदत को बढ़ावा देकर स्वसंचित धन को व्यक्तिगत एवं सामाजिक विकास हेतु ऋण प्रदान करना (सभी सलाहकार समितियों में लागू)

पंचायत स्तर | खण्ड स्तर | ज़िला स्तर | राज्य स्तर

रीव पंचायत सलाहकार बोर्ड
11 सदस्यीय सलाहकार बोर्ड (प्रतिनिधि संस्थाओं के सदस्य, बुद्धिजीवि, समाजसेवी एवं अन्य इच्छुक) बैठक प्रतिमाह

पंचायत स्तर सलाहकार बोर्ड के कार्य
- मिशन रीव की वर्तमान ग्रामीण सेवाओं एवं क्रियान्वयन की समीक्षा
- मिशन रीव के अंतर्गत नवीन सुझावों, सेवाओं के क्रियान्वयन में सहयोग करना
- मिशन रीव के अंतर्गत गठित निधि कंपनी (बैंक) के लिए ग्रामीणों में बचत की आदत को बढ़ावा देना तथा संचित निधि की 70 प्रतिशत राशि का ऋण के रुप में वितरित करने हेतु अनुशंसा करना

रीव खण्ड स्तरीय सलाहकार बोर्ड
25 सदस्यीय सलाहकार बोर्ड (ग्राम पंचायत प्रधान, एनजीओ प्रतिनिधि समाजसेवी एवं अन्य इच्छुक) दो माह में एक बैठक

ब्लॉक स्तर पर सलाहकार बोर्ड के कार्य
- मिशन रीव की मौजुदा तथा नयी सेवाओं की दीर्घकालीनता एवं रीव स्वयंसेवियों के उत्थान प्रक्रिया की समीक्षा करना
- मिशन रीव के अंतर्गत भौगोलिक परिस्थिति के अनुसार सेवाओं का चयन तथा कल्याणकारी योजनाओं का निर्माण करना
- मिशन रीव के अंतर्गत गठित निधि कंपनी बैंक के लिए ग्रामीणों को संचित निधि की 20 प्रतिशत राशि का ऋण के रुप में वितरित करने हेतु अनुशंसा करना

रीव ज़िला स्तरीय सलाहकार बोर्ड
35 सदस्यीय सलाहकार बोर्ड (चेयरमैन पंचायत समिति, एनजीओ प्रतिनिधि समाजसेवी एवं अन्य इच्छुक) तीन माह में एक बैठक

ज़िला स्तर पर सलाहकार बोर्ड के कार्य
- मिशन रीव के मौजुदा एवं नये विकासात्मक लक्ष्यों (संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य, एसडीजी के दृष्टिगत) एवं उनके क्रियान्वयन की प्रक्रिया की समीक्षा करना
- मिशन रीव के अंतर्गत गठित निधि कंपनी बैंक के लिए ग्रामीणों को संचित निधि की 10 प्रतिशत राशि का ऋण के रुप में वितरित करने हेतु अनुशंसा करना

रीव राज्य स्तरीय सलाहकार बोर्ड
45 सदस्यीय सलाहकार बोर्ड (चेयरमैन ज़िला परिषद्, एनजीओ प्रतिनिधि समाजसेवी एवं अन्य इच्छुक) वर्ष में दो बैठक

राज्य स्तर पर सलाहकार बोर्ड के कार्य
- मिशन रीव की मौजुदा नीतियों की समीक्षा तथा नई नीतियों का निर्माण करना
- मिशन रीव की गतिविधियों एवं सेवाओं की प्रभावशीलता की समीक्षा करना
- मिशन रीव के अंतर्गत गठित निधि कंपनी बैंक के लिए ग्रामीणों को संचित निधि की 5 प्रतिशत राशि का ऋण के रुप में वितरित करने हेतु अनुशंसा करना

यदि आपमें जज़्बा है समाजसेवा, ग्रामीण विकास एवं सामाजिक बदलाव लाने का तो आज ही जुड़ें मिशन रीव से और बनिए सलाहकार बोर्ड के सदस्य

IIRD हम जानते हैं गाँव को बेहतर

हमसे जुड़ने के लिए संपर्क करें
Mob. 94184 04334 www.missionriev.in/advisory.aspx

मिशन रीव : आपकी समस्त जिम्मेवारियों का संवाहक

मिशन रीव का दूसरा संस्करण : दिल से सेवा-दिल से भुगतान

द रीव टाइम्स : हेम राज चौहान

मिशन रीव (रुरलाइजिंग इंडिया–एंपावरिंग विलेजिज) आमजन के सपनों को पूरा करने, उनकी जन्म से पश्चाम तक की समस्याओं को समाधान की राह पर लाने हेतु अपनी बेहतरीन और गुणात्मक सेवाओं के साथ हिमाचल के जनमानस के साथ द्वितीय संस्करण लेकर प्रस्तुत है। इन सेवाओं को 10 प्रभागों में विभाजित कर सरलीकरण किया गया है। इस प्रकार का यह प्रयास प्रदेश या देश ही नहीं पूरे विश्व में अनूठा है जिसके अंतर्गत बहुत कम कीमत पर आपकी हर समस्या को समाधान तक लाने के प्रति मिशन रीव क्रियाशील है। मिशन रीव ने अपने प्रथम वर्ष के अनुभव के आधार पर द्वितीय ...

यूटिलिटी, लाइसेंस व अन्य ऑनलाइन सर्विसेज डिविजन
- सरकारी योजनाओं और उन पर मिलने वाली छूट की जानकारी आमजन तक पहुंचाना
- पंजीकरण, लाइसेंस, एनओसी और सर्टीफिकेट व अन्य संबंधित दस्तावेजों के निर्माण में सहयोग करना
- बिजली, पानी, व अन्य रोजमर्रा से संबंधित यूटीलिटी सेवाऐं उपलब्ध ...

- मोबाइल मेडीकल लैब–78 मानकों पर आधारित स्वास्थ्य जांच
- जनऔषधी केंद्र– लोगों को घर द्वार पर सस्ती दवा उपलब्ध कराना
- टेलीमेडीसन– लोगों के घर पर ही स्वास्थ्य जांच और ऑनलाइन स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा

कृषि डिविजन
- मृदा परीक्षण लैब– सदस्यों और किसानों के लिए सेवाऐं
- जैविक खाद निर्माण–किसानों को जैविक खाद निशुल्क प्रशिक्षण और उनके द्वारा निर्मित खाद को बाजार उपलब्ध कराना
- बीज और कृषि उपकरण–किसानों को उनकी मांग के आधार पर उत्तम किस्म के बीज और आधुनिक उपकरण
- फीड सप्लीमेंट– पशुओं में दुग्ध उत्पादन और स्वास्थ्य सुधार के लिए
- जैविक कृषि को प्रोत्साहन देना और कृषि विकास के लिए योजना बनाकर किसानों को सहयोग देना

- संपत्ति संबंधि देनदारियों, पंजीकरण, इंतकाल, राजस्व से संबंधित विभिन्न सेवाऐं
- नक्शा तैयार करवाने और स्थानीय प्राधिकरणों से मंजूरी आदि में सहयोग करना
- विभिन्न विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र दिलाने में सहयोग

मीडिया, प्रिंटिंग और पब्लिकेशन डिविजन
- द रीव टाइम्स समाचार पत्र का प्रकाशन, ऑनलाइन न्यूज पोर्टल
- ग्रामीण विकास से जुड़ी समस्याओं को विभिन्न प्रकाशनों के माध्यम से सरकार तक पहुंचाना
- मिशन रीव ने इस सेवाओं को सार्वजनिक कर आम आदमी को उसकी परेशानियों से मुक्त करने और देश हित तथा स्वयं के विकास के लिए स्वतंत्रता एवं समय प्रदान करने का एक सुअवसर प्रदान किया है।

मिशन रीव के एक वर्ष पूरे होने पर शुरु हुआ रीव संस्करण-2

मानसिक संपन्नता से ही आर्थिक संपन्नता का उद्भव संभव

सबके चेहरे पर मुस्कान ही मिशन रीव का परम् लक्ष्य

द रीव टाइम्स (हेम राज चौहान)

मिशन रीव के एक वर्ष पूरा होने पर पिछले अंक में हमने आपसे साझा किया था कि किस प्रकार विकास एवं आमजन के हित व समस्याओं को समझने का विचार हवा में तैर रहा था जिसे मिशन रीव ने धरातल पर लाकर उसे आत्मसात करने का सफल प्रयास इस एक वर्ष में किया। यानि यह सफर फर्श से अर्श का नहीं अपितु अर्श से फर्श तक का रहा। इस बीच बहुत से अनुभवों की कढ़ाई में कढ़ने और लोगों की बात को सुनने और महसूस करने के बाद कुछ आमूलचूक परिवर्तनों के साथ मिशन रीव का दूसरा संस्करण भिन्नता एवं ...

ग. स्वैच्छिक सदस्यता :
इस प्रारुप में सदस्य बनने के लिए कोई भी भुगतान नहीं किया जाऐगा। इसमें कोई भी सदस्य बन सकता है तथा सदस्य बनने के बाद उनका आवश्यकता आकलन होगा।

12 ज़िलें-12 ब्लॉक : दिल से सेवा-दिल से भुगतान
प्राथमिक चरण में दूसरा संस्करण प्रदेश के 12 ज़िलों के 12 ब्लॉक में लागु किया जा रहा है। मिशन रीव अपने 10 प्रभागों में विभाजित समस्त सेवाओं को आम लोगों में ले जाकर आवश्यकता आकलन के आधार पर समस्याओं का समाधान करेगा। दिल से सेवा भाव रखते हुए रीव सेवाकर्मी आपके पास आकर आपसे बात करेंगें और आपके लिए सेवाऐं देंगें। निश्चित भुगतान की स्थिति में भी आपसे हमारे साथी एक मुस्कान और दिल से भुगतान की बात करेंगे ... यही ध्येय मिशन रीव को अन्यों से पृथक करता है।

पहले सेवा-बाद मे आमदन-आपके चेहरे पर मुस्कान : दिल से सेवा-दिल से भुगतान
इसी मूलमंत्र को मिशन रीव आपके आंगन में दस्तक दे रहा है। आपकी चिंता ही हमारी सेवा को दिशा देता है। समस्या का निदान हमारा सर्वोपरी लक्ष्य है।

क्या कहते हैं प्रबंध निदेशक डॉ0 एल सी शर्मा

सेवा एक चुनौतीपूर्ण एवं वृहद् विषय है। मिशन रीव का उद्भव सेवा के मूल के साथ ही हुआ था। सेवाओं को प्रदेश के लोगों तक पहुचाने में अनेक पड़ावों से पार होना पड़ा। सेवाओं में उत्कृष्ठता, निष्पादन में गुणवत्ता तथा प्राप्ति के पश्चात चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान आए बिना सामाजिक दायित्व वाले इस विचार की पुष्टि नहीं हो सकती जबकि इसकी पूरी व्यवस्था की आपूर्ति के लिए या सेवा प्राप्त करने वालों से कार्यानुरुप शुल्क लें तो कहीं यह उनके चेहरे पर शिकन या झुर्रियों का कारण न बन जाए। इसी कशमकश में एक नया अध्याय लिखने के लिए मार्ग ...

IIRD सदस्यता के लिए किसी भी प्रारूप में जुड़ने के लिए हमारे ब्लॉक, जिला समन्वयकों से अथवा सीधे हमारी Website : www.missionriev.in या दूरभाष न. - 0177-2640761, 2844073 पर संपर्क करें।

मिशन रीव में ई-भर्ती प्रक्रिया: साक्षात्कार से प्रशिक्षण तक ऑनलाईन

APPLY HERE

Riev Employee Referral Code: Enter Employee Code (*optional)	Applying position for: Riev Coordinator
First Name: Enter First name	Last name: Enter Last name
Email address: Enter Email	Phone: Enter number
Gender: --select–	Select Qualification Level: Select Qualification Level:
Select Qualification Stream: Select Qualification Stream:	Please Specify Qualification: Please Specify
Select District: Select	Select Block: Select
Select panchayat: Select	Please Specify Village: Please Specify Village:

Reference

आवश्यक सूचना

हिमाचल का सबसे तेज़ गति से उभरता पाक्षिक समाचार पत्र द रीव टाइम्स में मार्केटिंग हेतु युवाओं (लड़के/लड़कियों) की आवश्यकता है। एक स्थाई रोजगार एवं बेहतर वेतनमान के साथ आकर्षक कमीशन का प्रावधान रहेगा।

द रीव टाइम्स
दूरभाष : 9418404334
Chauhan.hemraj09@gmail.com, hem.raj@iirdshimla.org

द रीव टाइम्स आपकी आवाज़ ही है हमारी आवाज़

राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, राज्य, जिलों, गांव, स्वास्थ्य, कानून, समसामयिक विषयों पर संपादकीय एवं अभिव्यक्ति, सामान्य ज्ञान, प्रतियोगी परीक्षाओं का ज्ञान दर्पण, सरकारी जनपयोगी योजनाओं का संपूर्ण दस्तावेज़......द रीव टाइम्स
उत्कृष्ठ गुणवत्ता, संपूर्ण रंगीन पृष्ठ, शानदार विषयवस्तु के साथ प्रदेश का पाक्षिक समाचार पत्र द रीव टाइम्स अब आपको मिलेगा घर-द्वार पर ही। समाचार पत्र को लगाने के लिए आप हमारी वेबसाइट http://sub.missionriev.in पर लॉगइन कर आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा मिशन रीव के कार्यकर्ता/अधिकारी से संपर्क कर भी आप कैशलैस भुगतान कर इसके वार्षिक सदस्य बन सकते हैं। अब आपके लिए आकर्षक ऑफर.....
अब वार्षिक सदस्य बनें केवल 500/रुपये, छः माह के लिए 250/रुपये में और घर बैठे पांऐ द रीव टाइम्स.....क्योंकि आपकी आवाज़ ही है हमारी आवाज़

सम्माननीयों एवं बुद्धिजीवियों के 'द रीव टाइम्स' की वर्षगांठ पर बधाई संदेश

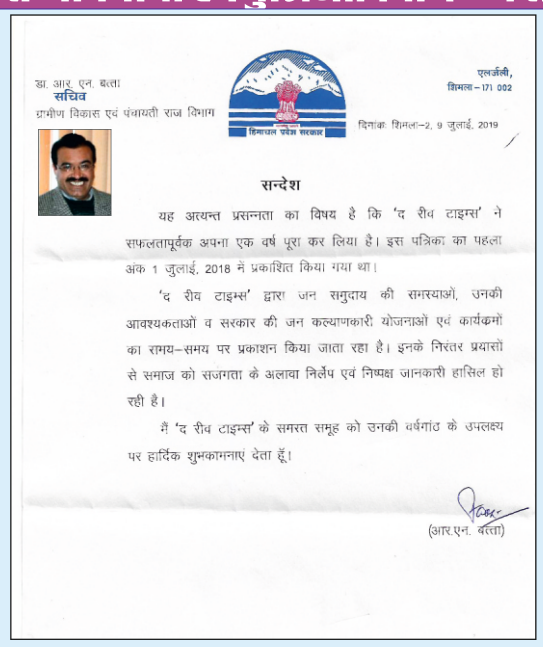

डा. आर. एन. बत्ता
सचिव
ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग

हिमाचल प्रदेश सरकार

एसर्जली,
शिमला – 171 002

दिनांक: शिमला–2, 9 जुलाई, 2019

सन्देश

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि 'द रीव टाइम्स' ने सफलतापूर्वक अपना एक वर्ष पूरा कर लिया है। इस पत्रिका का पहला अंक 1 जुलाई, 2018 में प्रकाशित किया गया था।

'द रीव टाइम्स' द्वारा जन समुदाय की समस्याओं, उनकी आवश्यकताओं व सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का समय–समय पर प्रकाशन किया जाता रहा है। इनके निरंतर प्रयासों से समाज को सजगता के अलावा निर्लेप एवं निष्पक्ष जानकारी हासिल हो रही है।

मैं 'द रीव टाइम्स' के समस्त समूह को उनकी वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

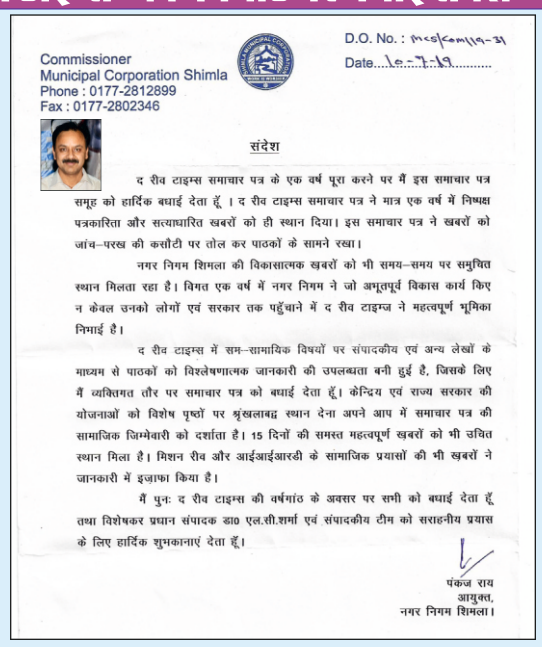

(आर.एन. बत्ता)

Commissioner
Municipal Corporation Shimla
Phone : 0177-2812899
Fax : 0177-2802346

D.O. No. : MCS/Com/19-31
Date 16-7-19

संदेश

द रीव टाइम्स समाचार पत्र के एक वर्ष पूरा करने पर मैं इस समाचार पत्र समूह को हार्दिक बधाई देता हूँ। द रीव टाइम्स समाचार पत्र ने मात्र एक वर्ष में निष्पक्ष पत्रकारिता और सत्याधारित खबरों को ही स्थान दिया। इस समाचार पत्र ने खबरों को जांच–परख की कसौटी पर तोल कर पाठकों के सामने रखा।

नगर निगम शिमला की विकासात्मक ख़बरों को भी समय–समय पर समुचित स्थान मिलता रहा है। विगत एक वर्ष में नगर निगम ने जो अभूतपूर्व विकास कार्य किए न केवल उनको लोगों एवं सरकार तक पहुँचाने में द रीव टाइम्ज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

द रीव टाइम्स में सम–सामायिक विषयों पर संपादकीय एवं अन्य लेखों के माध्यम से पाठकों को विश्लेषणात्मक जानकारी की उपलब्धता बनी हुई है, जिसके लिए मैं व्यक्तिगत तौर पर समाचार पत्र को बधाई देता हूँ। केन्द्रिय एवं राज्य सरकार की योजनाओं को विशेष पृष्ठों पर श्रृंखलाबद्व स्थान देना अपने आप में समाचार पत्र की सामाजिक जिम्मेवारी को दर्शाता है। 15 दिनों की समस्त महत्वपूर्ण ख़बरों को भी उचित स्थान मिला है। मिशन रीव और आईआईआरडी के सामाजिक प्रयासों की भी ख़बरों ने जानकारी में इज़ाफा किया है।

मैं पुनः द रीव टाइम्स की वर्षगांठ के अवसर पर सभी को बधाई देता हूँ तथा विशेषकर प्रधान संपादक डा० एल.सी.शर्मा एवं संपादकीय टीम को सराहनीय प्रयास के लिए हार्दिक शुभकानाएं देता हूँ।

पंकज राय
आयुक्त,
नगर निगम शिमला।

श्रम रोजगार कार्यालय मशोबरा, ज़िला शिमला, हिमाचल प्रदेश

द रीव टाइम्स ब्यूरो, शिमला

उप रोजगार कार्यालय मशोबरा द्वारा मशोबरा में प्रथम कैरियर मेला आयोजित किया गया। श्रम एवं रोजगार विभाग के सौजन्य से आयोजित इस मेले में सैंकड़ों युवाओं एवं विद्यार्थियों को कैरियर और कौशल विकास की जानकारी प्रदान की गई। यह ज़िला शिमला का पहला कैरियर था जिसमें विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया तथा आवश्यक जानकारियां प्रदान की। इस कार्यक्रम का आयोजन राजकीय वरिष्ठ मॉडल माध्यमिक विद्यालय मशोबरा में किया गया। श्रम रोजगार अधिकारी मशोबरा विजय गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लाभान्वितों ने भाग लिया। प्रधानाचार्य अनिता गुप्ता ने समस्त विभागों के प्रतिनिधियों एवं युवाओं का स्वागत किया। विभागों के अधिकारियों ने समस्त विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। प्रदेश सरकार की बेरोजगार युवाओं के लिए बेरोज़गारी भत्ता योजना की जानकारी भी दी गई। जिसके अंतर्गत आवेदकों को प्रतिमाह 1000 रुपये प्रदान किए जाते हैं। 50 प्रतिशत या अधिक की स्थाई विकलांगता वालों को 1500 रुपये प्रतिमाह दिए जा रहे हैं। यह भत्ता दो वर्ष के लिए देय होगा। इसके अलावा सरकार की कौषल विकास भत्ता योजना की जानकारी भी प्रदान की गई। इसमें भी किस प्रकार बेरोजगार युवा जुड़ सकता है तथा अपने कौशल को बढ़ा कर प्रशिक्षण ले सकता है, इस पर अधिकारियों ने पूर्ण जानकारी प्रदान की। कृषि एवं बागवानी विभाग की योजनाओं, औद्योगिक योजनाओं, बैंकिंग सेवाओं, शिक्षा विभाग में बच्चों के लिए विभिन्न आवश्यक जानकारी, पशुपालन विभाग की योजनाओं आदि की संपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। श्रम रोजगार अधिकारी विजय गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश कौशल विकास की ओर से अजय शर्मा, औद्योगिक विभाग से बी आर शर्मा, युको बैंक से टीसी चौहान, आईटीआई मशोबरा से संजेश कुमार गर्ग, श्रम रोजगार अधिकारी विजया गुप्ता, कृषि विभाग से के के सिंह, पशुपालन विभाग से संदीप गुप्ता तथा शिक्षा विभाग से संजीव शर्मा व तनुजा कटवाल ने भाग लिया। कार्यक्रम में आटीआई सहित लगभग 400 युवाओं की संख्या रही। श्रम रोजगार कार्यालय ज़िला शिमला के विभिन्न कॉलेज एवं स्कूलों में इस प्रकार के कैरियर मेले आयोजित करने की योजना पर कार्य कर रहा है।

विजय गुप्ता
श्रम रोजगार अधिकारी, मशोबरा

नरैण पंचायत में मिशन रीव की धमक
लोगों को दी सुविधाओं की जानकारी

द रीव टाइम्स ब्यूरो

रामपुर की नरैण पंचायत में बीते दिनों ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने पंचायत प्रतिनिधियों के सामने विभिन्न समस्याओं को रखा। इसी सभा के दौरान मिशन रीव के बारे में भी ग्रामीण लोगों को जानकारी दी गई। सीईओ मिशन रीव महरीन इकबाल ने लोगों को बताया कि कैसे मिशन रीव गांव में लोगों की समस्याओं का निदान घरद्वार पर करने का काम प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में कर रहा है। चर्चा के दौरान गांव के लोगों ने बताया कि गांव में आज भी सुविधाओं का अभाव है। छोटे-छोटे काम कराने के लिए गांव के लोगों को शहरों के चक्कर काटने पड़ते हैं। किसी काम को शुरू कराने के लिए दस्तावेजों की औपचारिकताओं को पूरा करने में भी काफी समय और पैसा नष्ट हो जाता है। ऐसे में मिशन रीव गांव के लिए बेहतरीन मिशन साबित हो सकता है। नरैण पंचायत के प्रधान ने बताया कि ग्राम सभा के दौरान विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई और अधिकतर समस्याओं का मौके पर निपटारा किया गया। मिशन रीव की सराहना करते हुए कहा कि मिशन रीव जनता और सरकार के बीच एक मजबूत कड़ी का काम कर रहा है। चौहान ने कहा कि हालांकि सरकार की ओर से पंचायतों के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई जा रही है लेकिन जानकारी के अभाव में आम लोगों को उसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि गांव के लोगों को मिशन रीव यह जानकारी उपलब्ध कराने में और उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने में मिशन रीव के प्रयास सरहानीय है। गांव के लोगों ने द रीव टाइम्स पाक्षिक पत्र की भी जमकर सराहना की। गांव के लोगों ने कहा कि इस समाचार पत्र के माध्यम से सरकार की योजनाओं की स्टीक जानकारी के साथ-साथ देश -दुनिया की महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी गांव के लोगों तक पहुंच रही है। इसके अलावा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे प्रतिभागियों के लिए भी इस समाचार पत्र में महत्वपूर्ण जानकारी दी जाती है।

द रीव टाइम्स ब्यूरो

मेरी दृष्टि में पहली बार जब "रीव टाइम्स" आया तो उसके पालिशड व रंगीन पेपर को देख कर मैं हाथ में उठाए बिना नहीं रह सकी। पता चला कि रीव का यह कोई खास संकलन नहीं अपितु हमेशा ही यह इसी रुप में निकलता है।आज के समय में जब हर चीज हाइटेक हो चुकी है, हर पेपर आन लाइन मिल जाता है ऐसे में अखबार का निकालना एक जोखिम भरा कार्य है लेकिन "रीव" ने न केवल अखबार का कागजी स्तर ही बरकरार रखा अपितु इसके अंतर्वस्तु से भी जन मानस को लाभान्वित किया। यह "रीव" के प्रति लोगों का भरोसा है जो इसने आज अपना एक वर्ष पूरा कर लिया। प्रादेशिक, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय समाचारों के साथ, सामान्य ज्ञान, उत्कृष्ट संपादकीय, सामाजिक सरोकार, साहित्य-संस्कृति के इन्द्र धनुषी रंगों से सराबोर पाक्षिक "रीव टाइम्स" का एक स्वर्णिम वर्ष पूरा होने पर प्रधान संपादक डॉ. एल. सी. शर्मा व रीव की समस्त टीम को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

कंचन शर्मा
राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री पुरस्कार से पुरस्कृत

जन जागरूकता से लेकर जन अभियान तक : द रीव टाइम्स रहा न. 1
हिंद सेवा संगठन ने उद्घोष संस्था के लिए दान की कुर्सीयां

द रीव टाइम्स ब्यूरो, शिमला

सामाजिक कल्याण में सेवारत संस्था उद्घोष ने हिंद सेवा संगठन एव चेयरमैन हिंद सेवा संगठन सुषमा शर्मा का संस्था के लिए सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया है। संस्था की संस्थापक सदस्य सीमा चौहान ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उद्घोष संस्था द्वारा शिमला में एक पुस्तकालय जनसेवा में चलाया जा रहा है। इस पुस्तकालय के अलावा बुजुर्गों के लिए बैठक स्थल का भी संचालन संस्था द्वारा किया जा रहा है । इस पुस्तकालय को हिंद सेवा संगठन की चेयरमैन सुषमा शर्मा और आईआईआरडी के प्रबंध निदेशक डॉ० एल सी शर्मा ने कुर्सीयां दान की है। एक सादे समारोह में ये संस्था के चेयरमैन हेम राज चौहान ने प्राप्त की । सीमा चौहान ने हिंद सेवा संगठन का आभार जताया तथा कहा कि सुषमा शर्मा और डॉ० एल सी शर्मा इस प्रकार से सामाजिक कार्यों में हमेशा जुड़े रहते हैं और उद्घोष की सामाजिक सेवाओं में भी उन्होंने सहयोग दिया है। चेयरमैन एचएसएस सुषमा शर्मा ने बताया कि उद्घोष संस्था युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गों के उत्थान में प्रशंसनीय कार्य कर रही है। शिमला में बुजुर्गों एवं बच्चों-युवाओं के लिए पुस्तकालय इस संस्था द्वारा चलाया जा रहा है, उसमें बैठने के लिए कुर्सीयों की आवश्यकता थी जो कि हमारे राष्ट्रीय संगठन एचएसएस ने पूरी करने का वादा किया था। इस संस्था के लिए भविष्य में भी सहयोग जारी रहेगा तथा उनके सामाजिक कार्यों में योगदान दिया जाता रहेगा।

सरकारी योजनाओं के बारे में भी जागरूक कर रहे मिशन प्रतिनिधि

फीड सप्लीमेंट से पशुधन में सुधार

एक साथ मिलकर किया डांस, जमकर लगाए ठहाके
आईआईआरडी में स्टाफ के लिए विशेष कार्यक्रम

किन्नौर में जांचा दो सौ लोगों का स्वास्थ्य
मोबाइल लैब से गांव-गांव पहुची स्वास्थ्य सुविधाएं

दो माह में तीन हजार लोगों के स्वास्थ्य की जांच
70 से अधिक टेस्ट एक साथ कराने की है सुविधा

ग्रामीणों की आवाज बनेगा 'द रीव टाइम्स'
लॉंच हुआ समाचार पत्र का पहला संस्करण

द रीव टाइम्स ब्यूरो

प्रदेश में ग्रामीण विकास को लेकर आईआईआरडी के मिशन रीव में उस समय एक नया अध्याय जुड़ गया जब 15 जुलाई को आईआईआरडी ने द रीव टाइम्स पाक्षिक समाचार पत्र का पहला संस्करण बाजार में उतारा। इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य सचिव स्वास्थ्य बीके अग्रवाल विशेष तौर पर मौजूद रहे। प्रदेश में कई बड़े समाचार पत्रों की दुनिया से अलग हटकर द रीव टाइम्स की शुरूआत खासतौर पर ग्रामीणों की आवाज उठाने के लिए की गई है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता हमारे लोकतंत्र का एक मज़बूत स्तंभ है और उम्मीद है कि द रीव टाइम्स इसमें जनभावनाओं और उनकी समस्याओं को शामिल कर उन्हें उचित स्थान देगा।

शिमला में 20 हजार किलो खाद तैयार
मिशन रीव ने ग्रामीणों को दिया प्रशिक्षण
खाद की बिकी के लिए बाजार भी कराया उपलब्ध

मिशन रीव के अंतर्गत पूरे हिमाचल में रीव जैविक खाद की आपूर्ति सुनिश्चित करवाई गई है। इसके प्राप्त करने लिए इन दूरभाष नंबरों पर संपर्क करें .... 9459584566 और 8219175636, साथ ही आप हमारी वेबसाइट : missionriev.in/www.iirdshimla.org पर लॉगइन कर अधिक जानकारी ले सकते हैं

पूर्ण जैविक हिमाचल की ओर बढ़ते क़दम....
...रीव जैविक खाद

20रू. किलो / 40 किलो का कट्टा उपलब्ध है

Parameter	Percentage
PH	7-8
Organic carbon	7.36 - 9
Nitrogen	1.69 - 2
Phosphorus	0.75 - 1
Potassium	1.17 - 1.50
Sulphur	0.042 - 0.70
Zinc	0.0053 - 0.0075
Iron	0.14 - 0.30
Copper	0.0011
Calcium	2.2 - 3
Magnesium	1.03 - 1.20
Boron	0.0012
Manganese	0.0097
Calorific Value	219.96

जन जागरूकता से लेकर जन अभियान तक : द रीव टाइम्स रहा न. 1

मिशन रीव ने किसानों तक पहुंचाए स्प्रे पंप

टीम रीव, सोलन

सरकार ने किसानों के लिए सोलर स्प्रे पंप की व्यवस्था तो कर दी लेकिन किसानों तक वह कैसे पहुंचे इसके लिए कोई स्टीक योजना धरातल पर नहीं है। ऐसे में आईआईआरडी का मिशन रीव किसानों के लिए मार्गदर्शक के तौर पर उभरा हैं। मिशन के सदस्य जहां किसानों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं वहीं इन योजनाओं का लाभ किसानों तब पहुंचाने में भरपूर मदद कर रहे हैं।

मिशन रीव से घर-घर पहुंच रहा जरूरत का सामान

टीम रीव, ऊना

मिशन रीव के माध्यम से लोगों को उनके घरों पर ही जरूरत का सामान उपलब्ध करवाया जा रहा है। इससे लोगों के समय और पैसे, दोनों की ही बचत हो रही है।

आसानी से हो रहे सभी काम

मिशन रीव से गांवों में आसान हुआ जीवन

टीम रीव, सिरमौर

पहले बिल जमा कराने के लिए लंबी लाइनों में लगना पड़ता था, बाकि के काम रह जाते थे। सिलेंडर बुक कराने और लाने की भी परेशानी रहती थी। लेकिन जब से मिशन रीव के सदस्य बने तब से मिशन रीव के प्रतिनिधि ही हमारे सारे काम कर देते हैं।

Towards Constructing Future

Construction of International Standard Multipurpose Sports Complex In Karnataka

Thanks ONGC for recognizing our competency in CSR domain

आईआईआरडी कर्नाटक में बनाएगा मल्टी पर्पज स्पोर्टस कॉम्पलैक्स

आईआईआरडी हिमाचल प्रदेश ही नहीं बल्कि प्रदेश के बाहर दूसरे राज्य में भी अपनी विशेष पहचान बना चुका है। यही कारण है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी आईआईआरडी के साथ मिलकर काम करने के लिए आगे आ रही हैं। इसका ताजा उदहारण आईआईआरडी की ओर से कर्नाटक में बनाया जा रहा मल्टी पर्पज स्पोर्टस कांपलैक्स है। ओएनजीसी के सहयोग से आईआईआरडी द्वारा यह कांपलैक्स कर्नाटक के धारवाड़ में बनाया जाएगा।

ग्रामीणों ने कहा धन्यवाद, 'मिशन रीव'

पागल कुत्ते द्वारा काटी गई गाय के दूध से था रोग फैलने का खतरा / प्रशासन और विभाग ने भी की सराहना

रीव जागरूकता अभियान से टला था रेबीज का बड़ा संकट

टीम रीव, चम्बा

तीन माह पूर्व चंबा के दूरदराज गांव थला के लोग उस समय सहम गए थे जब उन्हें पता चला कि गांव पर रेबीज का खतरा मंडरा रहा है। लेकिन संकट की उस घड़ी से निपटने में मिशन रीव ने जो योगदान दिया उसकी सराहना आज भी थला गांव के लोग खुले मन से करते हैं।

दरअसल, अक्तूबर माह में थला समेत आसपास के गांव में रेबीज प्रभावित एक गाय के दूध से बनी कढ़ी और छाछ के सेवन से रेबीज फैलने का खतरा पैदा हो गया था। इस संभावित खतरे और उसे निपटने के लिए मिशन रीव ने जागरूकता अभियान चलाया था। अब तीन माह बाद एक बाद फिर गांव के लोगों के स्वास्थ्य सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए मिशन रीव की टीम ने जिला संयोजक राकेश शर्मा की अगुवाई में उस समय के प्रभावित गांवों का दौरा किया और लोगों से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

थला गांव से सीमा, सत्तो, रेखा, काजल व अन्य प्रभावितों ने कहा,

हम तो भोजन करने के बाद घर आ गए थे। कोई सूचना ही नहीं थी कि श्राद्ध में जिस गाय के दूध का इस्तेमाल कढ़ी बनाने और छाछ के लिए किया गया उसको किसी पागल कुत्ते ने काट लिया है। वह तो धन्यवाद है मिशन रीव प्रतिनिधियों का कि समय रहते उन्होंने हमें यह बताया और बाकि आसपास के गांव के लोगों को भी जागरूक किया'।

मिशन रीव के प्रतिनिधियों ने गांव एवं आसपास के क्षेत्रों में जाकर लोगों को जागरूक किया। थला के अलावा बैली, ककला और टिक्कर जाकर भी मिशन रीव की टीम ने लोगों को समय रहते रेबीज के लक्ष्णों और इसके बचाव के लिए टीकारण के लिए प्रेरित किया।

हालांकि मामले में स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी संज्ञान लिया गया लेकिन कुछ ऐसे लोग थे जो श्राद्ध खाने के बाद अपने–अपने गांव चले गए और उन्हें रेबीज के संभावित खतरे के बारे में जानकारी नहीं थी इसलिए वह टीकारण को लेकर भी गंभीर नहीं थे। मिशन रीव की टीम ने इन्हीं गांवों में ढाई से तीन घंटे का पैदल रास्ता तय कर लोगों के घर जाकर उनसे बात की और टीकाकरण करवाने के लिए प्रेरित किया।

आज इन गांवों के लोग मिशन रीव की इसी पहल की प्रशंसा कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि मिशन रीव की टीम ने जिस तरह से उस समय रेबीज के खतरे से निपटने के लिए लोगों को जागरूक किया वह क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए आसान नहीं था लेकिन मिशन रीव ने यह कर दिखाया और आज गांव के सभी लोग स्वस्थ्य है।

क्या था मामला

चंबा के रजेरा डाकखाने के तहत थला गांव में एक पागल कुत्ते ने जंगल में चर रही गाय को काट दिया। उस समय किसी ने इस घटना को गंभीरता से नहीं लिया। इस बीच गाय के मालिक के घर में श्राद्ध का आयोजन हुआ और उसमें इसी गाय के दूध से कढ़ी बनाई गई और छाछ तैयार की गई। श्राद्ध में आए गांव के लोगों ने इसका सेवन किया। इतना ही नहीं गांव में ही गणपति मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में भी इसी गाय के दूध का इस्तेमाल हुआ।

दोनों ही आयोजनों में आए लोगों ने कढ़ी और छाछ का सेवन किया। लेकिन गांव में उस समय अफरा–तफरी मच गई जब श्राद्ध और मंदिर में हुए आयोजन के बाद गाय पागल होकर मर गई।

कुछ जागरूक लोगों ने तो टीककरण करवा लिया लेकिन कुछ ऐसे भी लोग थे जो टीकाकरण जरूरी नहीं समझ रहे थे। इसी का संज्ञान लेते हुए मिशन रीव की टीम ने प्रभावित गांवों का दौरा किया और रेबीज के खतरे से निपटने के लिए टीकाकरण के लिए लोगों को प्रेरित किया। इसी का नतीजा रहा कि लोगों ने समय रहते टीकारण करवाया और आज सभी खतरे से बाहर हैं।

रेबीज और क्या हैं इसके लक्षण और बचाव

रेबीज एक तरह का वायरल इंफेक्शन है, जो जानवरों के काटने से फैलता है। रेबीज के वायरस व्यक्ति के नर्वस सिस्टम पर हमला करते हैं और पागल बना देते हैं।

जानवरों के चाटने से भी फैल सकता है रेबीज का वायरस

रेबीज एक ऐसा वायरस है, जो आमतौर पर जानवरों के काटने से फैलता है। ये एक जानलेवा रोग है क्योंकि इसके लक्षण बहुत देर में दिखने शुरू होते हैं। इसी कारण जब किसी व्यक्ति में रेबीज के वायरस होते हैं, तो लक्षण दिखने तक इलाज का समय आमतौर पर निकल चुका होता है। रेबीज खतरनाक है मगर इसके बारे में लोगों की कम जानकारी और ज्यादा घातक साबित होती है।

आमतौर पर लोग मानते हैं कि रेबीज केवल कुत्तों के काटने से होता है मगर ऐसा नहीं है। कुत्ते, बिल्ली, बंदर आदि कई जानवरों के काटने से इस बीमारी के वायरस व्यक्ति के शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। इसके अलावा कई बार पालतू जानवर के चाटने या खून का जानवर के लार से सीधे संपर्क से भी ये रोग फैलता है। आइए आपको बताते हैं किसी व्यक्ति को कैसे प्रभावित करता है रेबीज और क्या हैं इसके लक्षण और उपचार।

कैसे प्रभावित करता है रेबीज

रेबीज एक तरह का वायरल इंफेक्शन है, जो आतमौर पर संक्रमित जानवरों के काटने से फैलता है। ये वायरस खतरनाक होता है और अगर समय से इलाज न किया जाए, जो ज्यादातर जानलेवा साबित होता है। रेबीज वायरस किसी व्यक्ति के शरीर को दो तरह से प्रभावित करता है।

जब रेबीज वायरस सीधे व्यक्ति के नर्वस सिस्टम में पहुंच जाते हैं और उसके बाद व्यक्ति के मस्तिष्क तक पहुंच जाए।

जब रेबीज वायरस मसल टिशूज (मांसपेशीय ऊतकों) में पहुंच जाते हैं, जहां वो व्यक्ति के इम्यून सिस्टम (प्रतिरक्षा प्रणाली) से बचे रहते हैं और अपनी संख्या बढ़ाते जाते हैं। इसके बाद ये वायरस न्यूरोमस्कुलर जंक्शन के द्वारा नर्वस सिस्टम में पहुंच जाते हैं।

रेबीज वायरस जब व्यक्ति के नर्वस सिस्टम में पहुंच जाते हैं, तो ये दिमाग में सूजन पैदा कर देते हैं, जिससे जल्द ही व्यक्ति कोमा में चला जाता है या उसकी मौत हो जाती है। इस रोग के कारण कई बार व्यक्ति के व्यवहार में परिवर्तन आ जाता है और वो बिना बात उत्तेजित हो जाता है और कई बार उसे पानी से डर लगने लगता है। इसके अलावा कुछ लोगों को पैरालिसिस यानी लकवा भी हो सकता है।

कैसे फैलता है रेबीज

रेबीज लार से फैलने वाला रोग है। संक्रमित जानवर के लार का संपर्क जब व्यक्ति के खून से होता है, तो ये वायरस फैलता है। व्यक्ति के खून में ये वायरस या तो जानवर के काटने से पहुंचते हैं या पालतू जानवरों के घाव और चोट आदि के चाटने से फैलते हैं। अगर व्यक्ति की त्वचा कहीं भी कटी–फटी नहीं है, तो इस वायरस के फैलने का खतरा नहीं होता है।

क्या हैं रेबीज के लक्षण

रेबीज से ग्रसित व्यक्ति में रेबीज के लक्षण बहुत दिनों के बाद उभरते हैं, रेबीज के आम लक्षण कुछ इस प्रकार के होते हैं:

बुखार, सिरदर्द , घबराहट या बेचैनी, चिंता और व्याकुलता,भ्रम की स्थिति

खाना–पीना निगलने में कठिनाई, बहुत अधिक लार निकलना, पानी से डर लगना (हाईड्रोफोबिया), पागलपन के लक्षण, अनिद्रा, एक अंग में पैरालिसिस यानी लकवा मार जाना,

सालों बाद भी दिख सकते हैं रेबीज के लक्षण

रेबीज से संक्रमित होने के एक सप्ताह के बाद या कई सालों बाद लक्षण उभर सकते हैं। ज्यादातर लोगों में रेबीज के लक्षण चार से आठ सप्ताह में विकसित होने लगते हैं। अगर रेबीज से संक्रमित जानवर किसी की गर्दन या सिर के आस–पास काट लेता है तो लक्षण तेजी से उभरते हैं क्योंकि तब ये वायरस व्यक्ति के दिमाग तक जल्दी पहुंच जाते हैं। रेबीज के प्रारंभिक लक्षणों में आमतौर पीड़ित व्यक्ति को उस जगह पर झुनझुनी होती है, जिस जगह जानवर

द रीव टाइम्स www.therievtimes.com गांव की समस्याएं 16-31 अक्तूबर, 2018 13

चंबा के रजेरा के अंतर्गत थला गांव में पागल कुत्ते के काटने से गाय की मौत

परिवार पीता रहा दूध और गांव के श्राद्ध में उसी दूध से बनी छाछ को पीते रहे लोग : फिर गाय की मौत पर हुआ खुलासा

मिशन रीव ने सबसे पहले इस मुद्दे पर प्रशासन और गांव में की जागरूकता

मिशन रीव ने किया प्रभावित गांवों का दौरा

घटनास्थल पर पहुंच कर मिशन रीव ने किया जागरूकता

मिशन रीव ने लिया संज्ञान

मिशन रीव की आपदा जोखिम कमी के अंतर्गत नायाब पहल

पशु डिसपेंसरी के फार्मासिस्ट के अनुसार :

इस घटना पर रीव क्लिनिक के डॉ0 के आर शांडिल क्या कहते हैं

मिशन रीव की इस बाबत पहल

ने उसे काटा है। इसके अलावा बुखार, भूख न लगना और सिरदर्द जैसी शिकायत भी शुरू हो जाती है। इसलिए अगर किसी व्यक्ति को जानवर ने काटा है, तो उसे जल्द से जल्द चिकित्सक से मिलना चाहिए और एंटीरेबीज टीके लगवाने चाहिए।

क्या करें अगर जानवर काट ले

जानवरों के काटने पर काटे गए स्थान को तुरंत पानी व साबुन से अच्छी तरह धो देना चाहिए। धोने के बाद काटे गए स्थान पर अच्छी तरह से टिंचर या पोवोडीन आयोडिन लगाना चाहिए। ऐसा करने से कुत्ते या अन्य जानवरों की लार में पाए जाने वाले कीटाणु सिरोटाइपवन लायसावायरस की ग्यालकोप्रोटिन की परतें घुल जाती हैं। इससे रोग की मार एक बड़े हद तक कम हो जाती है, जो रोगी के बचाव में सहायक होती है। जानवर के काटने के तुरंत बाद रोगी को टिटेनस का इन्जेक्शन लगवाना चाहिए। और डॉक्टर की सलाह से काटे गए स्थान का उचित इलाज करना चाहिए।

क्या कहती हैं हैड आशा वर्कर अनु कौशल

हैड आशा वर्कर चंबा अनु कौशल का कहना है कि अक्तूबर में जब गाय की मौत के बात रेबीज का खतरा गांव में पैदा हुआ तो स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों को जागरूक किया गया। इस अभियान में मिशन रीव ने पूरा सहयोग दिया और उन लोगों को भी जागरूक किया जो दूरदराज के क्षेत्र में रहते हैं। इस दौरान मिशन रीव जिला संयोजक और उनकी टीम में विकास शर्मा और मीनाक्षी ने गांव के उन लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित किया।

क्या कहते हैं पंचायत प्रधान किशन चंद

थला में रेबीज के खतरे से निपटने के लिए मिशन रीव ने सराहनीय योगदान दिया। गांव के लोगों को उनके घर जाकर समय रहते जागरूक करना अपने आप मे बड़ी उपलब्धि है। अभी तक इस गांव में रेबीज का कोई मामला उस घटना से संबंधित सामने नहीं आया है।

क्या कहते हैं मिशन रीव जिला समन्वयक राकेश शर्मा

थला में अक्तूबर में रेबीज के संभावित खतरे को लेकर लोगों को जागरूक किया गया था। उस दौरान चिकित्सा विशेषज्ञों से भी बात की गई थी। तब बताया गया था की कुछ मामलों में रेबीज के लक्षण दो–तीन माह बाद भी दिखते हैं। इसी के चलते मिशन रीव की टीम ने दोबारा उन गांवों का दौरा किया। यह खुशी की बात है कि उस दौरान लोगों ने मिशन रीव के जागरूकता अभियान से जागरूक होकर टीकाकरण करवाया और गांव के लोगों के मुताबिक तीन माह बाद सभी स्वस्थ्य है।

जन जागरूकता से लेकर जन अभियान तक : द रीव टाइम्स रहा न.1

कृषि, पशुपालन और रोजमर्रा की जरूरतें हुई पूरी

टीम रीव, कांगड़ा

कांगड़ा में मिशन रीव धीरे-धीरे लोगों के जीवन का अहम हिस्सा बनता जा रहा है। बात स्वास्थ्य जांच की हो, रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने की हो या खेतीबाड़ी की, रीव हर क्षेत्र मे एक सहयोगी की तरह लोगों की जरूरतो को पूरा कर रहा है।

मिशन रीव के तहत कांगड़ा में पिछले 15 दिनों के भीतर करीब 25 पंचायतों में सस्ता राशन लोगों के घरों तक पहुंचाया गया। मिशन रीव की इस पहल से इन पंचायतों के 250 परिवार लाभान्वित हुए हैं।

लंबा गांव ब्लॉक की जयसिंहपुर पंचायत की निवासी निर्मला देवी का कहना है कि मिशन रीव की इस पहल से उनके मासिक खर्च में तीस फीसदी तक कमी आई और समय की बचत हुई सो अलग। इसी तरह अन्य लोगों को कहना है कि अब तो दुकान और बाजार जाने का झंझट ही समाप्त हो गया है।

कैटल फीड सप्लीमेंट के भी बेहतर परिणाम

रोजमर्रा की जरूरतों के साथ ही पशुधन के लिए भी मिशन रीव बेहतरीन साबित हो रहा है। मिशन रीव के तहत उपलब्ध कराए जा रहे कैटल फीड सप्लीमेंट से पशुपालक काफी खुश हैं। बंदाहू पंचायत के कुलदीप चन्द पेशे से दुग्ध व्यवसायी है और उन्होंने इस फीड को बेहतर बताया और जैविक खाद बनाने के अभियान की भी जमकर सराहना की।

कुलदीप की तरह ही जिला कांगड़ा में अनेक पशु व्यवसायी मिशन रीव के तहत उपलब्ध करवाए जा रहे कैटल फीड सप्लीमेंट अपने पशुओं को दे रहे हैं।

कृषि, किसानों के लिए चलेगा संपर्क अभियान

कृषि व्यवसाय की संभावनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए लंबागांव और पंचरूखी के खंड समन्व्यक अपने अपने ब्लॉक की तरफ से कृषि विभाग के विषय वस्तु विशेषज्ञ से मिले। इसके बाद लोगों को कृषि योजनाओं की जानकारी दी गई।

लोगों से बात करने के दौरान पाया गया कि गांव के अधिकतर लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी नहीं है। इसके चलते उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लोगों की इसी समस्या को सुलझाने के लिए जल्द ही मिशन रीव की ओर से संपर्क अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के

- **25 पंचायतों के 250 परिवार हुए लाभान्वित**
- **जल्द शुरू होगा संपर्क अभियान**

दौरान किसानों को मिशन रीव अपने स्तर पर सरकारी योजनाओं की जानकारी देगा और किसानों की जरूरत के मुताबिक इन योजनाओं का लाभ लेने में मदद करेगा।

इसके अलावा भी मिशन रीव विभिन्न क्षेत्रों में लोगों की सहायता कर रहा है, जैसे शॉप लाइसेंस बनाना, हैल्थ कार्ड बनाना, प्रमाण पत्र लेना आदि। रीव के इस प्रयास की ग्रामीण खूब सराहना कर रहे हैं।

मिशन रीव से आसान हुई जीवन की राह

अब गांव में ही पहुंचा बाजार

टीम रीव, घुमारवीं

मिशन रीव के तहत लोगों को गांवों में ही उनके घर पर वह सामान पहुंचाया जा रहा है जिसके लिए पहले उन्हें कई किलोमीटर का सफर तय करके बाजार जाना पड़ता था। लेकिन अब गांव में उनके अपने घर में ही मिशन रीव के तहत जरूरत का सारा सामान पहुंचाया जा रहा है। घुमारवीं ब्लॉक के ब्लॉक कोआर्डीनेटर परमिंदर संधु ने बताया कि पहले लोगों की जरूरतों को जानने के लिए कई शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में लोगों से उनकी जरूरतों के बारे में जानकारी ली गई और उनको मिशन रीव के तहत गांवों में दी जा रही विभिन्न सेवाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। दाबला पंचायत समेत अन्य पंचायतों में इस तरह के शिविरों का आयोजन करीब एक सप्ताह तक किया गया। इसके बाद लोगों को उनकी जरूरत के हिसाब से सामान उनके घर पर ही उपलब्ध करवाया गया। इसमें क्रॉकरी, डिटर्जेंट, शैंपू समेत अन्य सामान लोगों को उनके घर पर ही उपलब्ध कराया गया।

स्वास्थ्य और कृषि संबंधि सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ ही लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों का सामान भी अपने स्तर पर उपलब्ध करा रहा है। मिशन रीव के तहत लोगों को विभिन्न तरह के उत्पाद उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

इसमें इलेक्ट्रानिक सामान भी उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा क्रॉकरी व अन्य सामान भी लोगों को उनके घरों पर बाजार से बेहद कम दाम पर उपलब्ध कराया जा रहा है। मिशन रीव के तहत लोगों को उपलब्ध कराए जा रहे विभिन्न तरह के सामान और सेवाओं से लोगों में भी काफी खुशी है।

हमीरपुर में आसान हुई जैविक खेती की राह

निशुल्क प्रशिक्षण से सैंकड़ों किसानों को पहुंचा लाभ

200 से अधिक किसानों को दिया गया जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण

हमीरपुर में नशे के खिलाफ एकजुट हुए लोग

विभिन्न स्थानों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन

टीम रीव, हमीरपुर

आईआईआरडी की ओर **'जिंदगी जियें नशें को नहीं'** अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा हर है। हमीरपुर में आम लोगों से लेकर जनप्रतिनिधियों तक सभी इसी अभियान का हिस्सा बन रहे हैं।

खेती की जरूरतों को पूरा कर रहा मिशन रीव

उन्नत किस्म के बीज और कृषि उपकरण लेना हुआ आसान

टीम रीव, बिलासपुर

बिलासपुर ज़िला में मिशन रीव लोगों की आकांक्षाओं पर खरा उतर रहा है तथा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सेवाओं को प्रदान किया जा रहा है । मिशन रीव ने टीम के साथ घर-घर जाकर लोगों की आवश्यकताओं का आंकलन किया तथा सेवाओं के प्रति जागरुक भी किया ।

लोगों ने बेहतर गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाने के लिए मांग की जिसे रीव के तहत हरसंभव पूरा करने के लिए कार्य किया जा रहा है। इसी के तहत अच्छी किस्म के बीज उपलब्ध करवाए गए हैं तथा उत्तम किस्म के पौधे भी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं जिनमें लीची, आम, अमरुद, सेब, मौसमी, नीम इत्यादि पौधे शामिल है ।

लोगों को दी मिशन रीव की जानकारी

बिलासपुर में घर-घर मिल रही सेवा

टीम रीव, बिलासपुर

हिमाचल में आज भी कई ऐसे गांव हैं जहां लोगों को बाजार तक पहुंचने के कई किलोमीटर का लंबा सफर तय करना पड़ता है। इसके साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ भी लोगों तक जानकारी नहीं पहुंच पा रही। लोगों की इसी समस्या को दूर करने के लिए मिशन रीव के तहत लोगों की जरूरतों को पहचाना गया बल्कि उनकी जरूरतों को पूरा भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में इसके लिए मिषन रीव के तहत पंचायत में तैनात आईआईआरडी के प्रतिनिधि विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

हाल ही में बिलासपुर की पडयालग, दाबला, कासरू, बेरीराजदियां, हंबोट पंचायत में इसी तरह के शिविरों का आयोजन किया गया। इस मौके पर महिला मंडल, स्वंय सहायता समूह और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

लोगों को मिशन रीव के तहत उपलब्ध कराए जा रहे एनीमल फीड सप्लीमेंट की जानकारी दी गई। इसके साथ ही रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न तरह का सामान ग्रामीणों के घरों तक मिशन रीव के प्रतिनिधियों द्वारा पहुंचाया गया।

नन्हीं अंशिका ने सबको किया हैरान

नशा निवारण अभियान में पहुंची थी

टीम रीव, बिलासपुर

आईआईआरडी की ओर से प्रदेश को नशा मुक्त करने के लिए चलाए गए अभियान के दौरान कई छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया गया। अभियान की इस कड़ी में स्कूलों में करवाई गई विभिन्न गतिविधियों से जहां स्कूली बच्चों को नशे के खिलाफ जागरूक किया गया वहीं बच्चों के आत्म विश्वास में बढ़ोत्तरी हुई। अभियान के दौरान बिलासपुर की एक ऐसी ही नन्हीं छात्रा अंशिका को भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का मौका मिला। डीएवी स्कूल बिलासपुर में पढ़ने वाली आठ साल की अंशिका नशामुक्त हिमाचल अभियान के पहले चरण के समापन पर आयोजित कार्यक्रम में खास तौर से भाषण देने शिमला पहुंची थी। मंच पर अंशिका का आक्रामक अंदाज और आत्म विश्वास देखकर हर कोई हैरान था। अंशिका उर्फ गौरी के मुताबिक पढ़ने के अलावा उसे डांस और एक्टिंग करने का बहुत शौक है। जब भी उसे समय मिलता है तो वह अपने इस शौक को पूरा करती है और बड़े होकर इसी में आगे जाना चाहती है।

शिक्षा में तकनीक से भविष्य संवारने की कवायद

आईआईआरडी ने कर्नाटका में शुरू किए स्मार्ट क्लासरूम

शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी पहल करते हुए गेल इंडिया के साथ मिलकर आईआईआरडी ने कनार्टका के हुबली में 40 विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किए हैं। इसमें कन्नड़ भाषा में सभी विषयों को डिजीटाइज किया गया। इसके साथ ही इंटरेक्टिव बोर्ड के माध्यम से इन विद्यालयों में बच्चों की पढ़ाई हो रही है। इस प्रयास से बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बच्चों के साथ अध्यापकों की अध्यापन क्षमता में भी प्रशंसनीय वृद्धि हुई है। अभी 40 और विद्यालयों को स्मार्ट क्लासेज में परिवर्तित करने की प्रक्रिया जारी है।

Thanks GAIL India Ltd. for recognizing our competency in CSR domain

MISSION RIEV
Ruralising India- Empowering Villages
LIVESTOCK FEED SUPPLEMENT

इस्तेमाल करने की विधि

- फीड सप्लीमेंट को बेहतर परिणाम हेतु इसे पानी मे 3-4 घण्टे पहले भिगो कर रख दे तथा इसे पशु आहार (बाँटे) के साथ अच्छी तरह से मिला कर पशु को दे।

खिलाने की मात्रा:

- पशुओं के लिए प्रति गाय-5 ग्राम/ भैंस-7 ग्राम प्रतिदिन प्रति लीटर के हिसाब से दे।
- बकरी को 10 ग्राम प्रतिदिन के हिसाब से खिलायें।

आयोजक: फ्लायरज़ ग्रुप प्रा.लि.
फोन: 0177 2640761,
ई-मेल: anand@iirdshimla.org
निर्माता:- ट्रांसटेक ग्रीन एनर्जी प्रा.लि.
प्लॉट नं 3, आम्रपाली सर्किल, वैशाली नगर, जयपुर-302021

नोट: कृपया नमी से दूर रखें।

वर्ष भर में द रीव टाइम्स

प्रदेश को मिले जन औषधि केंद्र

टीम रीव, शिमला

एकीकृत ग्रामीण विकास संस्थान, आईआईआरडी शिमला की एक नई पहल के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश के विभिन्न ज़िलों में लोगों को सस्ते दामों पर दवाईयों की उपलब्धता एवं नियमित चैक अप व स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पांच जनऔषधि केन्द्रों का विधिवत लोकार्पण अतिरिक्त मुख्य सचिव स्वास्थ्य, हिमाचल प्रदेश बीके अग्रवाल ने किया। इस मौके पर रीव सचिवालय शनान, शिमला में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्यातिथि ने जैविक खेती और जैविक खाद के आउटलैट्स, मोबाइल लैब आदि का निरीक्षण भी किया और आईआईआरडी द्वारा चलाई जा रही जन सेवाओं को सराहा एसीएस ने सबसे पहले आईआईआरडी कार्यलाय शनान में जनऔषधि कार्यालय का उद्घाटन किया और उसके बाद इसी कार्यालय से ही मंडी के छतरी, बंगरोटू, कांगड़ा के नूरपूर और पालमपुर, हमीरपुर के जाहु में आईआईआरडी द्वारा खोले गए जनाऔषधि केन्द्रों का ऑनलाइन उद्घाटन किया।

इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान एसीएस बीके अग्रवाल ने कहा कि स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है और लोगों को दवाईयों के लिए अब नहीं तड़पना पड़ेगा तथा जनऔषधि केन्द्रों से अब सभी को सस्ते दामों पर दवाईयों की उपलब्धता होगी।

ये होगी सुविधा

आईआईआरडी की ओर से खोले गए जनऔषधि केंद्रो पर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सस्ते दामों पर बेहतर क्वालिटी की दवाईयां उपलब्ध होगी। इससे पहले लोगों को सस्ती दवाओं के लिए शहरों में भटकना पड़ता था।

लोगों को दी स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी

टीम रीव, मण्डी

रिवालसर में मिशन रीव के स्वास्थ्य सेवक और खंड समन्वयक की ओर से स्थानीय लोगों की समस्याओं को जानने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए जनरल हाउस का आयोजन किया गया।

इस दौरान लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं तथा अन्य सेवाओं की जानकारी से अवगत करवाया गया। इस दौरान मिशन रीव के तहत टेस्टिंग मशीन स्वास्थ्य स्लेट के बारे में जानकारी दी। मिशन रीव स्वास्थ्य जांच के साथ साथ घर द्वार पर सस्ती दवाएं भी उपलब्ध करवा रहा है, इस बारे में भी लोगों को बताया गया। मंडी में दो जनऔषधि केंद्रों का लोकार्पण भी किया जा चुका है जिस में से एक छतरी मे और दूसरा बल्ह में मेडिकल कॉलेज के सामने ही स्थित है।

निरमंड और आनी में आसान हुई जैविक खेती की राह

निशुल्क प्रशिक्षण से सैंकड़ों किसानों को लाभ

200 से अधिक किसानों को दिया जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण

मिशन रीव से आसान हुआ दूरदराज के गांवों में जीवन

टीम रीव, चंबा

चंबा जिले में आज भी कई ऐसे गांव हैं जहां लोगों को बाजार तक पहुंचने के कई किलोमीटर का लंबा सफर तय करना पड़ता है। इसके साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ भी लोगों तक जानकारी नहीं पहुंच पा रही।

लोगों की इसी समस्या को दूर करने के लिए मिशन रीव के तहत न केवल लोगों की जरूरतों को पहचाना गया बल्कि उनकी जरूरतों को पूरा भी किया जा रहा है। इसके लिए मिशन रीव के तहत पंचायत में तैनात आईआईआरडी के प्रतिनिधि द्वारा विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

महिलाओं को दी मिशन रीव की जानकारी

टीम रीव, चंबा

किसी भी क्षेत्र के विकास में महिलाओं का विशेष योगदान रहता है। ऐसे में जरूरी है कि विकास को लेकर नई योजनाओं के बारे में ग्रामीण महिलाओं को जागरूक किया जाए। इसी उद्देश्य से मिशन रीव की ओर से चंबा की थल्ली पंचायत में महिला मंडल के साथ एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक के दौरान पंचायत फेसिलिटेटर की ओर से महिलाओं को मिशन रीव के तहत ग्रामीण विकास के लिए शुरू की गई विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। महिलाओं को बताया कि वह कैसे घर का कामकाज करने के साथ स्वरोजगार से जुड़ सकती हैं और कैसे अपनी आर्थिकी स्थिति को मजबूत कर सकती है। महिला मंडल की सदस्यों की ओर से मिशन रीव की भरसक प्रशंसा की गई।

चंबा में मिशन रीव की बड़ी पहल

अब पीओएस से करें सभी भुगतान

कुल्लु ज़िला में मिशन रीव बना चुका है घर-घर में पहचान

टीम रीव, कुल्लू

कुल्लु ज़िला में भी मिशन रीव अब विभिन्न सेवाओं की लॉचिंग कर लोगों को सुविधाओं से जोड़ रहा है । कुल्लु के आनी खण्ड में मिशन रीव द्वारा स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न प्रकार के टेस्ट करवाकर कम समय में ही टेस्ट रिपोर्ट भी घर पर ही भेजी जाती है। स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से रीव के सदस्यों एवं उनके परिवारजनों को लाभ दिया गया।

तीसा में लोगों का स्वास्थ्य जांचा

टीम रीव, चम्बा

चंबा के ब्लॉक तीसा के गांव डोंरी पंचायत भूंजरारू में स्वास्थ्य शिविर स्वास्थ्य सेवक और पंचायत पीएफ की देख रेख में किया गया। इस शिविर में लोगों ने शुगर, एचबी, ब्लड प्रेशर,पल्स ऑक्सीमीटर टेस्ट करवाए। इस दौरान विभिन्न प्रकार की सुविधाओं के बारे में भी लोगो को जागरूक किया। लोगों को घर-घर पर मिलने वाली सुविधाओं के बारे में भी अवगत करवाया गया ।

चंबा के दूरदराज गांवों में मिशन रीव बना सहारा

टीम रीव, चम्बा

जिला चंबा में आज भी कई ऐसे गांव हैं जो सड़क सुविधा से नहीं जुड़ पाए हैं। ऐसे में इन गांवों से बाजार तक पहुंचने के लिए लोगों को पैदल सफर तय करना पड़ता हैं। इन गांवों में मिशन रीव बेहतरीन सुविधाएं प्रदान कर रहा है। स्वास्थ्य जांच से लेकर रोजमर्रा की सभी जरूरतों को मिशन रीव द्वारा पूरा किया जा रहा है।

मादक/नशीले पदार्थों के सेवन से क्या होगा

- हंसता-खेलता जीवन गंभीर बीमारी की चपेट में आ जाता है।
- लाइलाज़ बीमारी होने पर इंसान असमय ही मृत्यु का ग्रास बन जाता है।
- परिवार टूट कर बिखर जाते हैं और आर्थिक अकाल की स्थिति आ जाती है।
- नशे का आदी अपराध के रास्ते पर चलकर भटक जाता है।
- जिन युवाओं ने राष्ट्रनिर्माण की नींव रखनी है वही राष्ट्र पर बोझ बन जाते हैं।
- इंसान का सामाजिक, नैतिक एवं आर्थिक पतन हो जाता है।
- ऊर्जावान युवा घोर निराशा और कुंठा में आत्महत्या तक कर लेता है।
- मादक पदार्थों के सेवन से संक्रमित रोग हो जाते हैं जिससे पूरा परिवार इसकी चपेट में आ जाता है।

कहां ओर कैसे पनपता है ये दानव

- सबसे पहले ये स्कूल के विद्यार्थियों को निशाना बनाते हैं।
- कॉलेज में युवाओं को नशा और पैसों का प्रलोभन देकर इस दलदल में डाला जाता है।
- गांव में बेरोजगार युवा खेतों में भांग मलने से नशा शुरु करता है, धीरे-धीरे अन्य घातक नशों के सेवन में संलिप्त होकर बर्बाद हो जाता है।
- पहले स्वाद के लिए मुफ्त परोसा जाता है फिर बाद में मजबूरी में खरीदना पड़ता है।

कैसे और क्यों करें बचाव

- विद्यार्थियों और युवाओं को खाली समय में व्यायाम और खेल गतिविधियों में अधिक समय व्यतीत करना चाहिए।
- बच्चों को अजनबी से किसी भी प्रकार के खाद्य पदार्थ को लेने व खाने न दें।
- बच्चों के स्कूल में उसकी संगत पर विशेष ध्यान रखें, उसकी गतिविधियों का निरिक्षण करते रहें, उसके व्यवहार में परिवर्तन कहीं न कहीं खतरे की घंटी है।
- बच्चों के व्यवहार में यदि थोड़ा भी संदेहजनक परिवर्तन दिखाई दे तो उसकी संगत, व्यवहार और दैनिक गतिविधियों का निरिक्षण करते रहें।
- मादक पदार्थों के सेवन, तस्करी, गैर कानूनी रूप से दुकानों में बेचने व खरीदने आदि पर तुरंत पुलिस को सूचित करें।
- अपने निवास स्थान एवं आसपास भांग आदि की खेती को न करने दें और न ही उसे पनपने दें।

- चेंज कम्युनिकेशन पर ई-लर्निंग के माध्यम से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।
- प्रतिभागिग्रों को नशामुक्ति से संबन्धित ऑनलाईन सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश लेने का भी अवसर प्राप्त होगा।
- प्रशिक्षित तथा अनुभवी स्वयंसेवियों को नई पीढ़ी के मेंटरशिप के अवसर मिलने की संभावनाऐं भी होंगी।

हिमाचल के आम जन से अनुरोध है कि वे आईआईआरडी के नशामुक्त हिमाचल अभियान से जुड़ें और प्रदेशव्यापी कार्यक्रम में आज ही अपना पंजीकरण करवाऐं.....
पंजीकरण हेतु लॉगइन करें
www.missionriev.in/campaign.aspx

आईआईआरडी 5 सितंबर से संपूर्ण हिमाचल प्रदेश में नशे के विरुद्ध जन सहयोग से जनांदोलन कर रही है। आप सभी इसमें समाजहित में भागीदार बनें। विद्यालयों में विद्यार्थियों के मध्य 'ज़िंदगी जियें..... नशे को नहीं' विषय के साथ विभिन्न प्रतियोगिताऐं आयोजित करेगी। साथ ही गांव-गांव, शहर-शहर युवा मंडलों, महिला मंडलों, स्वयं सहायता समूहों, ग्रामीण विकास संस्थाओं, गैर सरकारी संगठनों एवं सरकार के नुमाईंदों व अधिकारियों के सहयोग से नशामुक्त हिमाचल की ओर संस्था सार्थक व व्यवहारिक पहल कर रही है।

आईआईआरडी इसमें क्या करने वाला है

- नशामुक्त अभियान से जुड़ने के इच्छुक व्यक्तियों को यहां दिए गए लिंक पर पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है।
- पंजीकृत व्यक्तियों को एसएमएस सेवा द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों बारे सूचित करने की व्यवस्था है।
- पंजीकृत इच्छुक को विभिन्न संस्थानों में नशा मुक्ति से संबन्धित कार्यक्रम करवाने तथा स्वैच्छिक भागीदारी के अवसर प्रदान करने का भी प्रावधान है।
- उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवियों को संस्था द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किये जाऐंगें।
- स्वयंसेवियों को नशामुक्ति से संबद्ध बिहेवियर

किसानों की जरूरतों को पूरा करता मिशन रीव

टीम रीव, चम्बा

जिला चंबा के ब्लॉक सलूनी में मिशन रीव ने पहचान बनाई है। इसमें अनुभवी लोगों को पंचायत फेसिलिटेटर के रूप में चयनित किया गया और सभी को प्रशिक्षण दिया गया। इसमें ब्लॉक सलूणी की पंचायत से बलदेव ने पंचायत के हर घर जाकर लोगो की आवश्कताओं का आकलन किया और पाया की सभी लोगो को उच्च गुणवत्ता के बीज की जरूरत है। इसके लिए उन्होंने ब्लाक कोआर्डिनेटर, सहायक कोआर्डिनेटर के माध्यम से अपनी आवाज मिशन रीव सचिवालय तक भेजी और मिशन रीव द्वारा तुरंत इसका समाधान किया गया व 500 किलो मटर का बीज बाजार से कम दाम पर उपलब्ध करवाया ।

चंबा के स्कूलों में नशे के खिलाफ उठी आवाज

टीम रीव, चंबा

प्रदेश के अन्य जिलों की तरह आईआईआरडी के अभियान की गूंज चंबा के दूरदराज के क्षेत्रों तक सुनाई दी। चंबा में आईआईआरडी के प्रतिनिधियों की ओर से स्थानीय लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

यश पब्लिक स्कूल उदयपुर में आयोजित विभिन्न गतिविधियों के दौरान चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

आपके स्वास्थ्य, हमारे परामर्श से कानून की आधारभूत जानकारी तक

वर्ष भर रहा आपका हमारा साथ

From Editor-in-Chief Desk

Mission RIEV with its multifarious dimensions had conceived to educate masses on core developmental aspects impacting progress of the individual. While touching the glimpses of the periodical happenings at state, national and international arena, the mandate of the mass communication was to bring various scheme and programmes in limelight besides other services people are in need of. With this objective in mind, the first issue of 'The REIV Times' came into existence in July 15, 2018.

Today, as we look back on one-year period of 'The REIV Times' existence, we can easily make out the contribution of this periodical, besides identifying the areas of improvement. The journey of this paper witnessed the challenges like continuity of its paper quality (being the only paper across country published on 90 gsm art paper on fortnightly basis with minimum 10,000 and sometimes more copies and a readership of 50,000 plus), self-sustainability of the paper, innovative and research based contents directly benefiting the readers in their growth and the like.

With these continued challenges, the paper has entered its second year without missing any edition amongst doubt and apprehension of many literary people who have witnessed birth and death of many papers nationally especially in state capital of HP, Shimla. Here we do not make any tall claims nor firm commitments on the future of the paper but we wish to put forth our noble intention of serving people through this publication, supplemented by our sincere efforts. Rest, we leave it to the will of the nature. We have been blessed to get feedback from many corners on improvement required beside appreciations for its contents. This is a journey which keeps on expanding its horizon and stretching its path; hence looking for no destination. The joyful journey of this paper shall be the only destination.

During one-year journey, many players, ideas and action leaders have made their meaningful contribution to make this dream happen and this is the time to congratulate and thank them for the present achievement. The very first credit of this paper should go to Anand Nair, the first Managing Editor of 'The RIEV Times' who dared to venture into this publication when we were struggling to identify the Editor from open market who could align with our developmental philosophy. The initiative was well supported by Anjna Thakur with her exposure and experience of reporting in various dailies and Hem Raj Chauhan with thought-leadership and passion. The contribution of Mr. Narender Thakur, Graphic Designer and lately supported by Sonu Sirkek in the same domain is well recognized and appreciated for their day and night work. The recent induction of Sunil Kumar helped making paper available for readers is also recognized.

The feedback and backing from the Senior Management Team (SMT) of IIRD as well as all functionaries associated with IIRD and its associate organizations also proved to be of importance for continued improvement in the paper. The new leadership of Hemraj Chauhan as the Editor with independent role duly supported by Anjna Thakur as second head of the editorial team will certainly take this initiative towards sustainability, wider reach and increased impact.

Our best wishes to the team for touching new heights!

Dr. L.C. Sharma
Editor in Chief
Mob.94180 14761, md@iirdshimla.org

Towards Accountability of Parliamentarians

INDIA FACES LEADERSHIP CRISES

मुस्कुराहट लाने की ओर एक नए प्रयोग के साथ

रीव : रुरलाईजिंग इंडिया-इम्पावरिंग विलेजिज : एक विवेचन

मिशन रीव एक महकता गुलदस्ता

"बुलंदियों को छूना है इस मिशन का मक़सद,
खुशियां बांटना है इस मिशन का मक़सद,
खुदा भी आसमां से जब जमी पर खुशियां देखेंगा,
वह भी इस रचना से प्रफुल्लित हो जाएगा"

30 सितंबर, 2017 को जब मिशन रीव आरम्भ हुआ तब मात्र कुछ ही लोग थे जिन्होंने इसके उतार-चढ़ाव देखे । आज मिशन रीव समस्त हिमाचल में फैला है । ऐसा लगता है जैसे मिशन रीव ने एक गुलदस्ते का रूप ले लिया हो । यह हमारी रोज़-मर्रा की ज़िन्दगी बन चुका है । मिशन रीव के आने से गांव का हर इन्सान खिल उठा है क्योंकि जहां पहले लोगों को अपनी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए शहर की तरफ जाना पड़ता था, अब वे ज़रूरतें व सुविधाऐं उसे उसके घर-द्वार पर मिलने लगी है जिससे कि वह आत्म-निर्भर व आत्म-सम्मानित हो गया है । मिशन रीव तो हमारे लोगों के लिए वरदान बनकर आया है । मैंने इसे क्रान्तिकारी मिशन इसलिए कहा क्योंकि यह हमारे पूरे परिवेश को बदलने वाला है। इस मिशन से जहां एक तरु लोगों को रोजगार मिलेगा वही वह अपनी संस्कृति व मिट्टी से भी जुड़ाव रहेगा । हमारी युवा पीढ़ी जो रोजगार के लिए अपने गांव-घर से पलायन कर रही है, वह रोजगार के लिए बाहर नहीं भटकेगी और एक बार पुन: हमारे समाज में संयुक्त परिवार होगें, युवा वापिस आएगें तथा लोगों के सपने घर-गांव में ही सेवाओं को प्रदान कर पूरे होगें । अन्त में, मैं यही कहना चाहती हूं कि मिशन रीव हमारे पूरे परिवेश को बदलने का एक आईना है , यथार्थ में बदलता हुआ एक सपना है और यह सपना खुली आंखों से देखा गया सपना है जो दिन प्रतिदिन रंग लाना शुरु कर चुका है ।

सुषमा शर्मा
निदेशक, आईआईआरडी, शिमला

INDIA FACES LEADERSHIP CRISES

MANDATE FOR NEW GOVERNMENT

Rural Consumerism

विवेकहीनता का आधार... परम्पराओं का आडंबर

FROM CULTURAL DIVERSITY TO LINGUISTIC UNITY

विश्वविद्यालय के नाम पत्र

आत्मसंतुष्टि ही नहीं सामाजिक व नैतिक जिम्मेवारी की संवाहक है पत्रकारिता

द रीव टाइम्स ने एक वर्ष में पत्रकारिता के क्षेत्र में मिसाल कायम की

आज विश्व में जहां प्रिंट मीडिया में कमी आई है, भारत में आज भी प्रिंट मीडिया निरंतर प्रगति पर है और फल-फूल रहा है। वर्तमान में भारत में लगभग 22 भाषाओं में 82 हज़ार से भी अधिक शीर्षक के साथ पत्र-पत्रिकाऐं छपती हैं। इनके पाठकों की संख्या भी 40 करोड़ से अधिक है। इसमें लगातार बढ़ौतरी ही हो रही है। प्रिंट मीडिया के प्रति एक विश्वसनीयता बनी हुई है। लेकिन इस बात से भी अस्वीकार नहीं किया जा सकता कि आज मीडिया ने अपनी साख़ पर दाग लगाने में भी कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रखी है। भारत विविधताओं का देश है। यहां पर क्षण-क्षण में असंख्य घटनाओं को घटित होते हुए देखा, सुना और पढ़ा जा सकता है। ऐसे में प्रिंट मीडिया की भूमिका का अनुमान सहजता से लगाया जा सकता है। लेकिन मीडिया इस पर स्वच्छंद और निष्पक्ष होकर कलम चला रहा है, इसमें संदेह है। मीडिया ने विज्ञापनों की चकाचौंध और लेखन को कमाई का ज़रिया बनाने में जब पहल की तो लोगों का विश्वास भी कम होता चला गया।

'द रीव टाइम्स' का उद्भव आज से एक वर्ष पूर्व जुलाई 2018 में इस आशा के साथ हुआ था कि इस समाज का आईना बनाया जाऐगा। जन कल्याण से जुड़े मुद्दे और समस्याओं का सशक्त मंच होगा। इसके लिए 'द रीव टाइम्स' की टीम ने प्रधान संपादक एवं संस्थापक डॉ० एल सी शर्मा के मार्गदर्शन में अथक प्रयासों से जन-जन की आवाज़ बनने की ओर निरंतर अग्रसर रहा है। 'द रीव टाइम्स' ने गांव की गलियों का सफर तय करते हुए खेत-खलिहानों से होते हुए प्रशासनिक एवं सामाजिक मुद्दों पर स्याही से सत्य की गाथा लिखी। लोगों की आवाज़ को ही अपना धर्म मानते हुए 'आपकी आवाज़ ही है हमारी आवाज़' के उद्घोष के साथ जनमंच की सेवाओं को भी देने में अहम् भूमिका निभाई है।

जब हम स्वतंत्र पत्रकारिता की बात करते हैं तो आज इसके मायने बिलकुल बदल गए हैं। मीडिया ने स्वयं को गिरवी भी रखने से परहेज़ नहीं किया तो वहीं आज मीडिया में एक ऐसा वर्ग भी है जिसने निर्भिकता और सत्याधारित पत्रकारिता को जीवित रखा है। आधुनिक समाज की दौड़ न केवल अंधी है अपितु स्वार्थ की लोलुपता में शब्द-शब्द सूली पर लटके हुए हैं। कब कलम अपने चरित्र को मलिन करते हुए बोली में बिक जाए ...इस बात की अडिगता में प्रश्नचिन्ह है। मीडिया ने अपना भरोसा तो कुछ न कुछ हद तक खोया ही है। ऐसे में पत्रकारिता के मायने समझते हुए इसकी सामाजिकता को भी पक्षपातरहित देखने की आवश्यकता है।

प्रिंट मीडिया से कहीं अधिक इलेक्टिक मीडिया ने राजनैतिक एवं स्वार्थपूरक भूमिका से ओतप्रोत इसकी गरिमा को ठेस पहुंचाई है। यह लोकतंत्र का ऐसा स्तंभ है जिस पर आम इंसान भी न्याय और निर्भीकता की दृष्टि रखता है। ऐसे में भारत जैसे देश में राजनैतिक दलों के दलदल में मीडिया हाउस चीखते और चिल्लाते हैं। एक ही समाचार पर सैंकड़ों प्रकार के तथ्य और ख़बरों का जंजाल इसे आम लोगों के विश्वास पर अपंगता के मुहाने पर ले आया है। सरकार का भाग्य जनता या यों कह लो कि मतदान तय करता है। लेकिन तथाकथित मीडिया सरकार का चयन कर गठन की प्रक्रिया और चुनावों से पूर्व ही मंत्रालय तक का वितरण भी हो चुका होता है। यहां तक कि मीडिया हाउस आपस में ही उलझे हुए हैं। एक-दूसरे पर कीचड़ फैंकना और ख़बरों को स्वार्थ के मक्खन से लेप लगाकर परोसना अब दर्शकों एवं पाठकों को कहीं न कहीं दुःखी मन से दूर करता जा रहा है। पक्षपात से लबरेज़ होकर किये गए मीडिया कवरेज़ और ख़बरों के कारण पत्रकारिता का चरित्रहनन सरेआम हो रहा है। ऐसे में प्रिंट मीडिया ने हालांकि स्वयं को पाठकों के बीच विश्वसनीयता के पैमाने में बरकरार रखा है। द रीव टाइम्स इसका एक उदाहरण है।

द रीव टाइम्स एक पाक्षिक समाचार पत्र है जिसमें विगत 15 दिनों के समस्त महत्वपूर्ण घटनाक्रमों को समेटते हुए सम-सामयिक विषयों पर गूढ़ता से कलम से निष्पादन हुआ। समाचार पत्र ने अपनी सामाजिक एवं नैतिक उत्तरदायित्व को समझते हुए जनता की आवाज़ बनने के लिए खोजी पत्रकारिता के साथ-साथ गांव की गलियों में घूम कर ख़बरों की स्वीकार्यता को कलमबद्ध किया है। आज भी जब केन्द्र सरकार उज्ज्वला योजना के माध्यम से ग़रीब महिलाओं को गैस कनेक्शन की बात करती है तो दिल्ली से मीलों दूर गांव में पहुंचकर वो योजना कुछ प्रधानों की मनमर्जी की भेंट चढ़ कर अपने रिश्तेदारों और जान-पहचान के घर में ही जलती है। कुछ योजना का हिस्सा बच गया तो वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचती है। ऐसे में पत्रकारिता की जिम्मेवारी बढ़ जाती है। द रीव टाइम्स ने इसी पर सर्वप्रथम चोट की और केन्द्र सरकार की योजनाओं को हूबहू उसकी शर्तों और नियम-कायदों के साथ लोगों तक विशेष पृष्ठ प्रकाशित कर सामने लाया। राज्य सरकार की जनहित योजनाओं को विशेष स्थान देकर लोगों तक आवश्यक जानकारी पहुंचाने को कार्य किया है। सरकार जिन मुद्दों पर असफल होती रही है उस पर भी द रीव टाइम्स ने बेझिझक कलम चलाई। लोगों की आवश्यकताओं एवं समस्याओं का आईना बनने से नहीं चूका है। समाचार पत्र को हिमाचल के सरकारी दफ्तरों से बाहर गांव-गांव की गलियों से बाहर दूसरे राज्यों और देश से बाहर विदेशों में भी सराहना मिली जब स्विज़रलैंड के जिनेवा में यूएन की बैठक तक इसकी पहुंच संभव बन पाई। इस लेख में इसके प्रधान संपादक डॉ० एल सी शर्मा का नाम लिए बिना इसे पूरा नहीं कर पाउंगा क्योंकि इनके प्रयासों से ही लोगों की आवाज़ बनने में सहयोग मिला। स्वयं इनके लेखों में समाज की कुरीतियों पर कुठाराघात किया गया है जो देश भर में खूब सराहे गए।

एक वर्ष में पाठकों का जो भरपूर स्नेह और आलोचनाओं की छींटाकशी में तारीफें मिली उनको प्रेरणा बनाकर दूसरे वर्ष का आरंभ भी निर्भीकता और सत्य की कसौटी पर होता रहेगा और लोगों की आवाज़ और समस्याओं को सदैव द 'रीव टाइम्स' हृदय में स्थान मिलेगा, इसी आशा के साथ यह अंक आपके हाथों में है।

हेम राज चौहान
संपादक, द रीव टाइम्स
Chauhan.hemraj09@gmail.com,94184 04334

निजी स्कूलों की मनमानी से त्रस्त हुआ आम आदमी

शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के भविष्य का भी व्यापार कर रहे हैं निजी स्कूल

फीस, किताबें और वर्दी के अलावा बाहरी खर्चों का बोझ डाल कर मालामाल हो रहे हैं ये स्कूल

फीस वृद्धि से परेशान अभिभावक

पुस्तकों, कॉपियों और स्कूल वर्दी और गाड़ियों के खर्चे का गोरखधंधा भी खुलेआम

श्रमण या किसी छोटे-बड़े कार्यक्रम हेतु पैसों की डिमांड भी आम

सरकार की सख्ती सिर्फ दिखावे की

सरकारी बनाम निजी स्कूल

हेम राज चौहान
Chauhan.hemraj09@gmail.com,94184 04334

बंदरों और आवारा कुत्तों से शिमला असुरक्षित

समस्या से निपटने की कोई कारगर नीति नहीं बन पाई अभी तक

कुल संदेनशील बस्तियें

आवारा कुत्तों के लिए बनेंगे पार्क

बंदरों के हमले

आवारा कुत्तों के लिए बन रहे हैं पार्क

दरक रहे हैं पहाड़......भविष्य सुरक्षित नहीं

विकास और स्वार्थ के नाम पर प्रकृति के शोषण से गंभीर परिणाम होंगे भुगतने

सड़कों और राष्ट्रीय राजमार्गों के फोरलेन परियोजनाओं ने किया विध्वंस

करना होगा सस्त नियम

क्या करें कि भूस्खलन न हो

पहाड़ों की जल ना बना सकते हैं

भूमि की पोषक एवं उपजाऊ मिट्टी मैदानों को करते है गुलज़ार

अनियोजित जल प्रवाह करता विपदा को न्योता

हमारी प्यारी पृथ्वी का अंत

पश्चिम करने में छटपटाहट

सूर्य से भूमंडल, सूर्य के अंत

क्या होगा इंसान

हेम राज चौहान

शिक्षा की ऊंची दुकानों का फीका पकवान कब तक

छात्रों के भविष्य से होते खिलवाड़ पर कौन लगाएगा रोक

बलि प्रथा : जीभ के स्वाद में कट रहे हैं बेजुबान

पशुओं को काटते-खाते पशुओं से भी नीच हो गया इंसान

धर्म की आड़ आखिर कब तक

क्या करते हैं आध्यात्म नीति

क्या कहते हैं वेदव्यास आचार्य विनोद शर्मा

देवभूमि हिमाचल और बलि प्रथा

क्या कहते हैं धर्मशास्त्र

मनुष्य का शव चूने वाला, पर वापिस अाकार महान है, फिर कुत्ते पर बैठकर मरे हुए जानवर का मांस खाता है

हज़ारों पेड़ चढ़ चुके हैं फोरलेन की बलि

पेड़ लगाने के नाम पर अभी ज़मीन तक का चयन नहीं

पहाड़ों का चीर कर बन रहा तरक्की का फोरलेन

तरक्की की राह सड़कों से होकर गुज़रती है

क्या कहती है सर्वे

क्या कहता है शिमला-हिमाचल का इतिहास

वन संपदा की भेंट चढ़ा एक हज़ार पेड़ घाटी

क्या हर कहीं है सरकार उच्चारण की बात

वनों की ग़रीबी नीति

प्रधानमंत्री की नीति

पहाड़ ने फोरलेन है, ऐसा अतुलित नीति

सूचना में इनफार्मेशन आई ने बताया कि

सरकार ने आम आदमी तक की जिम्मेवारी

हेम राज चौहान
Chauhan.hemraj09@gmail.com,94184 04334

सेब-किन्नू से तपोवन में विधानसभा सत्र की राजनीति तक

दो विधानसभा परिसर जरूरत से ज्यादा राजनीतिक मजबूरी

पांच से छह दिन के शीतसत्र में खर्च हो जाते करीब एक करोड़

नेताओं-नौकरशाहों की आवभगत और सुरक्षा पर ही खर्च हो जाता है लाखों

देखी ज़माना की यारी बिछड़े सभी...

वृद्धाश्रम हमारी जीवन पद्धति और संस्कारों का हिस्सा नहीं

नई पीढ़ी बुजुर्गों के प्रति अलगाव के भंवर में फंसी...

वृद्धाश्रम के मायने

सरकार को होना होगा गंभीर

स्मार्ट सिटी से पहले की प्राथमिकता स्वच्छता की है

सबसे अधिक अस्वच्छता कुत्तों एवं बंदरों की गंदगी से है

पालतू कुत्तों के मालिकों का लापरवाह रवैया

ज़िम्मेवारी कौन लेगा

बंदरों का भी गंदगी फैलाना आम है

कोई ठोस करावाई का नहीं नीति अब तक नहीं

हिमाचल के 300 रुटों पर 10 से 15 सीटर वाहन चलाएगा एचआरटीसी

द रीव टाइम्स ब्यूरो

परिवहन मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने कहा कि ग्रामीण युवाओं को रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से ड्राई लीज पर रूट परमिट प्रदान किए जाएंगे। ग्रामीण रूटों में परिवहन व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए योजना लाई जा रही है। 10 से 15 सीटर यह छोटी गाड़ियां परिवहन निगम के तय रुटों पर सेवाएं प्रदान करेंगी। इन रूटों को चिन्हित करने के लिए क्षेत्रीय प्रबंधक चुने हुए प्रतिनिधियों से भी सुझाव लेंगे। करीब 300 रूट चिन्हित किए जाएंगे। ठाकुर ने दोबारा आईजीएमसी जाकर घायलों का हाल जाना और जानकारी दी कि घायलों सभी बेटियों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि इनकी देखभाल के लिए परिवहन निगम ने पहले दिन से ही दो कर्मचारी अस्पताल में नियुक्त किए हैं। परिवहन मंत्री एचआरटीसी के उन कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया है जो अवकाश छोड़कर ओवरटाइम से लोगों को सेवाएं दे रहे हैं। परिवहन मंत्री ने बीते दिनों झंझड़ी बस हादसे के दिवंगत चालक नरेश के घर जाकर परिवार के सदस्यों को सांत्वना भी दी। उन्होंने पीड़ित परिवार को निगम की तरफ से सहायता राशि भी प्रदान की। इस अवसर पर ठाकुर कुंज लाल दमोदारी ठाकुर सेवार्थ ट्रस्ट की मुख्य ट्रस्टी रजनी ठाकुर ने भी नरेश के परिवार को ट्रस्ट की ओर से आर्थिक सहायता प्रदान की। दिवंगत चालक की बेटी और बेटे की आगे की शिक्षा का खर्च अब इसी ट्रस्ट की ओर से उठाया जाएगा।

राज्यपाल ने टभोग गांव का दौरा कर जानी प्राकृतिक कृषि की जमीनी हकीकत

द रीव टाइम्स ब्यूरो

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आतमा), शिमला द्वारा कार्यान्वित सुभाष पालेकर प्राकृतिक खेती के अन्तर्गत 'कृषक भ्रमण कार्यक्रम' के तहत राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने शिमला ग्रामीण के सुन्नी तहसील के अन्तर्गत बसंतपुर विकास खण्ड की पाहल पंचायत के टभोग गांव का दौरा किया। उन्होंने सुरेश ठाकुर के खेतों का मुआयना किया, जिन्होंने प्राकृतिक कृषि के तहत सब्जी उत्पादन किया है। पद्मश्री सुभाष पालेकर भी राज्यपाल के साथ थे। 'कृषक भ्रमण कार्यक्रम' के तहत प्रदेश के करीब 80 किसानों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, उत्तराखण्ड, महाराष्ट्र, राजस्थान इत्यादि अन्य राज्यों के किसान भी शामिल हुए। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने अपने बजट में आज शून्य लागत प्राकृतिक कृषि को देश भर में लागू करने का जो प्रस्ताव दिया है, उसके लिए वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि केंद्र सरकार इस कृषि पद्धति के प्रति कितनी गंभीर है। उन्होंने कहा कि इस मामले में हिमाचल प्रदेश इतिहास रचने वाला है, क्योंकि इस कृषि पद्धति के मामले में हम काफी कार्य कर चुके हैं। आचार्य देवव्रत ने इस अवसर पर किसानों को इस कृषि पद्धति के लाभ बताये और उन्हें इसे पूर्ण रूप से अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इसे जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने किसान सुरेश ठाकुर के प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर, पद्मश्री सुभाष पालेकर ने कहा कि प्राकृतिक कृषि के मॉडल दूरवर्ती गांव में देखकर उन्हें यह किसी चमत्कार से कम नहीं लगा। उन्होंने कहा कि उन्हें यह लगता था कि केवल प्रचार का काम होगा लेकिन टभोग गांव में आकर उनकी धारणा ही बदल गई है। यहां पहाड़ी गाय का पालन हो रहा है और और प्राकृतिक कृषि के मॉडल तैयार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अब यह स्पष्ट है कि हिमाचल प्रदेश सरकार किसानों के प्रति कितनी चिंतित रहती है। उन्होंने प्रदेश सरकार से आग्रह किया कि किसानों को खेतों में बाड़बंदी करने के लिए दिए जाने वाले अनुदान को 80 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत किया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस पद्धति को लेकर सकारात्मक हैं और इस दिशा में हर सहयोग करने को तैयार हैं।`इस मौके पर टभोग गांव के लोगों ने सामुहिक तौर पर निर्णय लिया कि पूरा गांव अब प्राकृतिक कृषि करेगा।

प्रदेश सरकार हिमाचल को प्राकृतिक कृषि राज्य बनाने के लिए प्रयासरतः मुख्यमंत्री

द रीव टाइम्स ब्यूरो

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने पद्मश्री सुभाष पालेकर से बातचीत करते हुए कहा कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश को प्राकृतिक कृषि करने वाला राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस उद्देश्य के लिए प्रदेश में गैर रासायनिक और प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसके लिए राज्य में जैविक कीटनाशकों को अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्राकृतिक कृषि करने वाले किसानों को देसी नस्ल की गाय खरीदने के लिए 50 प्रतिशत उपदान प्रदान कर रही है जिसके तहत अधिकतम 25,000 रुपये तक दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे न केवल पशुधन में वृद्धि होगी, बल्कि प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने में भी सहायता मिलेगी। जय राम ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय को वर्ष 2022 तक दोगुना करने के लिए प्रयासरत है और 'प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना' मील का पत्थर साबित होगी क्यांकि जैविक उत्पादों से न केवल किसानों को उनके उत्पाद के अच्छे दाम मिलेंगे, बल्कि इसके माध्यम से उपभोक्ताओं को रासायनमुक्त फल, सब्जियां और अन्य खाद्य पदार्थ उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि विधायकों को जैविक खेती के लाभों से अवगत करवाने तथा प्राकृतिक कृषि को अपनाने के बारे में जागरूक करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा, जिससे वह अपने क्षेत्रों में किसानों को राज्य में प्राकृतिक कृषि अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकें। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग चुने हुए आदर्श गावों में 'बीज ग्राम' विकसित करने पर विचार करेगा, जिनमें विभिन्न फसलों और फलों के गुणवत्तायुक्त प्राकृतिक बीज पैदा किए जाएंगे। जय राम ठाकुर ने कहा कि विभाग को नियमित तौर पर सेब उत्पादन वाले क्षेत्रों में प्राकृतिक कृषि से सम्बन्धित जागरूकता शिविरों का आयोजन करना चाहिए ताकि इन शिविरों के माध्यम से बागवानों को जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके और रासायनिक उर्वरकों पर उनकी निर्भरता को कम किया जा सके।

हिमाचल कैबिनेट का बड़ा फैसला, प्रशासनिक ट्रिब्यूनल भंग

द रीव टाइम्स ब्यूरो

हिमाचल कैबिनेट ने प्रशासनिक ट्रिब्यूनल को भंग करने का बहुप्रतीक्षित फैसला लिया है। बैठक में लंबी चर्चा के बाद इस पर निर्णय हुआ है। इसके साथ ही अब सरकारी कर्मचारियों के हजारों मामले भी हाईकोर्ट के लिए शिफ्ट हो जाएंगे। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में ट्रिब्यूनल भंग करने का एजेंडा शाम को रखा गया। इससे पूर्व धूमल सरकार के कार्यकाल में जुलाई 2008 में भी ट्रिब्यूनल भंग किया गया था। उस वक्त भी सारे मामले हाईकोर्ट को शिफ्ट किए थे। इसके बाद फरवरी 2015 में इसे तत्कालीन वीरभद्र सरकार ने इसे फिर बहाल किया। इसके अलावा कैबिनेट ने वन रक्षकों समेत विभिन्न श्रेणी के 250 से अधिक पद भरने का भी निर्णय लिया है। बीते दिनों कैबिनेट ने हिमाचल में सड़क हादसों पर रोकथाम के लिए भी रोड सेफ्टी सेल के गठन का फैसला लिया है। मंत्रिमंडल ने फैसला लिया है कि राज्य में सड़क सुरक्षा नियमों को लागू करने के लिए परिवहन निदेशालय में निदेशक अथवा आयुक्त परिवहन की अध्यक्षता में लीड एजेंसी अथवा रोड सेफ्टी सेल स्थापित होगा। यह सेल राज्य में सड़क सुरक्षा गतिविधियों की निगरानी करेगा। इसमें पुलिस, लोक निर्माण, शिक्षा और स्वास्थ्य विभागों के विशेषज्ञों के अलावा अन्य सहायक स्टाफ तैनात होगा। महीने कुल्लू जिला के बंजार में हुए बस हादसे में 46 लोगों की मौत और तीन दिन पूर्व शिमला के झंझीड़ी में स्कूल बस दुर्घटना में दो स्कूली छात्राओं सहित बस चालक की मौत पर गहरी संवेदनाएं व्यक्त की गईं।

जंजैहली, पौंग बांध, चांशल और बीड़-बिलिंग में पर्यटन अधोसंरचना का होगा स्तरोन्नयन

द रीव टाइम्स ब्यूरो

प्रदेश सरकार मण्डी जिला के जंजैहली क्षेत्र को ईको पर्यटन की दृष्टि से, कांगड़ा जिला के बीड़-बिलिंग को पैराग्लाईडिंग और साहसिक खेलों के गंतव्य के रूप में, पौंग बांध को जल क्रीड़ा गंतव्य और शिमला जिला के चांशल क्षेत्र को शीतकालीन खेलों तथा स्कीईंग के पसंदीदा गंतव्य के रूप में विकसित करेगी। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने यहां 'नई राहें, नई मंजिलें' योजना पर एक प्रस्तुतीकरण की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिमला, कुल्लू-मनाली, धर्मशाला जैसे पर्यटक स्थलों पर दबाव कम करने की दृष्टि से राज्य सरकार ने इस महत्वाकांक्षी योजना को आरम्भ किया है। योजना के माध्यम से पर्यटकों के लिए विश्व स्तरीय अधोसंरचना का विकास किया जाएगा ताकि पर्यटकों को इन अनछुए क्षेत्रों की ओर आकर्षित किया जा सके। जय राम ठाकुर ने कहा कि जंजैहली में नामी होटल चेन क्लब महेन्द्रा ने 50 करोड़ रुपये का निवेश कर एक रिजार्ट विकसित करने पर सहमति व्यक्त की है। इसके अतिरिक्त क्षेत्र में 25 करोड़ रुपये की लागत से ईको-पर्यटन संबंधी सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिनमें कैम्पिंग स्थल, ट्रैकिंग मार्ग, नए स्थलों, मौजूदा वन विश्राम गृहों का स्तरोन्नयन व नवीकरण तथा पर्यटकों के लिए लॉग हट्स का निर्माण शामिल हैं। उन्होंने कहा कि देवीधार, पंजैन और बीजाही आदि में कैम्पिंग स्थलों को विकसित किया जाएगा। इसके अलावा बांदल में प्रस्तावित बगलामुखी नेचर पार्क में एक इंटरप्रेटेशन केन्द्र स्थापित किया जाएगा। क्षेत्र में कैक्टस उद्यान, रज्जूमार्ग, नेचर वॉक और रॉक क्लाईबिंग सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि मण्डी से मनाली मार्ग पर पंडोह के निकट लॉग हट्स बनाई जाएंगी जिससे कुल्लू - मनाली क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों को एक अन्य पर्यटक गंतव्य मिलेगा। जय राम ठाकुर ने कहा कि बीड़-बिलिंग में आठ करोड़ रुपये की लागत से पैराग्लाईडिंग केन्द्र का विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांगड़ा क्षेत्र में स्थित पौंग बांध में 14 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाली दो नाव उपलब्ध कराई गई हैं तथा शीघ्र ही दो अतिरिक्त नाव उपलब्ध करवाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस स्थान को विकसित करने के लिए तथा आगंतुकों को आरामदायक ठहराव सुविधा प्रदान करने के दृष्टिगत लगभग 15 लॉग हट्स बनाई जाएंगी।

हिमाचल के एक लाख परिवारों को गरीबी से बाहर लाने की तैयारी

द रीव टाइम्स ब्यूरो

हिमाचल सरकार एक लाख परिवारों की गरीबी दूर करने की योजना पर काम कर रही है। सालाना चार लाख से कम आय वाले गरीब परिवारों की आर्थिकी सुधारी जाएगी। ऐसे परिवारों को चिह्नित करने के लिए हर जिले में सर्वेक्षण किया जाएगा। इसके बाद सरकार इन्हें योजनाओं के तहत कृषि - बागवानी और स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाएगी। ग्रामीण विकास विभाग ऐसे एक लाख गरीब परिवारों की सूची तैयार करेगा। आर्थिक आरक्षण के लिए पात्र परिवारों से ही ऐसे परिवारों को चुना जाएगा। सरकार गरीबी का दाग भी मिटाएगी और आर्थिक आरक्षण के लिए पात्र परिवारों की संख्या भी कम हो जाएगी। प्रदेश सरकार चयनित एक लाख गरीब परिवारों को आजीविका मिशन के तहत रोजगार शुरू करने के लिए मदद करेगी। इसके अलावा आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना का भी लाभ देगी। साथ ही पशु और भेड़पालन का काम शुरू करना या बगीचा आदि लगाने के इच्छुक को सब्सिडी एवं अन्य साधनों से मदद दी जाएगी। वीरेंद्र कंवर, ग्रामीण विकास मंत्री के मुताबिक हिमाचल के एक लाख गरीब परिवारों की आर्थिकी सुधारने के लिए सरकार नई योजना लाने जा रही है। इसके लिए पहले सभी जिलों में सर्वे किया जाएगा। सर्वे के बाद ही एक लाख गरीब परिवार चयनित किए जाएंगे।

11 जिलों में आयोजित जन मंच में 2076 मामले सामने आए

द रीव टाइम्स ब्यूरो

किन्नौर जिला को छोड 7 जुलाई को प्रदेश के 11 जिलों में आयोजित जन मंच में 2076 शिकायतें व मांगें प्राप्त हुईं। किन्नौर जिला में जन मंच का आयोजन 14 जुलाई को किया जाएगा। प्रदेश में अब तक आयोजित जन मंच में 34 हजार से अधिक समस्याएं व शिकायतें प्रदेश सरकार के समक्ष आई हैं, जिनमें से अधिकतर का निपटारा किया जा चुका है।

ऊना : जिला के ऊना सदर विधानसभा क्षेत्र के कुठार खुर्द में आयोजित जनमंच में कुल 113 समस्याएं प्राप्त हुईं, जिनमें से अधिकतर का मौके पर समाधान किया गया। जन मंच से पूर्व जिला में 19 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश विधानसभा उपाध्यक्ष हंसराज ने की। जन मंच से पूर्व की गतिविधियों के दौरान जिला में 827 प्रमाण-पत्र जारी किए गए।

मंडी : सिंचाई एवं जनस्वाथ्य मंत्री महेंद्र सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में जोगिन्दर नगर के लडभड़ोल में आयोजित जन मंच कार्यक्रम में 280 आवेदन प्राप्त हुए जबकि जन मंच से पूर्व 46 मामले प्राप्त हुए थे। इनमें से 81 शिकायतों का मौके पर निपटारा कर दिया गया।

शिमला : जिला के दूर-दराज क्षेत्र कुपवी में जन मंच को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री सुरेश भारद्वाज ने कुपवी क्षेत्र में 3 करोड़ 95 लाख रुपये की लागत से निर्मित की जाने वाली उठाऊ पेयजल योजना को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। जन मंच में प्राप्त सभी 85 जन शिकायतों का मौके पर निवारण किया गया। इस दौरान लोगों द्वारा 79 मांग पत्र भी दिए गए।

कुल्लू : जिले में जन मंच निरमंड विकास खंड में आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता जनजातीय विकास और कृषि मंत्री डॉ. रामलाल मारकंडा ने की। इस दौरान 145 शिकायतों की सुनवाई की गई जिनमें से अधिकांश का समाधान मौके पर ही किया गया।

चम्बा : जिला में जन मंच भरमौर में आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता स्वास्थ्य मंत्री विपिन सिंह परमार ने की। जन मंच में शिकायतों व मांगों के लगभग 271 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही समाधान किया गया।

हमीरपुर : जिला में जन मंच का आयोजन ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री वीरेंद्र कंवर की अध्यक्षता में सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पटलांदर में किया गया। जनमंच में प्राप्त 102 शिकायतों में से अधिकांश का मौके पर ही निपटारा किया गया।

जिला कांगड़ा : उद्योग मंत्री बिक्रम सिंह ठाकुर ने कांगड़ा जिला के शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के दरीणी में आयोजित जन मंच की अध्यक्षता की। यहां 116 शिकायत पत्र प्राप्त हुए जिनमें से 70 निपटारा मौके पर किया गया।

लाहौल-स्पीति : वन, परिवहन, युवा सेवाऐं एवं खेल मंत्री गोविन्द ठाकुर ने लाहौल-स्पीति जिला के काजा में जन मंच की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में 13 पंचायतों से 142 जन समस्याएं प्राप्त हुईं, जिनमें से 109 का निपटारा मौके पर ही किया गया।

सिरमौर : जिला के रेणुका निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत विकास खण्ड संगड़ाह के बोगधार गांव में जन मंच की अध्यक्षता करते हुए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. राजीव सैजल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि जिला के कुछ कस्बों में कार्य कर रहे झोलाछाप चिकित्सकों का औचक निरीक्षण किया जाए। जन मंच में कुल 199 मामले प्राप्त हुए, जिनमें से 80 मामलों का निपटारा मौके पर किया गया और मंत्री ने शेष शिकायतों का समाधान 15 दिनों के भीतर करने के निर्देश दिए।

जिला बिलासपुर

बिलासपुर जिला में जन मंच बिलासुपर सदर विधानसभा क्षेत्र के मल्यावर में आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष रमेश ध्वाला ने की। जन मंच में 318 आवेदन पत्र प्राप्त हुए जबकि जन मंच से पूर्व 238 आवेदन पत्र अपलोड किए गए। आज के कार्यक्रम में कुल 184 मामलों का निपटारा किया गया।

जिला सोलन

भाजपा के मुख्य सचेतक नरेंद्र बरागटा ने कहा कि प्रदेश में अब तक आयोजित जन मंचों के माध्यम से 32 हजार से अधिक समस्याएं व शिकायतें प्रदेश सरकार के समक्ष आई हैं, जिनमें से अधिकतर का निपटारा किया जा चुका है। इस दौरान 336 स्वास्थ्य शिविर लगाए गए, विभिन्न प्रकार के 34875 प्रमाण-पत्र बनाए गए और 418 शौचालय मंजूर किए गए। जन मंच में 161 समस्याएं प्रस्तुत की गई जिनमें से 107 का मौके पर ही निपटारा किया गया। इस दौरान 186 हिमाचली प्रमाण-पत्र सहित अन्य कई प्रकार के प्रमाण-पत्र जारी किए गए।

साभार : विभिन्न ऑन लाइन समाचार पत्र

बजट खास

संसद में पेश किया गया आर्थिक सर्वेक्षण

मोदी सरकार 2.0 का पहला आर्थिक सर्वेक्षण संसद में पेश किया गया है। वित्त और कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2018–19 का आर्थिक सर्वेक्षण संसद में पेश किया है। इसके अनुसार, 2019–20 में विकास दर में तेजी आएगी और इसके 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। पिछले वित्त वर्ष 2018–19 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर पांच साल के न्यूनतम स्तर 6.8 प्रतिशत रही थी। सात प्रतिशत वृद्धि दर का मतलब है कि भारत दुनिया में सबसे तेज गति से आगे बढ़ता रहेगा। वहीं, ग्लोबल ग्रोथ के कम रहने की भी संभावना व्यक्त की गई है। 2024–25 तक पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए आठ प्रतिशत की सतत वास्तविक जीडीपी विकास दर की जरूरत है।

शिक्षा एवं मानव संसाधन नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लाएगी सरकार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद भवन में मोदी सरकार 2.0 का पहला बजट पेश किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण की शुरुआत मजबूत देश के लिए मजबूत नागरिक के नारे के साथ किया है। इस बीच निर्मला सीतारमण ने एक - एक करके अपने सरकार के उपलब्धियों को गिनाया। सरकार नई शिक्षा नीति लाने जा रही है जिसके तहत उच्च शिक्षा संस्थानों को उत्कृष्ट बनाने के लिए 400 करोड़ की राशि खर्च की जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनाने की घोषणा की। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि विश्व के 200 टॉप कॉलेजों में भारत के केवल तीन कॉलेज ही शामिल हैं। ऐसे में केंद्र सरकार इन कॉलेजो की संख्या बढ़ाने के लिए नए प्रयास करेगी।

पासपोर्ट धारक एनआरआई को आधार कार्ड जारी करने की घोषणा

केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारामन ने लोकसभा में 2019–20 का केन्द्रीय बजट पेश करते हुए कहा कि सरकार उन एनआरआई को आधार कार्ड जारी करने पर विचार करेगी, जिनके पास भारतीय पासपोर्ट हैं।

इसके अलावा उन्होंने एक मिशन लांच करने का प्रस्ताव दिया, जो भारतीय पारम्परिक कारीगरों और उनके उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि जहां भी आवश्यकता होगी इनके लिए पेटेंट और भौगोलिक संकेतक प्राप्त किए जायेंगे। निर्मला सीतारमन ने अपने भाषण में कहा, 'भारतीय पासपोर्ट धारक एनआरआई को 180 दिन की आवश्यक सीमा का इंतजार किए बिना आधार कार्ड जारी किया जाएगा। वित्त मंत्री की इस घोषणा से एनआरआई लोगों को बहुत फायदा होगा। वे आसानी से अपना केवाईसी पूरा कर सकेंगे और देश के अंदर वित्तीय लेन-देन कर सकेंगे।

भारतीय रेल, देश में अब प्राइवेट ट्रेन भी चलेगी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला बजट 05 जुलाई 2019 को संसद में पेश कियाी। केंद्रीय बजट के तहत रेलवे बजट 2019 पेश करते हुए वित्तमंत्री ने साफ, सुरक्षित और समयबद्ध रेल यात्रा पर जोर दिया है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार रेल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण की योजना को साल 2019 से शुरू करेगी। इसका उद्देश्य यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

टैक्स प्रावधान: कारपोरेट टैक्स की सीमा बढ़ी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण 2019–20 में आयकर दाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में प्रत्यक्ष कर में वृद्धि हुई है। साल 2018–19 में प्रत्यक्ष कर 11.37 लाख करोड़ रुपए प्राप्त हुआ है।

उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट करों को निरंतर कम करते रहेंगे। वित्त मंत्री ने 25 प्रतिशत कॉरपोरेट कर के लिए सीमा 250 करोड़ से बढ़ाकर 400 करोड़ वार्षिक टर्न ओवर करने की घोषणा की। इस फैसले से 99.39 प्रतिशत कंपनियां इस दायरे में आ जाएंगी। इसका मतलब है कि अब सालना 400 करोड़ टर्नओवर वाली कंपनियों को 25 प्रतिशत की दर से कॉरपोरेट टैक्स देना होगा। पहले सालाना टर्नओवर 250 करोड़ रुपए वाली कंपनियों को 25 प्रतिशत टैक्स देय था।

केस की तारीखों में हेराफेरी रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त होंगे सीबीआई अफसर

द रीव टाइम्स ब्यूरो

उच्चतम न्यायालय ने अपने रजिस्ट्री में भ्रष्ट तरीकों पर रोक लगाने के लिए सीबीआई और दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को नियुक्त करने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक चीफ जस्टिस रंजन गोगोई शीर्ष ने अदालत की विभिन्न पीठों को मामले सूचीबद्ध करने में अनियमितता के आरोपों का संज्ञान लिया। अधिकारी ने बताया कि उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों और पुलिस अधीक्षकों को नियुक्त करने का निर्णय लिया है। ये पुलिस अधिकारी मामलों को संदिग्ध तरीके से सूचीबद्ध करने और कर्मचारियों और वकीलों की अन्य गतिविधियों पर नजर रखने के लिए नियुक्त किए जाएंगे। हाल ही में सीजेआई ने अदालत के दो कर्मियों को एक उद्योगपति से संबंधित एक मामले का अनुक्रम बदलने के आरोप में बर्खास्त किया था। सुप्रीम कोर्ट ने वकील उत्सव बैंस द्वारा बिचौलियों की मर्जी के अनुसार मामलों को सूचीबद्ध करने का सनसनीखेज आरोप लगाने के बाद एक सदस्य जांच समिति का गठन भी किया है। इस समिति के अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश ए.के. पटनायक हैं।

आरबीआइ के डिप्टी गवर्नर बने एनएस विश्वनाथन

द रीव टाइम्स ब्यूरो

एनएस विश्वनाथन को दोबारा एक साल के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया गया है। कार्मिक मंत्रालय की ओर से 01 जुलाई 2019 को जारी आदेश के मुताबिक, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने एनएस विश्वनाथन की एक साल के लिए और डिप्टी गवर्नर पद पर दोबारा नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। आदेश के अनुसार, एनएस विश्वनाथन की नियुक्ति चार जुलाई से प्रभावी हुई। उनका मौजूदा कार्यकाल तीन जुलाई को पूरा हो रहा है। विश्वनाथन के अतिरिक्त इस समय बी पी कानूनगो और एम के जैन केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर हैं।

शोएब मलिक ने एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

द रीव टाइम्स ब्यूरो

पाकिस्तान के वरिष्ठ क्रिकेटर शोएब मलिक ने 06 जुलाई 2019 को एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। शोएब मलिक ने बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए मैच में जीत हासिल करने के बाद यह घोषणा की। आईसीसी विश्व कप-2019 के अपने अंतिम मैच में पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को 94 रनों से हराया। शोएब मलिक ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा कि मैं एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं। मैंने कुछ साल पहले ही फैसला कर लिया था कि मैं पाकिस्तान के आखिरी वर्ल्ड कप मैच के बाद रिटायर हो जाऊंगा। मैं इस बात से दुखी हूं कि क्रिकेट के उस फॉरमैट को अलविदा कह रहा हूं, जिससे कभी मुझे प्यार था लेकिन खुशी इस बात की है कि अपने परिवार के साथ बिताने के लिए अब मेरे पास ज्यादा वक्त होगा।

पाकिस्तान ने 261 भारतीय कैदियों की सूची सौंपी, इसमे मछुआरे भी शामिल

द रीव टाइम्स ब्यूरो

पाकिस्तान ने देश की जेलों में बंद 261 भारतीय कैदियों की सूची 01 जुलाई 2019 को भारतीय उच्चायोग को सौंपी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, इन भारतीय कैदियों में 209 मछुआरे और 52 अन्य शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि यह कदम पाकिस्तान और भारत के बीच दूतावास स्तरीय समझौते के तहत उठाया गया है। इसी समझौते के तहत पाकिस्तान और भारत ने एक-दूसरे को कैदियों की लिस्ट दी है। दोनों देश संबंधों में तनाव के बावजूद कैदियों की सूची साझा करने की परंपरा का पालन करते हैं।

अमेरिकी सीनेट ने भारत को नाटो सहयोगी देश जैसा दर्जा देने का विधेयक पारित किया

द रीव टाइम्स ब्यूरो

अमेरिकी सीनेट ने हाल ही में भारत को नाटो सहयोगी देश जैसा दर्जा देने के लिए एक विधेयक को पारित किया है। अमेरिका अब रक्षा संबंधों के मामले में भारत के साथ नाटो के अपने सहयोगी देशों, इजरायल और साउथ कोरिया की तर्ज पर ही समझौता करेगा। वित्त वर्ष 2020 के लिए नैशनल डिफेंस ऑथराइजेशन ऐक्ट को अमेरिकी सेनेट ने पिछले सप्ताह मंजूरी दी थी। यह विधेयक भारत को अमेरिका के नाटो सहयोगियों के बराबर का दर्जा देता है। इससे पहले यह दर्जा अमेरिका इजराइल और दक्षिण कोरिया को दे चुका है।

सरकार द्वारा 'एक देश, एक राशन कार्ड योजना' की घोषणा

द रीव टाइम्स ब्यूरो

उपभोक्ता मामले और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान ने राज्यसभा में घोषणा की है कि सरकार 'एक देश, एक राशन कार्ड योजना' की दिशा में आगे बढ़ रही है। केन्द्रीय मंत्री के अनुसार यह योजना जल्द ही लागू की जाएगी। सरकार द्वारा देश में खाद्य पदार्थों पर 1.45 लाख करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जा रही है. इसके तहत गरीबों को 2 रुपये प्रति किलो की दर से गेहूं और 3 रुपये प्रति किलो की दर से चावल दिया जा रहा है। लेकिन सभी जरूरतमंद लोग इसका लाभ नहीं ले पा रहे हैं जिसके चलते सरकार 'एक देश, एक राशन कार्ड योजना' लेकर आई हैं। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए खाद्य मंत्रालय सभी कार्ड्स का एक केंद्रीय डेटाबेस तैयार करेगा। देश के मौजूद सभी राशन कार्ड्स का एक सेंट्रल डेटाबेस बनेगा जिससे सभी को एक ही स्थान से निर्देशित किया जा सकेगा। कोई भी राशन कार्ड धारक, जिसके पास भारत सरकार द्वारा जारी राशन कार्ड है, देश में किसी भी स्थान पर मौजूद राशन की दुकान से निर्धारित राशन ले सकेगा।

मिशन चंद्रयान-2 प्रक्षेपण से 56 मिनट पहले रोका गया मिशन

द रीव टाइम्स ब्यूरो

चंद्रमा की ओर बढ़ते देश के कदम लॉन्च व्हीकल में तकनीकी खामी से फिलहाल थम गए। 15 जुलाई अलसुबह 2.51 बजे श्रीहरिकोटा से चंद्रयान-2 का प्रक्षेपण होना था, तैयारी पूरी थी। लेकिन 56 मिनट 24 सेकंड पहले उलटी गिनती रोक दी गई। नई तारीख का एलान जल्द किया जाएगा। इसरो के अनुसार, इस मिशन को रद्द नहीं किया गया है। जल्द ही इसकी नई तारीख का एलान होगा और इस महत्वपूर्ण मिशन को अंजाम दिया जाएगा। इसके साथ ही भारत पहली बार चंद्रमा पर दस्तक देगा। ऐसा करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश होगा। दुनिया में अंतरिक्ष महाशक्ति कहलाने वाले भारत के लिए यह बड़ी उपलब्धि होगी। इसरो के मुताबिक, सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपण के 20 घंटे पहले 14 जुलाई सुबह 06.51 बजे चंद्रयान प्रक्षेपण की उलटी गिनती शुरू की गई थी। जीएसएलवी मार्क-3 के हिस्सों में ईंधन भरकर तैयार किया था। आधी रात 1. 34 बजे हाइड्रोजन भी भरना शुरू हो गया था। अचानक तकनीकी खामी के चलते प्रक्रिया रोक दी गई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा भेजे गए मिशन चंद्रयान-1 को चंद्रमा पर पानी खोजने में मिली सफलता के 11 वर्ष बाद चंद्रयान-2 से भारत सहित पूरे विश्व को ढेरों उम्मीदें हैं, लेकिन फिलहाल यह थम गई हैं।

पासपोर्ट इंडेक्स की सूची में इस साल टॉप पर जापान भारत को मिला ये स्थान

द रीव टाइम्स ब्यूरो

दुनिया के विभिन्न देशों के पासपोर्ट कितने ताकतवर हैं इस बात का पता इनकी रैंकिंग से चलता है। इस साल हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2019 की सूची में टॉप पर जापान और सिंगापुर रहे हैं। यानी जापान और सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया में सबसे ताकतवर है। वहीं अगर भारत की बात करें तो इसमें भारत को 86वां स्थान मिला है।

जिस देश के पासपोर्ट से बिना वीजा सबसे अधिक देशों में आने-जाने की छूट होती है, उसे ही सबसे ताकतवर वीजा माना जाता है। इस सूची में 199 देशों को शामिल किया गया है। दुनिया के सबसे ताकतवर पासपोर्ट वाले देशों की सूची में पहला स्थान- जापान, सिंगापुर, दूसरा स्थान - फिनलैंड, जर्मनी, दक्षिण कोरिया, तीसरा स्थान- डेनमार्क, इटली, लक्जमबर्ग है। जबकि भारत 86वें स्थान पर है।

पाकिस्तान से कितना आगे भारत

पासपोर्ट की ताकत बताने वाले इस इंडेक्स में भारत पाकिस्तान से 20 रैंक आगे है। भारत साल की शुरुआत में 79वें स्थान पर था, लेकिन अब 86वें नंबर पर है। भारत का मोबिलिटी स्कोर 58 है। पाकिस्तान की रैंकिंग 106 और मोबिलिटी स्कोर 30 है।

द रीव टाइम्स
आपकी आवाज़ ही है
हमारी आवाज़

साभार : विभिन्न ऑन लाइन समाचार पत्र

अमेरिकी सीनेट ने भारत को नाटो सहयोगी देश जैसा दर्जा देने का विधेयक पारित किया

द रीव टाइम्स ब्यूरो

अमेरिकी सीनेट ने हाल ही में भारत को नाटो सहयोगी देश जैसा दर्जा देने के लिए एक विधेयक को पारित किया है। अमेरिका अब रक्षा संबंधों के मामले में भारत के साथ नाटो के अपने सहयोगी देशों, इजरायल और साउथ कोरिया की तर्ज पर ही समझौता करेगा। वित्त वर्ष 2020 के लिए नेशनल डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट को अमेरिकी सेनेट ने पिछले सप्ताह मंजूरी दी थी। यह विधेयक भारत को अमेरिका के नाटो सहयोगियों के बराबर का दर्जा देता है। इससे पहले यह दर्जा अमेरिका इजराइल और दक्षिण कोरिया को दे चुका है। अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के दोनों सदनों, प्रतिनिधि सभा और सीनेट से पारित होने के बाद विधेयक कानून का रूप ले लेगा। भारत को रक्षा सहयोग में इसके कानून बनने से काफी सहूलियत होगी।

नाटो क्या है?

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) विभिन्न देशों का रक्षा सहयोग संगठन है। इसकी स्थापना 04 अप्रैल 1949 को हुई थी। इसका मुख्यालय बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स में है। नाटो के सदस्य देशों की संख्या आरम्भ में 12 थी जो अब बढ़कर 29 हो चुकी है। नाटो का सबसे नया सदस्य देश मोंटेनिग्रो है। यह 5 जून 2017 को नाटो का सदस्य बना था। नाटो के सभी सदस्यों की संयुक्त सैन्य खर्च विश्व के कुल रक्षा खर्च का 70 प्रतिशत से अधिक है।

पाकिस्तान ने 261 भारतीय कैदियों की सूची सौंपी

द रीव टाइम्स ब्यूरो

पाकिस्तान ने देश की जेलों में बंद 261 भारतीय कैदियों की सूची 01 जुलाई 2019 को भारतीय उच्चायोग को सौंपी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, इन भारतीय कैदियों में 209 मछुआरे और 52 अन्य शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि यह कदम पाकिस्तान और भारत के बीच दूतावास स्तरीय समझौते के तहत उठाया गया है। इसी समझौते के तहत पाकिस्तान और भारत ने एक-दूसरे को कैदियों की लिस्ट दी है। दोनों देश संबंधों में तनाव के बावजूद कैदियों की सूची साझा करने की परंपरा का पालन करते हैं। यह समझौता 21 मई 2008 को हुआ था। इस समझौते के तहत दोनों देशों को एक-दूसरे की हिरासत में मौजूद कैदियों की सूची का आदान-प्रदान करना होता है। यह सूची साल में दो बार, पहली जनवरी और पहली जुलाई को करना होता है। बयान में कहा गया है कि भारत सरकार भी पाकिस्तानी कैदियों की सूची नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायुक्त से साझा की। पाकिस्तान ने 261 भारतीय कैदियों की लिस्ट जारी की है, वहीं भारत ने पाकिस्तानी उच्चायोग को जो लिस्ट सौंपी है उसमें 256 नागरिक और 99 मछुआरे शामिल हैं।

मछुआरों की गिनती कैदियों में क्यों है ज्यादा?

पाकिस्तान द्वारा जारी लिस्ट में मछुआरों की संख्या इसलिए ज्यादा है क्योंकि वह अनजाने में भारतीय सीमा पार करके पाकिस्तान समुद्री सीमा में मछलियां पकड़ने चले जाते हैं। जबकि भारत में पाकिस्तानी संदिग्ध ज्यादा गिरफ्तार किए जाते हैं। पाकिस्तान और भारत दोनों ही अक्सर मछुआरों को पकड़ लेते हैं क्योंकि अरब सागर में समुद्र का कोई स्पष्ट सीमा नहीं है। इन मछुआरों के पास समुद्री इलाके में सटीक बॉर्डर को जानने हेतु तकनीक से लैस नौकाएं भी नहीं हैं। इस वजह से लंबी और धीमी कानूनी प्रक्रियाओं के कारण, मछुआरे आमतौर पर कई महीनों तक जेल में रहते हैं। हालांकि दोनों ही देश समय-समय पर सद्भावना के रूप में मछुआरों को रिहा कर देते है।

सऊदी अरब ने बढ़ाया भारतीयों का हज कोटा

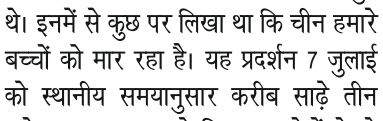

द रीव टाइम्स ब्यूरो

सऊदी अरब ने हाल ही में भारतीयों के लिए हज यात्रा के कोटे में 30,000 का इजाफा कर दिया है। भारत से अब एक साल में 2 लाख यात्री हज यात्रा पर जा सकते हैं। अब तक यह आंकड़ा 1,70,000 का था। मक्का में हर साल विश्व भर से लाखों की संख्या में लोग हज यात्रा के लिए जाते हैं। यह फैसला जी-20 बैठक से इतर पीएम नरेंद्र मोदी और मोहम्मद बिन सलमान के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता में लिया गया। जी-20 देशों की बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्यापार और निवेश, ऊर्जा सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दे पर बात की। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने सऊदी अरब को महत्वपूर्ण रणनीतिक साझीदार बताया। भारत के विदेश सचिव विजय गोखले ने दोनों नेताओं की मीटिंग के बाद कहा कि क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने भारतीयों के लिए हज कोटे को 1,70,000 से बढ़ाकर 2 लाख करने का फैसला लिया है। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और पीएम मोदी के बीच इस मीटिंग के दौरान टूरिज्म में इजाफे को लेकर भी बातचीत हुई। सरकार ने पिछले साल महिलाओं को बिना 'मेहरम' या पुरुष साथी के हज जाने की अनुमति दी थी। इस अनुमति के बाद करीब 1,300 महिलाएं अकेली हज यात्रा पर गई थी। उन्हें 'लॉटरी सिस्टम' से भी छूट दी गई थी। सऊदी अरब ने साल 2018 में हज कोटे में पांच हजार की बढ़ोतरी की थी। वहीं सऊदी अरब ने साल 2017 में 35,000 की वृद्धि की गई थी। सुप्रीम कोर्ट के साल 2012 में दिए फैसले के बाद पिछले साल सरकार द्वारा दी जाने वाली हज सब्सिडी को हटा दिया गया था।

अमेरिकी प्रतिबंधों से एक और देश बर्बादी की कगार पर

द रीव टाइम्स ब्यूरो

अमेरिका की दादागीरी ने एक और समृद्ध देश को बर्बादी की कगार पर पहुंचा दिया है। अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से इस देश की अर्थ व्यवस्था इतनी खस्ताहाल हो चुकी है कि यहां लोगों को पेट भरने और पीने के पानी के लिए भी जूझना पड़ रहा है।

यहां 25000 की एक रोटी बिक रही है। अर्थव्यवस्था के मामले में इस देश की स्थिति भी वेनेजुएला जैसी होने को है। बस अंतर इतना है कि इस देश के लोग अमेरिका के खिलाफ एकजुट हैं और सरकार देशवासियों को राहत पहुंचाने के लिए हर संभव मदद कर रही है। यहां हम बात कर रहे हैं अकूत तेल भंडार वाले देश ईरान की। इस देश की कुल राष्ट्रीय आय का आधा हिस्सा कच्चे तेल के निर्यात से हुआ करता था। अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से ईरान की तेल निर्यात से होने वाली आय लगभग बंद हो चुकी है। अपने परमाणु कार्यक्रमों की वजह से ईरान को लगभग 40 साल से लगातार विभिन्न तरह के अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। 12 जून 2019 को अमेरिकी ड्रोन को मार गिराने के बाद ईरान पर प्रतिबंध और कड़े कर दिए गए हैं। दरअसल, अमेरिका नहीं चाहता है कि ईरान परमाणु शक्ति बने।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से ईरान की अर्थव्यवस्था अपने 40 साल के इतिहास में सबसे खराब दौर से गुजर रही है। इसका असर ईरान के आम लोगों और उनकी दैनिक जरूरतों पर भी पड़ रहा है। खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के कारण ईरान में इन दिनों महंगाई चरम पर है। एक रोटी जो साल भर पहले तक 1000 ईरानी रियाल (1.64 रुपये) में मिलती थी, आज उसकी कीमत 25000 ईरानी रियाल (40.91 रुपये) हो गई है। इसी तरह खाने-पीने की अन्य चीजें भी कम से कम तीन से चार गुना तक महंगी हो चुकी हैं।

चीन के कानून के खिलाफ फिर सड़कों पर उतरे हांगकांग के लोग

द रीव टाइम्स ब्यूरो

हांगकांग को लेकर चीन की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। बीते दिनो चीन के एक कानून के खिलाफ हजारों लोगों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। यह लोग हाथों में चीन के खिलाफ बैनर और तख्ती लिए हुए थे। इनमें से कुछ पर लिखा था कि चीन हमारे बच्चों को मार रहा है। यह प्रदर्शन 7 जुलाई को स्थानीय समयानुसार करीब साढ़े तीन बजे शुरू हुआ। इसके लिए इन लोगों ने वो जगह चुनी थी जहां पर काफी संख्या में चीनी पर्यटक घूमने आते हैं। इन लोगों का प्रदर्शन वेस्ट कोलून स्टेशन पर जाकर खत्म हुआ। यह स्टेशन हांगकांग को चीन मेनलैंड से जोड़ता है। इस मुद्दे पर चीन की सख्ती और उसकी परेशानी का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि इसे कवर करने के लिए इंटरनेशनल मीडिया के इक्का दुक्का लोग ही यहां पर मौजूद थे।

वहीं प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस का व्यापक प्रबंध भी किया गया था। यह प्रदर्शन पूरी तरह से शांतिपूर्ण था, फिर भी चीन की धड़कनें इसको लेकर बढ़ी हुई है। जो विशाल प्रदर्शन हांगकांग की सड़कों पर देखने को मिला वह एक नए कानून को लेकर था। दरअसल, हांगकांग के लोग प्रत्यर्पण कानून में संशोधन के प्रस्ताव का जमकर विरोध कर रहे हैं। इनका कहना है कि इसके बाद हांगकांग के लोगों पर चीन का कानून लागू हो जाएगा और लोगों को मनमाने ढंग से हिरासत में ले लिया जाएगा और उन्हें यातनाएं दी जाएंगी। प्रदर्शनों के बाद इस कानून को फिलहाल निलंबित कर दिया गया है, लेकिन प्रदर्शनकारियों की मांग है कि इस कानून को रद किया जाए।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लगेगा मौसम का पूर्वानुमान

द रीव टाइम्स ब्यूरो

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से वैज्ञानिकों ने एक ऐसी एल्गोरिद्म विकसित की है जो मौसम का पूर्वानुमान लगा सकती है। एक अध्ययन में यह दावा किया गया है कि इसके जरिये तूफान और चक्रवात के आने से पूर्व वैज्ञानिक चेतावनी जारी कर सकेंगे, जिससे भारी मात्र में होने वाली जन-धन की हानि को कम किया जा सकेगा। 'आइईईई ट्रांजेक्शन ऑन जियोसाइंस एंड रिमोट सेंसिंग' में प्रकाशित हुए अध्ययन में बताया गया है इस मॉडल की मदद से तूफानों का जल्दी और सटीक पूर्वानुमान लगाने में मदद मिल सकती है। शोधकर्ताओं ने मशीन लर्निंग (एमएल) आधारित एक ऐसा फ्रेमवर्क तैयार किया है जो सैटेलाइट के जरिये बादलों की गति का पता लगाएगा, जिन पर आम तौर पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता। मौसम का अध्ययन करने वाली अमेरिकी संस्था एक्यूवैदर के वरिष्ठ फोरेंसिक मौसम विज्ञानी ने स्टीव विस्टर ने कहा कि मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लिए सबसे अहम है कि हमारे पास ज्यादा डाटा हो। वायुमंडल में नजर बनाए रखने के लिए हमारे पास वर्तमान में जो मॉडल और डाटा मौजूद है उसी से हम स्नैपशॉट लेकर मौसम का पूर्वानुमान लगा रहे हैं। इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने अमेरिका के मौसम का अध्ययन करने वाली 50 हजार से अधिक सैटेलाइट इमेजों का विश्लेषण किया और बादलों की गति और उनके आकार के आधार पर उन्हें चिन्हित किया। शोधकर्ताओं ने बताया कि 'कौमा के आकार' के बादलों का चक्रवात से मजबूत संबंध होता है। इसके कारण ओलावृष्टि, गर्जना, आंधी सहित कई गंभीर मौसमी परिस्थितियां बनती हैं। इन बादलों की पहचान के लिए शोधकर्ताओं ने कंप्यूटर और मशीन लर्निंग (एमएल) तकनीक का प्रयोग किया। इस विधि के जरिये शोधकर्ताओं ने 'कौमा के आकार' के बादलों को आसानी से खोजने में सफलता पाई। इसके जरिये कंप्यूटर ने समुद्र का डाटा एकत्र करने के साथ-साथ गंभीर मौसमी की स्थिति का पूर्वानुमान लगाने में वैज्ञानिकों की मदद की।

ईरान ने मानी परमाणु करार के उल्लंघन की बात

द रीव टाइम्स ब्यूरो

ईरान ने आखिर मान लिया है कि उसने 2015 में हुए परमाणु करार का उल्लंघन कर तय सीमा से ज्यादा संवर्धित यूरेनियम का भंडारण किया है। ईरान ने दुनिया के छह शक्तिशाली देशों अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस और जर्मनी के साथ करार किया था। लेकिन गत वर्ष मई में इस करार से अमेरिका हट गया था और ईरान पर सख्त प्रतिबंध थोप दिए थे। अमेरिका ने आशंका जताई है कि ईरान परमाणु हथियार बनाने में जुटा है। ईरान के विदेश मंत्री मुहम्मद जवाद जरीफ ने कहा कि उनके देश ने संवर्धित यूरेनियम के भंडारण की सीमा का उल्लंघन करते हुए 300 किलोग्राम से ज्यादा यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड (यूएफ 6) का भंडारण किया है। उनका यह बयान ऐसे समय पर आया है जब करार पर हस्ताक्षर करने वाले बाकी यूरोपीय देशों ने ईरान से अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद परमाणु करार के साथ बने रहने की अपील की है। जरीफ के बयान पर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आइएईए) ने कहा है कि उसके जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि क्या ईरान ने वाकई अनुमति से ज्यादा संवर्धित यूरेनियम का भंडारण किया है? वे इस बारे में जल्द ही अपनी रिपोर्ट एसेंजी को सौंप देंगे।

बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद ट्रेनिंग ले रहे जैश और लश्कर के आतंकी, बड़े हमले की तैयारी

द रीव टाइम्स ब्यूरो

बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान स्थिक आतंकी संगठनों ने अब अपना ठिकाना बदल लिया है। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद (JeM) और लश्कर-ए-तैयबा (LeT) ने बालाकोट हवाई हमले के बाद हक्कानी नेटवर्क और अफगान तालिबान जैसे चरमपंथी संगठनों से हाथ मिला लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक जैश-ए-मुहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठन अफगानिस्तान के कंधार और कुनार समेत अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अपना ठिकाना बना रहे हैं। बताया जा रहा है कि बालाकोट एयर स्ट्राइक का बदला लेने के लिए आतंकी यहां पर खतरनाक ट्रेनिंग ले रहे हैं। कंधार में भारतीय दूतावास पर आतंकी हमले की खुफिया रिपोर्ट के बाद हाई अलर्ट पर रखा गया है।

अंतरराष्ट्रीय दबाव के कारण बदला ठिकाना: 14 फरवरी को पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारतीय वायुसेना ने 26 फरवरी को पाकिस्तान के बालाकोट में एयर स्ट्राइ कर आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय दबाव के कारण पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन अफगानिस्तान में तालिबान के प्रभुत्व वाले इलाकों में सुरक्षित ठिकानों पर छिपे हुए हैं।

जैश आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद खुलासा: दरअसल आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आफगानिस्तान में ठिकाना बनाने का खुलासा इसी साल हुआ था, जब अफगान सुरक्षाबलों ने जलालाबाद से जैश के दो आतंकियों सिद्दिक अकबर और अताउल्ला को गिरफ्तार किया था।

ब्लैक लिस्ट से बचने के लिए पाकिस्तान की चाल: सूत्र बताते हैं कि फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) द्वारा पाकिस्तान को ब्लैक लिस्ट से बचने के लिए पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन अफगानिस्तान में सीमा पार अपना ठिकाना बदल रहे हैं। एफएटीएफ आतंकवाद की फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था है। फिलहाल पाकिस्तान एफएटीएफ की ग्रे सूची में बना हुआ है। भारत चाहता था कि पाकिस्तान को काली सूची में डाल दिया जाए। अगर पाकिस्तान को ब्लैक सूची में डाल दिया जाता है तो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर काफी गहरा असर पड़ेगा।

द रीव टाइम्स संस्थापक: डॉ. एल.सी. शर्मा, द रीव टाइम्स पब्लिकेशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक श्री प्रदीप कुमार जरेट द्वारा एसोसिएट प्रैस सायबू निवास समीप सेक्टर -2, बस स्टैंड मिडल मार्केट न्यू शिमला-9, हि.प्र. से प्रकाशित एवं मुद्रित
प्रधान सम्पादक: डा. एल.सी. शर्मा, फोन न. 0177 2640761, मेल : editor@themissionriev.com
Title Code : HPBIL00313 RNI Reference No. 1328500
साभार : विभिन्न ऑन लाइन समाचार पत्र

करेंट अफेयर्स

- पत्रकारिकता के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिये जाने वाले सर्वोच्च पुरस्कार 'स्वदेशाभिमानी केसरी मीडिया अवार्ड' से नवाजा गया है- टीजेएस जॉर्ज
- असम सरकार की तर्ज पर जिस राज्य सरकार ने भी राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर तैयार करने का निर्णय लिया है- नागालैंड
- हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने जापानी इंसेफेलाइटिस के मामलों को ध्यान में रखते हुये जिस राज्य में इसकी स्थिति की समीक्षा के लिये एक केंद्रीय दल भेजा है- असम
- पाकिस्तान ने हाल ही में जेलों में बंद जितने भारतीय कैदियों की सूची भारतीय उच्चायोग को सौंपी है-261
- राज्यसभा ने हाल ही में जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन को और जितने महीनों के लिए बढ़ाने वाले प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है- छह महीना
- वह राज्य सरकार जिसने महिलाओं के रात्रि शिफ्ट में कार्य करने के लिए 1948 के फैक्ट्री अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दी- गोवा सरकार
- हाल ही में वह देश जिसने International Whaling Commission की सदस्यता छोड़ते हुए फिर से व्हेल मछली का शिकार करना शुरू कर दिया है- जापान
- भारत ने स्ट्रमु अताका (Strum Ataka) एंटी टैंक मिसाइल की खरीद के लिए जिस देश के साथ 200 करोड़ रुपये के सौदे पर हस्ताक्षर किये हैं- रूस
- भारत सरकार के जिस विभाग द्वारा त्रिनेत्र तकनीक का परिक्षण किया जा रहा है- भारतीय रेलवे विभाग
- वह राज्य सरकार जिसने 17 ओबीसी जातियों को अनुसूचित जाति के सूची में शामिल किया- उत्तर प्रदेश
- उत्तर कोरिया की धरती पर कदम रखने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति हैं-डोनाल्ड ट्रम्प
- नेशनल डॉक्टर्स डे' मनाया जाता है - 01 जुलाई को
- 'Lessons Life Taught Me Unknowingly' इनकी आत्मकथा है -अनुपम खेर
- वह देश जिसमें उत्खनन के दौरान श्रीराम चंद्र जी और हनुमान जी की 4,000 वर्ष से अधिक पुरानी मूर्तियों का पता चला -इराक
- वह राज्य जिसमें विश्व भर में विलुप्त हो चुकी लंगूर की एक प्रजाति 'चंबा सेक्रेड लंगूर' फिर से पाई गई -हिमाचल प्रदेश
- क्रिकेट वर्ल्ड कप में लगातार 5 अर्धशतक लगाने वाले पहले कप्तान हैं - विराट कोहली
- इन्हें हाल ही में आरबीआई का पुनः डिप्टी गवर्नर बनाया गया है -एन एस विश्वनाथन
- यूके-इंडिया अवार्ड्स 2019 के तहत ग्लोबल आइकन ऑफ द ईयर के रूप में इन्हें चुना गया है - कुणाल नैय्यर
- वह राज्य जिसमें 'छबड़ा तापीय बिजली परियोजना' की पांचवीं और छठी इकाई का शुभारंभ किया गया - राजस्थान
- वह स्थान जहाँ भारत के प्रतिष्ठित आइफा अवार्ड्स 2019 का आयोजन किया जायेगा -नेपाल
- भारत की पहली आईपीएस अधिकारी जिसने अमेरिका कि सबसे ऊँची चोटी माउंट डेनाली पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की है - अपर्णा कुमार
- वह संस्थान जिसके द्वारा भारत में रिसर्च की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए STRIDE नामक पहल की घोषणा की गई है – UGC
- वह देश जिसने वैश्विक शक्तियों के साथ किये परमाणु समझौते के तहत तय की गई संवर्धित यूरेनियम भंडारण की सीमा तोड़ दी - ईरान
- वर्ष 2019 में वनडे क्रिकेट में 1000 रन का आंकड़ा पार करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज -रोहित शर्मा
- वह देश जिसके सीनेट ने भारत को नाटो के सहयोगी वाला स्टेटस देने वाले विधेयक को पारित किया -अमेरिका
- केवाईसी जरूरतों और चालू खाता खोलने के नियमों का अनुपालन नहीं करने को लेकर आरबीआई ने पीएनबी पर इतना जुर्माना लगाया - 50 लाख रुपये
- वह खिलाड़ी जो विश्व कप में 500 रन और 10 विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी बने हैं -शाकिब अल हसन
- आर्थिक समीक्षा 2019 के अनुसार वित्त वर्ष 2025 तक 5 लाख करोड़ (ट्रिलियन) डॉलर की इकॉनमी बनने के लिए भारत को प्रति वर्ष इतना प्रतिशत ग्रोथ हासिल करनी होगी -7 प्रतिशत
- स्वच्छ भारत मिशन के तहत देश के जितने प्रतिशत लोगों कि शौचालयों तक पहुंच सुनिश्चित की गई है उनका प्रतिशत - 93.1 प्रतिशत
- आर्थिक समीक्षा के अनुसार, 2021–31 के दौरान कामकाजी आयु वाली आबादी में मोटे तौर पर प्रति वर्ष वृद्धि की संख्या होगी - 9.7 मिलियन
- आर्थिक समीक्षा 2019 की घोषणा के दौरान पवन उर्जा में भारत का स्थान है - चौथा
- आर्थिक समीक्षा 2019 के अनुसार भारत में इलेक्ट्रिक कारों की बाजार में हिस्सेदारी मात्र 0.06 प्रतिशत है, जबकि नॉर्वे का बताया गया प्रतिशत है - 39 प्रतिशत
- आर्थिक समीक्षा में न्यूनतम वेतन के बारे में नियमित अधिसूचनाओं के लिए श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत प्रस्तावित नई व्यवस्था है - नेशनल लेवल डैशबोर्ड
- वह राज्य सरकार जिसके द्वारा आधिकारिक तौर पर 'अदर जेंडर' या 'थर्ड जेंडर' के स्थान पर ट्रांसजेंडर शब्द का इस्तेमाल करने की घोषणा की गई है - केरल
- ILO द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत में जिस वर्ष तक अधिक तापमान से मजदूरों के काम करने की गति में कमी आएगी तथा कुल वैश्विक श्रम उत्पादकता में 2 प्रतिशत तक का नुकसान होगा - 2030
- वह जिला जिसे केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा पुलिस स्टेशनों की रैंकिंग में पहला स्थान मिला है- बीकानेर
- वह भारतीय लेखक जिन्हें लंदन स्थित नेहरू सेंटर का निदेशक नियुक्त किया गया है -अमीश त्रिपाठी
- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि जनधन खाताधारक महिलाओं को जितने रुपये ओवरड्राफ्ट की सुविधा दी जाएगी-5000 रुपये
- केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2019–20 पेश करते हुए कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को साख प्रोत्साहन हेतु जितने करोड़ रुपये प्रदान किए जाएंगे-70,000 करोड़ रुपये
- बजट 2019 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा विदेशी छात्रों को भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु जिस कार्यक्रम की घोषणा की गई है- स्टडी इन इंडिया
- बजट 2019 में भारत में जल संरक्षण हेतु जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत जिस मिशन कि शुरुआत की गई है- जल जीवन मिशन
- निर्मला सीतारमण द्वारा दिए गये बजट भाषण के अनुसार देश में शोध को बढ़ावा देने के लिए जिस संस्थान की स्थापना की जाएगी- नेशनल रिसर्च फाउंडेशन
- बजट 2019 के अनुसार खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत जिस राष्ट्रीय बोर्ड की स्थापना की जाएगी- राष्ट्रीय खेल शिक्षा बोर्ड
- बजट 2019 के तहत वित्त मंत्री द्वारा जिस सेक्टर के लिए नया टीवी चैनल लॉन्च करने की घोषणा की गई है- स्टार्ट-अप्स
- बजट 2019 के अनुसार अगर कोई भी व्यक्ति बैंक से एक साल में एक करोड़ से अधिक की राशि निकालता है तो उस पर जितने प्रतिशत का टीडीएस लगाया जाएगा-2 प्रतिशत
- मोदी सरकार ने बजट 2019 में जितने लाख रुपये का घर खरीदने पर अतिरिक्त 1.5 लाख रुपये की छूट दी जाएगी-45 लाख रुपये
- केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की है कि 400 करोड़ रुपए तक के टर्नओवर वाली कंपनियों को जितने फीसदी कॉरपोरेट टैक्स देना होगा-25 फीसदी
- वह देश जिसकी सरकार ने हाल ही में सरकारी कार्यालयों में नकाब पहनने पर प्रतिबन्ध लगा दिया है- ट्यूनीशिया
- फै वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 में भारत के IIT बॉम्बे संस्थान को जो रैंक प्राप्त हुआ है-491वां
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में जिस स्थान से सदस्यता पर्व 2019 को लॉन्च किया है- वाराणसी
- वैज्ञानिक एजेंसियों द्वारा जारी किए नए आँकड़ों के अनुसार, ग्लोबल वार्मिंग के कारण जिस महाद्वीप के आसपास की बर्फ तेजी से पिघल रही है- अंटार्कटिका
- जिस राज्य सरकार ने जापानी वृक्षारोपण 'मियावाकी पद्धति' की तर्ज पर तेलंगानाकु हरिता हरम योजना की शुरुआत की है- तेलंगाना सरकार
- हाल ही में मानव शरीर के सभी ऊतकों की आणविक संरचनाओं का एक एकीकृत डेटाबेस बनाने और मानव शरीर की क्रियाविधि का एक समग्र रूप से खाका खींचने हेतु जिस एक नई पहल की शुरुआत की गई है- मानव एटलस
- हाल में जिस राज्य के किशनगंज जिले में गंगा की सहायक महानंदा नदी में पहली बार लुप्तप्राय गंगा नदी डॉल्फिन (Gangetic river dolphins) पाई गई है- बिहार
- हाल ही में जिस स्वदेशी मिसाइल की मारक क्षमता 290 किलोमीटर से बढ़ाकर 500 किलोमीटर कर दी गई है- ब्रह्मोस
- भारत के जिस शहर को हाल ही में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल किया गया है- जयपुर
- हाल ही में पाकिस्तान के जिस अनुभवी क्रिकेट खिलाड़ी ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत से संन्यास की घोषणा कर दी है- शोएब मलिक

हिमाचल सामान्य ज्ञान

- हिमाचल में फसल विविधिकरण संवर्धन परियोजना किस देश द्वारा वित्त पोशित की जा रही है-जापान
- एचपी स्टेट इनोवेशन आवार्ड के तहत कितनी राशि दी जाती है- 31 हजार रूपये
- कौन सा मतदान केंद्र हाल ही में दुनिया का सबसे ऊंचा मतदान केंद्र बना- लाहौल स्पीति में टाशीगंग जो 15, 256 फीट
- कुल्लू जिले की सोलंग घाटी में आयोजित नेशनल स्कीइंग चैंपियनशिप में पहला स्थान किसने हासिल किया-आसिफ अजीज
- हिमाचल प्रदेश के किस व्यक्ति को नेशनल जियोसाइंस अवार्ड 2017 से नवाजा गया -प्रो. ए महाजन
- एक शोध के अनुसार, कौन सी ट्रेन परियोजना पहाड़ी राज्य के लिए परिवहन का सबसे अच्छा पर्यावरण-अनुकूल तरीका साबित हो सकती है- मागलेव
- प्रदेश का कौन सा विंटर स्कूल ऑन कागनिटिव मॉडलिंग पर विंटर स्कूल की मेजबानी करने वाला भारत का पहला संस्थान बन गया है-आईआईटी मंडी
- आज पुरानी राहों से योजना किससे संबंधित है - स्थानीय घटनाओं, ऐतिहासिक घटनाओं और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने से
- किस पहाड़ी फिल्म ने मुंबई में क्वीर अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टीवल में क्यू -दृष्टि फिल्म ग्रांट जीता- सिद्धार्थ चौहान द्वारा निर्मित पाशी
- हिमाचल में किस स्थान को सबसे दर्शनीय सड़क श्रेणी में उपविजेता पुरस्कार मिला- शिमला- जिस्पा
- हिमाचल के किस गांव को आदर्श गांव के रूप चुना गया है- कांगड़ा के भवारना ब्लॉक का चचियान, इस गांव को शांता कुमार ने गोद लिया है
- 2019–20 के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ हिमाचल का नया अध्यक्ष किसे बनाया गया है- हरीष अग्रवाल
- 2019 को केंद्रीय तिब्बती प्रशासन ने किस वर्ष के तौर पर मनाया - ईयर ऑफ कमिटमेंट
- शिव रिडिस्कवरिंग मससूर मंदिर की पुस्तक के लेखक कौन हैं- एनके सिंह
- किस टीवी चैनल ने हिमाचल लोकसभा इलेक्शन पर डाक्यूमेंटरी बनाई है- एनजी चैनल
- 2017–18 परफोर्मेंस ग्रेडिंग में हिमाचल को कौन सा स्थान प्राप्त हुआ है- तीसरा
- नई दुनिया नई राहें प्रोजेक्ट के लिए कितने फंड का प्रावधान किया गया है- 50 करोड़
- रेणुकाजी डैम पर कितने राज्यों ने हस्ताक्षर किए थे- 6- उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान और उत्तराखंड
- 2018–19 के लिए प्रोजेक्टड ग्रोथ रेट क्या है- 7.3
- ग्रीन हाईवे के तौर पर किस हाईवे को विकसित करने की योजना है- हमीरपुर मंडी- एनएच 70
- ड्रग डिएडिक्शन केंद्र कहां खोला जाएगा- बद्दी
- आर्मी ट्रेनिंग सेंटर को मध्य प्रदेश से हिमाचल कब स्थानांतरित किया गया-1993 में
- पैनोरमा ऑफ हिमालयन आर्ट के लेखक कौन हैं- ओ सी हांडा
- हिमाचल में किस जिले में बायोटैक्नोलॉजी पार्क की स्थापना की जानी है- औडुवाल, सोलन
- एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर की स्थापना कहां की जाएगी- सलोल कांगड़ा
- हिमाचल के किस व्यक्ति को स्ट्राटअप हिरो ऑफ द स्टेट अवार्ड जीता- सुदर्शना कुमारी
- 21वीं सदी का भारत पुस्तक के लेखक कौन है- नरवीर लांबा
- नीति आयोग की रैंकिंग में हिमाचल की कौन सी रैंकिग है- दूसरी, जबकि केरला का पहला स्थान है।
- आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों को गंभीर बीमारी में सहायता के लिए कौन सी योजना है- सहारा, इसके तहत 2000 रूपये की आर्थिक सहायता देने का प्रावधान है।
- हिमाचल में किसान निधि योजना की शुरूआत किस जिले की गई- कांगड़ा
- गौ सेवा आयोग का मुख्यालय हिमाचल में कहां खोला जाएगा- शिमला
- सरदार वल्लभ भाई पटेल विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के किस जिले में है- मंडी
- किस व्यक्ति को दुबई में इंटरनेशल आईकोनिक अवार्ड से सम्मानित किया गया - डाक्टर सुनील शर्मा को
- हिमाचल में पहला सोलर वार प्रोजेक्ट कहां पर शुरू किया जाना है - बिलासपुर
- हिमाचल के बजट का कितना प्रतिशत जनजातिय क्षेत्र पर खर्च किया जा रहा है- 9 प्रतिशत
- इंडियन पोस्ट पेमेंट बैंक की शुरूआत किस जिले से की गई- ऊना
- कौन सा माह पोषण माह के तौर पर मनाया जाता है- सितंबर
- द वाइल्ड फ्लावर पुस्तक की लेखक कौन है- मंजू बाला
- फल विधायन संयत्र कहां है- गुम्मा में
- हिमाचल में इंडियन पोस्ट पेमेंट की कितनी शाखाएं खोली गई-12

हिमाचल प्रदेश स्वास्थ्य बीमा योजना (हिम केयर)

हिमाचल में लोगों को बेहतर और सस्ता इलाज उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार की ओर से कई तरह की योजनाएं चलाई जा रही है। ऐसी ही एक योजना है हिम केयर। इस योजना के तहत मात्र एक हजार रूपये सालाना का प्रीमियम देकर सरकारी अस्पतालों में पांच लाख तक का ईलाज निःशुल्क करवाया जा सकता है। द रीव टाइम्स के इस अंक में हम आपको हिमाचल प्रदेश सरकार की ओर से विशेष तौर पर शुरू की गई हिम केयर योजना की जानकारी देने जा रहे हैं।

हिम केयर योजना क्या है?

हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा एक नई योजना शुरू की गई है जो हिमाचल प्रदेश के लोगों को मुफ्त कैशलेस उपचार प्रदान करेगी। इस योजना को संक्षेप में 'हिमाचल स्वास्थ्य देखभाल योजना' या हिम केयर कहा जाता है। यह योजना दिसंबर 2018 में शुरू की गई थी। यह योजना हिमाचल के निवासियों को लाभान्वित करने के लिए शुरू की गई है। खास बात यह कि इस योजना का लाभ वही व्यक्ति ले सकते है। जो आयुष्मान योजना के तहत कवर नहीं किए जा रहे हैं। इन दोनों योजनाओं का लाभ एक साथ नहीं लिया जा सकता।

हिम केयर योजना के लाभ

चयनित परिवारों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक निशुल्क इलाज का प्रावधान किया गया है। इस योजना के तहत एक कार्ड पर अधिकतम पांच सदस्यों को लाभ मिलेगा। अगर किसी परिवार में सदस्यों की संख्या पांच से अधिक है तो ऐसे परिवारों के दो कार्ड बनाएं जाएंगे। इस स्कीम में लगभग 1800 उपचार प्रक्रियाओं कवर की जा रही है इसमें डे -केयर सर्जरी भी शामिल है। परिवार के सभी सदस्य इस योजना के तहत शामिल होने के पात्र है। इसमें कोई आयु सीमा निश्चित नहीं की गयी है।

193 अस्पताल हैं लाभ देने के लिए पंजीकृत

प्रदेश में 193 अस्पताल पंजीकृत हैं, जिनमें लाभार्थी निशुल्क इलाज प्राप्त कर सकते हैं।

हिम केयर योजना के तहत प्रीमियम

साधारण तौर पर इस योजना का लाभ लेने के लिए लाभार्थी को 1000 रूपये सालाना प्रीमियम देना होता है। लेकिन इसमे समाज के कुछ विशेष वर्गों को प्रीमियम चुकाने में छूट दी गई है। इसके लिए तीन श्रेणियां बनाई गई । पहली श्रेणी में कोई प्रीमियम नहीं है जबकि दूसरी श्रेणी में प्रतिदिन एक रूपये प्रीमियम के हिसाब से सालाना 365 प्रीमियम है जबकि तीसरी श्रेणी में 1000 रूपये प्रीमियम चुकाकर ई कार्ड बन जाता है और इस कार्ड के आधार पर एक साल के लिए पांच लाख तक का इलाज निशुल्क करवाया जाता है। इसके लिए जरूरी है कि इलाज उन्हीं अस्पतालों में करवाया जाए जिन्हें सरकार द्वारा पंजीकृत किया गया है। पंजीकृत अस्पतालों की सूची हिमाचल प्रदेश स्वास्थ्य बीमा योजना सोसायटी की अधिकारिक वेबसाईट https://hpsbys.in/content/mmmn पर उपलब्ध है

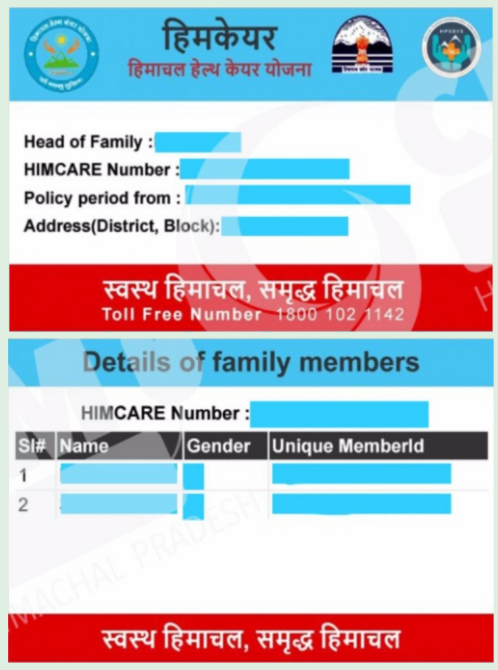

प्रथम श्रेणी -बीपीएल और पंजीकृत स्ट्रीट वेंडर (जो आयुष्मान भारत के तहत कवर नहीं होते)

दूसरी श्रेणी विकलांग-पहले इस योजना के तहत उन विकलांगों को ही शामिल किया जाना था जिनकी विकलांगता 70 प्रतिशत या इससे अधिक हो लेकिन अब 40 प्रतिशत विकलांगता को भी कवर करने का प्रावधान किया जा रहा है। वरिष्ठ नागरिक- 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक (वर्तमान में 80 वर्ष से अधिक आयु के नागरिक कवर किए गए हैं और नई योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को कवर करने का प्रस्ताव है)- आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी हेल्पर्स, आशा कार्यकर्ता (जो किसी अन्य स्वास्थ्य योजना का लाभ नहीं ले रहे), मिड-डे मील वर्कर, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी (स्वायत्त निकाय, सोसायटी, बोर्ड और निगम आदि)। पार्ट टाइम वर्कर्स (सरकार, स्वायत्त निकाय, सोसायटी, बोर्ड और निगम आदि), संविदा कर्मचारी (सरकारी, स्वायत्त निकाय, सोसायटी, बोर्ड और निगम आदि)

तृतीय श्रेणी जिन लाभार्थियों को श्रेणी- I और श्रेणी- II के अंतर्गत शामिल नहीं किया गया है या जो किसी सरकारी नौकरी में नहीं और परिवार में किसी पर आश्रित नहीं है।

हिम केयर के लिए नामांकन कैसे करें?

हिमाचल प्रदेश के निवासी www-hpsbys- पद वेबसाइट पर जाकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। यह वेब इंटरफेस राशन कार्ड, आधार कार्ड, मोबाइल नंबर और श्रेणी के प्रमाण को कैप्चर करेगा। लाभार्थी या तो सीधे ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से या लोक मित्र केंद्र (LMK) कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। निवासी ऑनलाइन भुगतान गेटवे के माध्यम से प्रीमियम का भुगतान कर सकते हैं। लाभार्थियों को एक नामांकन प्राप्त होगा जब उनके नामांकन को पीछे से मंजूरी दी जाती है और वह हिम केयर के तहत जारी किए गए अपने ई-कार्ड को डाउनलोड कर सकते हैं। ई - कार्ड डाउनलोडिंग लिंक लाभार्थियों के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर उपलब्ध होगा। ये ई -कार्ड अस्पताल स्तर पर भी उत्पन्न किए जा सकते हैं। दस्तावेजों के नामांकन और अपलोड के लिए प्रत्येक परिवार द्वारा 50 का भुगतान करना होगा। ई कार्ड की छपाई के इस शुल्क में सम्मिलित होगी। 50 लाभार्थी इस मुद्रित कार्ड को संबंधित सीएससी, एलएमके से अपना नामांकन अनुमोदन संदेश प्राप्त करने के बाद प्राप्त कर सकते हैं।

महत्वपूर्ण नोट: हिम केयर योजना में मुखिया राज्य स्वास्थ्य देखभाल योजना (MMSHCS) और हिमाचल प्रदेश सार्वभौमिक स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (HPUHPS) शामिल होंगी। इन दो योजनाओं के तहत सभी मौजूदा लाभार्थियों को एक ही यूनिक आईडी के साथ अपना सारा डेटा नई प्रणाली पर उपलब्ध होगा।

हिम केयर नामांकन स्थिति की जांच कैसे करें?

आधिकारिक वेबसाइट हिमाचल प्रदेश स्वास्थ्य बीमा योजना सोसाइटी (HPSBYS) पर विजिट करें:

'हिम केयर एनरोलमेंट' टैब पर क्लिक करें, एक ड्रॉप डाउन मेनू दिखाई देगा। दिखाई देने वाले ड्रॉप डाउन में से 'हिम केयर एनरोलमेंट स्टेटस' पर क्लिक करें। संदर्भ संख्या, राशन कार्ड नंबर पूछने वाला पृष्ठ दिखाई देगा। उसे भरें और एंटर दबाएं। आपकी नामांकन स्थिति प्रदर्शित की जाएगी।

पुराने कार्ड को हिम केयर पर कैसे बदले?

HPSBYS वेबसाइट के होम पेज पर जाएं। 'हिम केयर एनरोलमेंट' टैब पर क्लिक करें, एक ड्रॉप डाउन मेनू दिखाई देगा। माइग्रेट पुराने कार्ड से 'हिम केयर' लिंक पर क्लिक करें। आपका URN नंबर मांगने वाला एक पेज दिखाई देगा, इसे भरें और आगे आने वाले निर्देशों का पालन करें।

हिम केयर कार्ड का नवीनीकरण कैसे करें?

संबंधित लाभार्थी को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से उनकी पॉलिसी नवीनीकरण तिथि के बारे में सूचित किया जाएगा। वे अपनी संबंधित पॉलिसी को नवीनीकृत करने के लिए 15 दिन पहले एक पॉलिसी नवीनीकरण लिंक प्राप्त करेंगे।

- कार्ड का नवीनीकरण कैसे करें,
- वेबसाइट पर, सीधे 'हिम केयर' टैब पर जाएं।
- 'कार्ड के नवीनीकरण' लिंक पर क्लिक करें।
- अपना URN / Himcare नंबर दर्ज करें और उन निर्देशों का पालन करें जो दिखाई देंगे।

राज्य सरकार की योजनाओ और कार्यक्रमों पर द रीव टाइम्स का ये रहा वार्षिक प्रकाशन

- मुख्यमंत्री आशीर्वाद योजना
- ठाकुर सेन नेगी उत्कृष्ठ छात्रवृति योजना
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई)
- मुख्य मंत्री कन्यादान योजना
- हिमाचल प्रदेश मे विधवा पुनः विवाह योजना
- मदर टेरेसा असहाय मातृ सम्बल योजना
- शिक्षा लोन योजना : ऑनलाइन आवेदन एवं एप्लीकेशन फार्म...
- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना
- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना
- स्वरोजगार के लिए हिमाचल सरकार से मदद
- अनुभव योजना
- हिमाचल एक रुपये में करवाएं अपना इलाज
- मुख्यमंत्री मधु विकास योजना बढ़ाएगी हिमाचल में मिठास
  प्रदेश में शहद के व्यवसायिक उत्पादन में क्रांति लाने के लिए उद्यान विभाग ने मुख्यमंत्री मधु विकास योजना शुरु की...
- युवा आजीविका योजना
- हिमाचल पुष्प क्रांति योजना
- डेयरी एंटप्रेन्यूरशिप डिवेलपमेंट स्कीम
- मुख्यमंत्री खेत संरक्षण योजना
- गुड़िया हेल्पलाइन नंबर 1515
- सुकन्या समृद्धि योजना
- बेटी है अनमोल योजना
- सौभाग्य योजना
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
- प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना

साभार : विभिन्न ऑन लाइन समाचार पत्र

खुम्ब विकास योजना

खुम्ब स्वाद व् खाद्य पोषण तत्वों के लिए काफी लोकप्रिय हैं। हिमाचल प्रदेश की कृषि जलवायु खुम्ब की खेती के लिए उपयुक्त होने के कारण यहाँ प्राकृतिक परिस्थितियों में खुम्ब उत्पादन की अपार संभावनाएं है, और साथ ही वह निर्यात उद्देश्य के लिए भी विख्यात है। हिमाचल प्रदेश में दो प्रकार के खुम्ब अर्थात सफेद बटन खुम्ब (एग्रीक्स बिस्पोरौस) एवं धीनग्री (प्लयूरीटस एसपीपी) की खेती जाती है। राज्य में खुम्ब की व्यावसायिक खेती का आधुनिक तकनिकीकरण करने लिए दो अतिरिक्त सहायता परियोजना, जिसमे पहली परियोजना आंठ्वी पंच वर्षीय के दौरान खुम्ब विकास परियोजना चंबाघाट जिला सोलन एवं दूसरी परियोजना नौवीं पंचवर्षीय के दौरान इंडो डच खुम्ब विकास परियोजना पालमपुर, जिला कागड़ा में शुरू की गई थी। इन परियोजनाओं के अंतर्गत खाद का अधिक मात्रा में उत्पादन करने के लिए दो पाश्चीराईज्ड खाद इकाइयों की स्थापना की गई है जिनकी कुल पाश्चीराईज्ड खाद उत्पादन क्षमता 1350 मीट्रिक टन है जिसमे चंबाघाट में 350 मीट्रिक टन और पालमपुर 1000 मीट्रिक टन खाद का उत्पादन किया जाता है।

इन इकाइयों के द्वारा पाश्चीराईज्ड खाद पंजीकृत खुम्ब उत्पादकों को शिमला, सोलन, सिरमौर , किन्नौर, कांगड़ा, चंबा, हमीरपुर, ऊना, और बिलासपुर जिलों में उपलब्ध करवाई जा रही है। इस परियोजनाओं में मुख्यतः अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, आईआरडीपी, लघु व सीमांत किसानों और बेरोजगार स्नातकों को पहले प्राथमिकता दी जाती हैं। प्रदेश में खुम्ब विकास कार्यक्रम के अंतर्गत अन्य खुम्ब संभावित क्षेत्रों को शामिल करने के लिए केंद्र सरकार की सहायता द्वारा दो, धारबाग्गी (बैजनाथ) जिला काँगड़ा व् बजौरा जिला कुल्लू में अधिक मात्रा में पाश्चीराईज्ड खाद का उत्पादन के लिए पाश्चीराईज्ड खाद इकाईयां स्थापित की गई है। इन दो इकाइयों में कुल्लू, मंडी, कांगड़ा, बिलासपुर और हमीरपुर जिलो के भागों को शामिल किया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र में इन इकाइयों की स्थापना से पाश्चीराईज्ड खाद की उत्पादन क्षमता प्रतिवर्ष 3000 मीट्रिक टन तक बढ़ गई है। इस परियोजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष पाश्चीराईज्ड खाद की पूर्ति के लिए 200 नये खुम्ब उत्पादक पंजीकृत हो रहे हैं।

उद्यान तकनीकी मिशन के अन्तर्गत शिमला जिले के ऊपरी क्षेत्रों एवं किन्नौर जिले में रहने वाले किसानों को पाश्चीराईज्ड खाद की मांग को पूरा करने के लिए दत्तनगर, जिला शिमला में एक पाश्चीराईज्ड खाद इकाई की स्थापना करने का प्रस्ताव रखा गया है, जिसमे मंडी और कुल्लू जिलों के साथ अन्य दूर दराज के क्षेत्रों को सयुंक्त किया जाना है। इस समय सोलन, शिमला, सिरमौर, बिलासपुर, हमीरपुर, कुल्लू और कांगड़ा जिलों के निजी क्षेत्रों में 33 पाश्चीराईज्ड खाद उत्पादन इकाइयां और 12 स्पॉन उत्पादन इकाइयां स्थापित की गई है। 11वीं पंचवर्षीय योजना में मुख्य तौर पर पाश्चीराईज्ड खाद इकाईयों की उत्पादन क्षमता को बढ़ाना और पंजीकृत खुम्ब उत्पादकों की जरूरतों को पूरा करने में दिया जायेगा। ग्यारहवी पंचवर्षीय योजना के तहत खुम्ब के उत्पादन को प्रतिवर्ष 6000 मीट्रिक टन पहुचाने का लक्ष्य रखा गया। और साथ ही विभागीय इकाईयों के द्वारा 3500 मीट्रिक टन पाश्चीराईज्ड खाद की आपूर्ति का लक्ष्य रखा गया।

खुम्ब विकास योजनाओं के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार से है:

- संभावित खुम्ब उत्पादकों को खुम्ब की खेती करने के लिए प्रशिक्षण की सुविधाएं प्रदान करना

- खुम्ब उत्पादकों को विस्तार सेवाएं प्रदान करवाना
- परियोजनाओ के खुम्ब उत्पादन चौम्बर में खुम्ब की खेती का तकनिकी प्रदर्शन
- सहकारी एंव निजी क्षेत्र में खुम्ब उत्पादन व् प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना करने के लिए परामर्श सेवाएं प्रदान करना
- इस उद्योग के लिए उचित विपणन एवं प्रसंस्करण चैनलों को विकसित करना. इन योजनाओ के तहत खुम्ब की खेती इस प्रकार से की जा रही है।

खुम्ब की खेती करने के लिए प्रशिक्षण:

- 7 से 10 दिनों के प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन करना जिसमे तकनिकी जानकारी के द्वारा कैसे खुम्ब की खेती की जाती है। खुम्ब की खेती को पता है कि कैसे तकनीकी प्रदान करने के लिए
- हिमाचल प्रदेश के कृषको को प्रशिक्षण भत्ते का प्रावधान
- खुम्ब की खेती में प्रशिक्षण के लिए पहले महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, आईआरडीपी, छोटे व् सीमांत किसानों और बेरोजगार स्नातक युवाओ को प्राथमिकता देना।

खुम्ब उत्पादकों का पंजीकरण

- प्रशिक्षित खुम्ब उत्पादकों जैसे अनुसूचित जाति जनजाति, आईआरडीपी, लघु एवं सीमांत किसानों तथा बेरोजगार स्नातक युवाओ का वर्ग के अनुसार पजीकरण

खाद की आपूर्ति

- पंजीकृत खुम्ब उत्पादकों को मौजूदा सब्सिडी दरो पर खाद(पाश्चीराईज्ड) की गुणवंता के साथ साथ पाश्चीराईज्ड आवरण वाली मिट्टी भी उपलब्ध करवाना। सब्सिडी की मौजूदा दरों पर .

मशरुम के बीज की उपलब्धता

- उद्यान विभाग अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयासों के साथ इन प्रयोगशालाओं (यूएचएफ नौनी, खुम्ब अनुसंधान निदेशालय चंबाघाट, जिला सोलन, एचपीकेवीवी पालमपुर और अन्य सोलन जिले में स्थित प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओ) में अच्छी गुणवत्ता वाले अंडे बनाने की कोशिश कर रहा है।

खुम्ब की खेती करने के लिए ऋण की सुविधा

- बागवानी विभाग के पंजीकृत प्रशिक्षित खुम्ब उत्पादकों की सहायता के लिए परियोजना की रिपोर्ट बना कर नाबार्ड-एनएचबी और राष्ट्रीयकृत बैंकों के द्वारा चल रही योजनाओं के अधीन इन मामलो को मंजूरी देनी की सिफारिश भी करता है।

विस्तृत सेवाएं

- खुम्ब उत्पादकों को खुम्ब की खेती करने पर मुक्त साहित्य का वितरण
- खाद के नमूनों में बीमारी का प्ररीक्षण बिल्कुल निःशुल्क
- निःशुल्क दर पर मौके तकनीकी मार्गदर्शन का प्रावधान

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना

- पंजीकृत खुम्ब उत्पादकों को 20•12•10 फुट के खुम्ब भवन निर्माण और भवन में रैक बनाना, खुम्ब किट, उपकरण, पाश्चीराईज्ड खाद आदि की खरीद के लिए 80,000 रुपए की सहायता दी जाति है।

खुम्ब के विकास के लिए सब्सिडी

- इन योजनाओं के मुख्य उदेश्य किसानों एवं बेरोजगार स्नातक युवाओ को खुम्ब उत्पादन के लिए सब्सिडी के रूप में दी जानी वाली आवश्यक निम्न वस्तुओं को उपलब्ध करवाना है, ताकि किसानों और बेरोजगार स्नातक युवाओ को उनके सामाजिक व आर्थिक विकास के लिए बड़ी संख्या में इस व्यवसाय को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

वस्तु पाश्चीराईज्ड खाद के लिए परिवहन की सुविधा

- खाद के लिए सब्सिडी अधिकतम 400 ट्रे (40 कि० ग्रा०) लघु व सीमांत किसानों / बेरोजगार स्नातक युवाओं के लिए रु.20 प्रति ट्रे और अनुसूचित जातिध्जनजाति और आईआरडीपी किसानों के लिए रु.40 प्रति ट्रे
- पाश्चीराईज्ड खाद के लिए परिवहन की सुविधा सभी उपरोक्त श्रेणियों के लिए 100 प्रतिशत

केन्द्र सरकार की योजनाओ और कार्यक्रमों पर द रीव टाइम्स का ये रहा वार्षिक प्रकाशन

- प्रधानमंत्री आवास योजना — गांव और शहरों में किसे और कैसे मिल सकता है इस योजना का लाभ?
- मेक इन इंडिया अभियान... धीमा ही सही भारत हो रहा गतिमान
- आयुष्मान भारत योजना
- स्टार्ट – अप इंडिया
- प्रधानमंत्री आवास योजना
- सांसद आदर्श ग्राम योजना
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना
- एचपीयू से करें आईएएस और एचएएस की तैयारी
- प्रधानमंत्री आवास योजना
- ग्रामीण भंडार योजना
- सोलर चरखा मिशन योजना
- सांसद आदर्श ग्राम योजना
- ग्रामीण भंडार योजना
- बेटी है अनमोल
- हिमाचल प्रदेश सरकार मुफ्त लैपटॉप योजना
- हिमाचल प्रदेश मे मुख्य मंत्री बाल उद्धार योजना
- मुख्यमंत्री खेत संरक्षण योजना के तहत अब किसान अपनी पसंद की कंपनी से करवा सकेंगे सोलर फेंसिंग
- कृषोन्नति योजना हरित क्रांति
- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय पोषण
- स्वदेश दर्शन योजना
- राष्ट्रीय गोकुल मिशन
- स्त्री स्वाभिमान योजना
- किसान विकास पत्र योजना : ब्याज दर व नियम
- खेलो इंडिया कार्यक्रम योजना
- रियायती वित्तपोषण योजना Concessional Financing Scheme (CFS)
- हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री बाल उद्धार योजना
- लघु उद्योग

सभार : विभिन्न ऑन लाइन समाचार पत्र

RIEV-CLINIC

IIRD हम जानते हैं गाँव को बेहतर Institute for Integrated Rural Development

A constituent unit of
INSTITUTE FOR INTEGRATED RURAL DEVELOPMENT
(Approved from Health Department, Govt of H.P.)

Diagnostics •Consultancy •Path Lab •Wide Range of Medicines

A Unique Integrated Health Care Center
Under the Patronage of Dr. K.R. Shandil, Former HOD (Path & Medicine) IGMC-Shimla

Comprehensive Health Services Under Single Roof

CONSULTANCY
Dr. K.R. Shandil
- HOD (Health) Mission-RIEV
- Former HOD (Path & Medicine) IGMC Shimla

- Pathology expertise
- Medication consultancy
- Diet plan
- Diagnostic expertise
- Periodic health monitoring

PATH LAB
- Mr. Rahul
- Mr. Vijay Thakur
- Phlabotomist & Experienced Technician (More than 4 year experience)

- Biochemistry
- Urine analysis
- Haemetalogy (All type of blood test)
- Discounted full package-1450
- Package without thyroid-1000
- Home collection | Report with in 3hrs

NURSING HOME CARE
- Ms. Neelam
- Experienced GNM (More than 5 year experience)

- Child care
- Assistance in injectables
- Assistance in medicine counselling
- ECG

MEDICATION AND HEALTH SUPPLEMENTS
- Ms. Kumari Neelam
- Registered Pharmacist (More than 5 year experience)

- Wide range medicines
- Surgicals
- Diverse range of Janaushadhi
- Herbal products
- Nutrient supplements

Bye Pass Road, Shanan, Sanjauli, Shimla H.P. 171006, India
Contact :- 0177-2843528, Email : info@iirdshimla.org, Website : iirdshimla.org

हिन्द सेवा संगठन

हिन्द सेवा संगठन
की ओर से
द रीव टाईम्स की
वर्षगांठ पर
हार्दिक शुभकामनाएं

WE ARE HIRING

BUSINESS DEVELOPMENT EXECUTIVES
MBA or EQUIVALENT IN SHIMLA

EXPLORE THE UNIVERSE OF BUSINESS OPPORTUNITIES

Recruitment	Business Development Executive (BDE)
Location	Shimla City
Number	100
Eligibility	MBA or equivalent
Training	As per NSDC pattern (200 hrs training at IIRD, Shanan)
Mandatory	Laptop
Training Certification Fee	Rs. 10000/-
Salary	Rs. 15000/- for first 3 months during probation
Present Position	Shimla city for 3 months including training period
Post 3 months	All to be deployed at each block headquarter
Salary post probation	Rs. 20,000/-*

T&C Apply*

Visit to know more & Apply at : www.recruitment.missionriev.in

IIRD हम जानते हैं गाँव को बेहतर

Last Date for Submission of Application is 20-07-2019

MISSION RIEV Ruralising India- Empowering Villages

For Detail Contact : 0177 2844073, 78760 52696, 82196 94079

IIRD Complex, Bypass Road, Shanan, Sanjauli, Shimla, H.P.-171006 Email : info@iirdshimla.org

Thakur Graphics Printing Professional

THAKUR GRAPHICS

All Kind of Offset Printing & Screen Printing

- Visiting Card, Bill Book, Brochure, Leaflets
- Posters, Stickers, School Magzine, Souvenir
- Designing, Typing, Scanning, Colour Printouts
- Digital Flex, Glow Sign Board & ACP Board

Krishna Bhawan Nr. Auckland School, Lakkar Bazar
Shimla - 171001 (H.P.)

94180 48492
0177 2808492

Email : thakurgraphics@gmail.com

With Best Wishes

HIMSTAR VIEW

Feel at home

A sense of warmth and relaxation...

HIM STAR VIEW ROAD MAP

jawahar colony bhatta kuffer sanjauli shimla, 171006 H.P.
Contact : 9318599082, 9218599082

साभार : विभिन्न ऑन लाइन समाचार पत्र